खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 27 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-324

संविधान दिवस पर मोदी ने नागरिकों से अपने कर्तव्यों को सबसे पहले रखने पर जोर दिया

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को संविधान दिवस के मौके पर नागरिकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों को सबसे पहले रखें क्योंकि भारत अब एक मविकसित भारतफ के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

श्री मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर देश के नागरिकों को पत्र लिखकर 1949 में संविधान को ऐतिहासिक रूप से अपनाए जाने का स्मरण करते हुए राष्ट्र की प्रगति में इसकी स्थायी भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में सरकार ने इस पवित्र दस्तावेज़ के सम्मान में 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया था।

श्री मोदी ने इस बात का उल्लेख किया कि कैसे संविधान ने साधारण पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को उच्चतम स्तर पर राष्ट्र की सेवा करने के लिए सशक्त बनाया है और संसद तथा संविधान के प्रति अपने सम्मान के अनुभव साझा किए। उन्होंने वर्ष 2014 में संसद की सीढ़ियों पर झुकने और 2019 में सम्मान के प्रतीक के रूप में संविधान को अपने माथे पर धारण करने का स्मरण किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि संविधान ने असंख्य नागरिकों को सपने देखने और उन सपनों को साकार करने की शक्ति प्रदान की है।

प्रधानमंत्री ने संविधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर और कई प्रतिष्ठित महिला सदस्यों को याद किया, जिनकी दूरदर्शिता ने संविधान को समृद्ध बनाया। उन्होंने संविधान की 60वीं वर्षगांठ के दौरान गुजरात में आयोजित संविधान गौरव यात्रा तथा इसकी 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित संसद के विशेष सत्र और राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जिनमें रिकॉर्ड जन भागीदारी देखी गई।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस वर्ष का संविधान दिवस विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सरदार वल्लभभाई पटेल और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ और श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत की वर्षगांठ के साथ मेल खाता है।

श्री मोदी ने कहा कि ये व्यक्तित्व और मील के पत्थर हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाते हैं, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 51ए में निहित है। उन्होंने महात्मा गांधी के इस विश्वास को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के पालन से निकलते हैं। श्री मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कर्तव्यों को पूरा करना सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है।

श्री मोदी ने भविष्य की ओर देखते हुए कहा कि इस सदी की शुरुआत के 25 वर्ष व्यतीत हो चुके हैं, ▶10 पर

संविधान राष्ट्रीय अस्मिता का ग्रंथ, इसे आत्मसात कर संसद ने जन आकांक्षाओं को अभिव्यक्त किया : मुर्मू

नई दिल्ली 26 नवम्बर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संविधान को राष्ट्रीय अस्मिता और पहचान का ग्रंथ बताते हुए कहा है कि बीते दशक में हमारी संसद ने इसके मूल्यों पर चलते हुए जन आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने के अनेक कार्य किये हैं। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां संविधान दिवस के अवसर पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में अपने अभिभाषण में कहा कि संविधान सभा ने संसदीय प्रणाली को अपनाने के पक्ष में जो ठोस तर्क दिये गए थे वे आज भी प्रासंगिक हैं। विश्व के विशालतम लोकतन्त्र में जन-आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने वाली भारतीय संसद, विश्व के अनेक लोकतंत्रों के लिए आज एक उदाहरण के रूप में प्रतिष्ठित है। उन्होंने कहा , हमारे संविधान निर्माता चाहते थे कि संविधान के माध्यम से हमारा सामूहिक और व्यक्तिगत स्वाभिमान सुनिश्चित रहे। मुझे यह कहते हुए बहुत प्रसन्नता होती है कि बीते दशक में हमारी संसद ने जन-आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने के अत्यंत प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि संविधान निर्माताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए वह सभी सांसदों को बधाई देती हैं और कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से संविधान सभा के परम सम्माननीय सदस्यों की स्मृति में सादर नमन करती हैं। उन्होंने कहा कि संविधान की अंतरात्मा सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता जैसे आदर्शों में अभिव्यक्त होती है।उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि इन सभी आयामों पर संसद सदस्यों ने संविधान निर्माताओं की परिकल्पनाओं को यथार्थ स्वरूप प्रदान किया है। संसदीय प्रणाली की सफलता के ठोस प्रमाण के रूप में, आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेज गति से अग्रसर है। भारत में लगभग 25 करोड़ लोगों के गरीबी की सीमारेखा से बाहर आने से आर्थिक न्याय के पैमाने पर विश्व की सबसे बड़ी सफलता अर्जित हुई है।

चुनाव आयोग ने कोलकाता में बीएलओ के प्रदर्शन को बताया गंभीर सुरक्षा उल्लंघन

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया चल रही है। बंगाल में इसको लेकर हंगामा मचा हुआ है। इस बीच चुनाव आयोग ने बुधवार को कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार वर्मा को एक पत्र लिखा। चुनाव आयोग ने कोलकाता में चीफ़ इलेक्टोरल ऑफिसर के ऑफिस में बूथ-लेवल ऑफिसर्स बीएलओ के विरोध प्रदर्शन के दौरान गंभीर सुरक्षा उल्लंघन का आरोप लगाया और 48 घंटे के अंदर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी।

पत्र में कहा गया है, मुझे यह बताने का निर्देश दिया गया है कि इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के संज्ञान में आया है कि 24.11.2025 को पश्चिम बंगाल के चीफ़ इलेक्टोरल ऑफिसर के ऑफिस में एक गंभीर सुरक्षा उल्लंघन हुआ है, जिसकी मीडिया में भी बड़े पैमाने पर रिपोर्ट की गई है। सीईओ के ऑफिस में मौजूदा सुरक्षा स्थिति को संभालने के लिए अपर्याप्त लग रही थी, जिससे चीफ़ इलेक्टोरल ऑफिसर, एडिशनल चीफ़ इलेक्टोरल ऑफिसर्स, जॉइंट चीफ़ इलेक्टोरल ऑफिसर्स, डिप्टी चीफ़ इलेक्टोरल ऑफिसर्स और चीफ़ इलेक्टोरल ऑफिसर के ऑफिस में काम करने वाले अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। ईसीआई ने इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त की और पुलिस को सीईओ मनोज अग्रवाल के ऑफिस में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया, जिसमें उनके घर पर और आने-जाने के दौरान भी उनकी सुरक्षा शामिल है।

पत्र में आगे कहा गया है, कमीशन आगे निर्देश देता है कि एसआईआर गतिविधियों और राज्य में होने वाले चुनावों के कारण संवेदनशीलता को देखते हुए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसी कोई अप्रिय घटना दोबारा न हो। इस लेटर की कॉपी चीफ़ सेक्रेटरी, होम सेक्रेटरी, डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस और सीईओ को भी भेजी गई है। हालांकि कमिश्नर वर्मा ने अभी तक ईसीआई को जवाब नहीं दिया है।

ईसीआई का यह लेटर बीएलओ अधिकार रक्षा समिति द्वारा सीईओ के ऑफिस के बाहर चल रही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान अत्यधिक काम के दबाव का हवाला देते हुए किए गए प्रदर्शन के बाद आया है। प्रदर्शनकारी शुरू में सोमवार को एक रैली के लिए इकट्ठा हुए थे, लेकिन वे सीईओ मनोज अग्रवाल से मिलने की मांग करते हुए रात भर सीईओ के ऑफिस के अंदर ही रहे।

सोमवार को एक रैली और लंबे समय तक गतिरोध के बाद, पुलिस ने 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को एक ज्ञापन सौंपने के लिए ऑफिस में जाने की अनुमति दी, जिससे कुछ समय के लिए तनाव कम हुआ। लेकिन इसके तुरंत बाद फिर से अशांति फैल गई। शाम करीब 4.30 बजे समिति के कई सदस्य सीईओ के चैंबर के बाहर बैठ गए और मांग करने लगे कि सीईओ मनोज अग्रवाल खुद ज्ञापन स्वीकार करें। इसके बाद नारे लगने लगे, और बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। रात में सात लोग कैंपस के अंदर ही रहे, जिनमें कन्वीनर मोइदुल इस्लाम भी शामिल थे, जो एक स्कूल टीचर हैं और बीएलओ नहीं हैं। साथ ही दूसरे बीएलओ अमित मंडल, सोनाली चक्रवर्ती, तनुश्री भट्टाचार्य और सोइफुल्ला हलदर भी थे।

सोमवार शाम को सीईओ मनोज अग्रवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कहा कि कई बीएलओ ने काम के बोझ के बावजूद 15 दिनों में अपना काम पूरा कर लिया है और बीएलओ ही एसआईआर प्रोसेस के असली सिपाही और असली हीरो हैं। लेकिन प्रदर्शनकारी वहीं शॉल ओढ़कर ज़मीन पर बैठे रहे, और वे पूरी रात ऑफिस के अंदर ही रहे। मंगलवार सुबह भी हालात वैसे ही रहे। वही ग्रुप अपना धरना जारी रखे हुए था, सीईओ के आने का इंतज़ार कर रहा था, जबकि उनके ऑफिस के बाहर का कॉरिडोर सिक्योरिटी गार्ड्स से भरा हुआ था।

▶10 पर

राम मंदिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान को भारत की दो टूक

दागदार रिकार्ड वालों को नैतिक उपदेश देने का हक नहीं

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत ने अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वज स्थापना के बारे में पाकिस्तान की टिप्णाी को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि पाकिस्तान का अल्पसंख्यकों के साथ बुरे बर्ताव का रिकार्ड जग जाहिर है और ऐसे में उसे भारत को नैतिक उपदेश देने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा , हमने पाकिस्तान की टिप्पणी देखी है और हम उसे उसी अवमानना के साथ खारिज करते हैं जिसके वे हकदार हैं। एक ऐसे देश के तौर पर जिसका अपने अल्पसंख्यकों के दमन, कट्टरता और व्यवस्थित बुरे बर्ताव का दागदार रिकार्ड है, पाकिस्तान के पास दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

प्रवक्ता ने कहा कि खोखले पाखंडी उपदेश देने के बजाए पाकिस्तान के लिए बेहतर होगा कि वह अपने अंदर झांके और अपने खराब मानवाधिकार रिकार्ड पर ध्यान दे। उन्होंने कहा कि जहां तक मानवाधिकार का सवाल है पाकिस्तान को अपनी गिरेबां में झांकना होगा क्योंकि दुनिया को पता है कि पाकिस्तान में मानवाधिकार का हनन हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या स्थित राममंदिर पर ध्वज स्थापना की थी जिसके बाद पाकिस्तान ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह कदम कथित तौर पर धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़ते दबाव और मुस्लिम विरासत को मिटाने की कोशिश का हिस्सा है। ▶10 पर

भारत में सफरान के विश्वस्तरीय विमान इंजन सर्विस सेंटर का लोकार्पण किया मोदी ने

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांसिसी कंपनी सफरान से भारत में ही विमानों के इंजन और कल पुर्जों के डिजाइन की संभावनाओं का पता लगाने और अंतरिक्ष यानों की प्रणोदन प्रणालियों के डिजाइन तथा विनिर्माण के लिए भारत में मौजूद अवसरों तथा प्रतिभाओं का उपयोग करने की अपील की है।

श्री मोदी ने मंगलवार को यहां सफरान के विमान इंजनों के रख रखाव , मरम्मत और ओवरहालिंग (एमआरओ) केंद्र का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण किया। उन्होंने भारत में सबसे तेजी से बढ़ रहे घरेलू नागर विमानन सेवा क्षेत्र और भारतीय एयरलाइन कंपनियों की ओर से बड़ी संख्या में विमानों की खरीद की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारत अब हर सेक्टर में उत्पादों का डिजाइन तैयार करने के लिए डिजाइन -इन- इंडिया को भी बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर रहा है। सफरान की यह सुविधा विमान इंजनों की बड़े स्तर की मरम्मत की पहली अत्याधुनिक सुविधा है।

सफरान की यह सुविधा लीप(लीडिंग एज एविएशन प्रोपल्शन) इंजन के लिए है जो एयरबस ए320 नियोऔर बोइंग 737 मैक्स विमानों की ताकत हैं। हैदराबाद की यह सुविधा दुनिया की सबसे बड़ी इंजन एमआरओ केंद्र है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सिर्फ नागर विमानन क्षेत्र के लिए एमआरओ सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहता बल्कि जहाजरानी से जुड़े एमआरओ पारिस्थितिकी तंत्र पर भी बहुत बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, म मैं सफरान की टीम से आग्रह करूंगा कि आप भारत में एयरक्राफ्ट इंजन और उसके कल पुर्जों का डिजाइन तैयार करने की संभावनओं की तलाश करें। इसमें सूक्ष्म , लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का, हमारा बहुत बड़ा नेटवर्क और हमारा युवा प्रतिभाओं की फौज आपको बहुत मदद करेगी।

अंरिक्ष यानों की प्रणोदन प्रणालियों पर सफरान के बड़े स्तर के काम का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ममैं चाहूंगा कि आप प्रोपल्शन डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए भी भारत के टैलेंट को और अवसरों का उपयोग करें।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ,सफरान के निदेशक मंडल के अध्यक्ष रास मैक इन्नेस और मुख्य कार्यकारी ओलिवियर एंड्रीज तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस नयी सुविधा से विमान इंजनों की मरम्मत का बड़ा काम अब भारत में ही होने लगेगा।

श्री मोदी ने कहा कि भारत का नागर विमान क्षेत्र अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है और इस समय दुनिया के सबसे तेजी से बढ़े घरेलू नागर विमान बाजार में शामिल है। भारत में विमानन सेवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और एयरलाइन कंपनियों ने अपने विमान बेड़ों के विस्तार के लिए 1500 से ज्यादा नए विमानों की खरीद के आर्डर दिये हैं। उन्होंने कहा, आज से भारत का नागर विमान क्षेत्र एक नई उड़ान भरने जा रहा है। सफरान की यह नई सुविधा भारत को एक वैश्विक एमआरओ केन्द्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। ▶10 पर

हांगकांग में बड़ा हादसा

सात हाईराइज इमारतों में भीषण आग से 13 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। हांगकांग के एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में ऊंचे अपार्टमेंट की बिल्डिंग में आग फैल गई, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई और कुछ अभी भी फंसे हुए हैं। इस बात की जानकारी शहर की फायर सर्विस ने बुधवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि नौ लोगों को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया और चार अन्य लोगों को बाद में अस्पताल भेजा गया, जिनकी मौत की पुष्टि हुई। कम से कम 15 अन्य घायल हो गए। लगभग 700 लोगों को अस्थाई आश्रय में पहुंचाया गया है।

रिकॉर्ड्स से पता चलता है कि हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में आठ ब्लॉक थे जिनमें लगभग 2,000 अपार्टमेंट थे जिनमें लगभग 4,800 लोग रहते थे। भयंकर आग से लपटें और घना धुआं तेजी से बांस के मचान और कंस्ट्रक्शन नेट पर फैल गया। इन्हें हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के बाहर लगाया गया था।

घटनास्थल के वीडियो में एक-दूसरे के पास कई इमारतें जलती हुई दिख रही हैं और रात होते-होते कई अपार्टमेंट की खिड़कियों से तेज लपटें और धुआं निकल रहा है। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी ऊपर से ट्रकों से तेज लपटों पर पानी डाल रहे थे।

फायर सर्विस डिपार्टमेंट ने बताया कि आग दोपहर में लगी और रात होने के बाद अधिकारियों ने इसे लेवल 5 अलार्म तक बढ़ा दिया, जो सबसे ज्यादा गंभीरता का लेवल है। देर रात तक आग की लपटें उठती रहीं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

बुलडोजर एक्शन पर बोले पूर्व सीजेआई बीआर गवई उन्हीं से वसूला जाएगा पैसा...

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व चीफ जस्टिस बीआर गवई ने सिर्फ अपराध के आरोप के आधार पर बुलडोजर एक्शन पर कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे कार्यपालिका के जज की तरह काम करने और बिना सही प्रोसेस के सामूहिक सजा देने का उदाहरण बताया है।

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए, जस्टिस गवई ने कहा कि यह तरीका ऐसा है जैसे राज्य खुद ही दोषी तय कर रहा है। वो पूरे परिवारों को सजा दे रहा है जिन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने कहा, मजब कोई नागरिक कोई अपराध करता है, तो ऐसे में उसके परिवार का क्या दोष है? उनकी छत पर बुलडोजर क्यों चलाया जाना चाहिए? कार्यपालिका, जज की तरह काम नहीं कर सकती है।

तोड़-फोड़ के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के दखल को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि कोर्ट ने तभी दखल दिया जब पाया कि अधिकारी बिना किसी नोटिस या कानूनी प्रोसेस के घरों को गिरा रहे थे।

उन्होंने कहा कि ऐसी हरकतें न सिर्फ आरोपियों के अधिकारों का उल्लंघन करती हैं, बल्कि माता-पिता, भाई-बहनों, बच्चों और दूसरे सभी बेगुनाहों के बुनियादी अधिकारों का भी उल्लंघन करती हैं। उन्होंने कहा, मयह कानून को अपने हाथ में लेने जैसा है। ▶10 पर

छत्तीसगढ़ में 41 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष हथियार डालकर किया आत्मसमर्पण

बीजापुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अत्यधिक नक्सल प्रभावित बीजापुर जिला में बुधवार का दिन सुरक्षा अभियानों और पुनर्वास नीति की ऐतिहासिक उपलब्धि का रहा जब 41 सक्रिय माओवादी कैडरों ने लंबे समय तक चली हिंसक, क्रूर और जनविरोधी विचारधारा को छोड़कर भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक पुनर्समावेशन में आस्था व्यक्त करते हुए आत्मसमर्पण किया।

दक्षिण बस्तर, विशेष रूप से बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा के घने जंगलों में दशकों से सक्रिय प्रतिबंधित माओवादी संगठन के लिए यह समर्पण इसलिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इन कैडरों पर कुल मिलाकर एक करोड़ 19 लाख रुपये का इनाम घोषित था और इनमें संगठन के दक्षिण सब-जोनल ब्यूरो के 39 सदस्य शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारों के मुताबिक हाल के वर्षों में माओवादी गतिविधियों, हथियार मूवमेंट, टैक्टिकल ऑपरेशन, सप्लाई नेटवर्क, मिलिशिया ढांचे, जनताना सरकार, पीएलजीए बटालियन और एरिया कमेटी में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने वाले सदस्य जब मुख्यधारा में लौटते हैं, तो यह केवल एक कार्यक्रम नहीं होता, बल्कि यह एक वैचारिक ढांचे के क्षरण का प्रतीक बन जाता है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से बुधवार को मिली जानकारी के मुताबिक, ▶10 पर

शेयर मार्केट

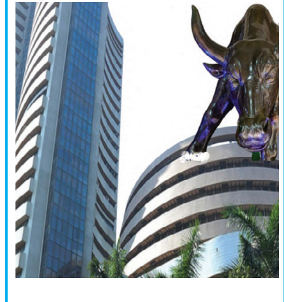

बीएसई : 85,609.51
+1,022.50 (1.21%) ↑

एनएसई :26,205.30
320.50 (1.24%)↑

अंडर 14 गर्ल्स कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। संस्कार इंग्लिश मीडियम स्कूल, हुब्बल्ली के प्रांगण में हुब्बल्ली-धारवाड़ नॉर्थ कर्नाटक सहोदय द्वारा आयोजित अंडर 14 गर्ल्स कबड्डी टूर्नामेंट का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन मेजबान संस्कार स्कूल, हुब्बल्ली द्वारा उत्साहपूर्वक किया गया। उद्घाटन समारोह में स्कूल की खेल मंत्री छात्रा जान्वी के. जयन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के मुख्य अतिथि संस्कार स्कूल के कोषाध्यक्ष उज्ज्वल एम. सिंघी तथा विशिष्ट अतिथि केएलई एम.आर. साकरे स्कूल, हुब्बल्ली के प्राचार्य मंजुनाथ मानवी उपस्थित रहे। अतिथियों ने ध्वजारोहण एवं गुब्बारे उड़ाकर खेलकूद प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके पश्चात सभी सहभागी विद्यालयों ने अपने-अपने ध्वज के साथ आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि उज्ज्वल एम. सिंघी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल आत्मविश्वास बढ़ाने का सर्वोत्तम माध्यम हैं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। साथ ही उन्होंने कबड्डी को रोचक एवं देसी खेल बताते हुए इसकी विशेषताओं का उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि मंजुनाथ मानवी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीत और हार किसी भी खेल का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए खिलाड़ियों को सच्ची खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या नैना पी.सी., उप प्राचार्या अनु मस्कारा, सीएओ विनोद एस. तथा सहभागी विद्यालयों के शिक्षक एवं आयोजकों ने की। प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 4 टीमें सेमीफाइनल तक पहुंचीं। फाइनल मुकाबला केएलइ सोसाइटी स्कूल, गदग और श्री पार्श्वनाथ इंग्लिश मीडियम स्कूल, गदग के बीच खेला गया। विजेता टीम केएलइ सोसाइटी स्कूल गदग रही। वही उपविजेता टीम श्री पार्श्वनाथ इंग्लिश मीडियम स्कूल, गदग रही। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में छात्रा सृष्टि मलाकशेट्टी (केएलइ सोसाइटी स्कूल, गदग) छात्रा गायत्री विराकटमठ (श्री पार्श्वनाथ इंग्लिश मीडियम स्कूल, गदग) को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि संस्कार इंग्लिश मीडियम स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। छात्रा संवीता बेलवट ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सिंघी ने सभी खिलाड़ियों एवं पी.ई. शिक्षकों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण एवं सहभागिता के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में छात्र अमन राठौड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन छात्राएं रिद्धि अग्रवाल तथा प्राप्ति पत्तार ने किया। कार्यक्रम का समापन विजयी मार्च एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

गजेंद्र शेखावत का मैसूरु में प्रवासियों ने किया सम्मान

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के मैसूरु पहुंचने पर नजरबाद स्थित युवराज ले रॉयल होटल में सर्व राजस्थानी समाज की ओर से स्वागत समारोह रखा गया। शेखावत ने सर्व समाज की एकता व आपसी भाईचारा देख अभिभूत होते हुए सभी की सराहना की। शेखावत ने कहा कि राजस्थान राज्य से आप लोग यहां कर्नाटक राज्य में रह कर यहां के स्थानीय लोगों के साथ भाईचारा बनाए रखते हुए तथा सुख-दुख में इन लोगों का साथ देते हुए अच्छा कार्य कर रहे हैं। अपनी मेहनत व बौद्धिक क्षमता के बल पर कर्मभूमि बनाकर आप अपना व्यापार संचालित कर रहे हैं, यह अपने आप में एक बहुत ही गौरवशाली बात है। आप हमेशा अपनी मातृभूमि से भी जुड़े रहें। इस अवसर पर मैसूरु जिला करणी सेना अध्यक्ष कृपाल सिंह महेचा, उद्यमी युवराज एन, महाराणा प्रताप राजपूत समाज ट्रस्ट मैसूरु के सहसचिव रघुवीर सिंह मंडलावत, कोषाध्यक्ष हरीसिंह देवड़ा, सहकोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष पृथ्वीसिंह चांदावत राईका (रबारी) देवासी समाज सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष वगताराम बावतरा, जाट समाज के अध्यक्ष आनंदराम लुखा, सदस्य प्रकाश ढाका, मारु प्रजापत समाज के संरक्षक बगदाराम प्रजापत, उपाध्यक्ष हुकमाराम प्रजापत, राजस्थान राजपूत समाज के कोषाध्यक्ष गणपत सिंह दहिया, राजाराम आंजणा पटेल संघ के प्रवक्ता मोटाराम औड़, मैसूरु डिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तगाराम राजपुरोहित, मैसूरु जीतो चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, वाइस चेयरमैन भैरूलाल पितलिया सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण मौजूद रहे।

बिना विनय कोई भी विद्वान नहीं बन सकता: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थित भरत कुमार फतेहराज कानुंगा के निवास स्थान रिद्धि सिद्धि बंगलो में विराजित साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि मनुष्य अपने जीवन का अधिकांश भाग जिम्मेदारियों के जाल में उलझकर गुजार देता है। जबकि यह सारी जिम्मेदारियां उसी पल समाप्त हो जाती हैं। जब सांस की डोरी टूट जाती है। जीवन पेड़ के पत्ते जैसा है, बस एक झोंका और सब समाप्त, इसलिए भगवान कहते हैं समय को व्यर्थ मत गंवाओ, टालमटोल और बहानेबाजी ही प्रमाद है। मनुष्यत्व और आर्यत्व दुर्लभ वरदान हैं, फिर भी लोग विषय-भोगों में उलझे रहते हैं। उन्होंने आगाह किया कि, इंद्रियां क्षीण हो रही हैं, इसलिए आत्मज्ञान के मार्ग पर प्रमाद रहित साधना ही मुक्ति का उपाय है। विनय ही बहुश्रुतता की पहली शर्त है। बिना विनय कोई भी विद्वान नहीं बन सकता। सच्चा विद्यार्थी वही है जो गुरु के प्रति प्रेम, सम्मान और मधुर व्यवहार रखे। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि ज्ञान पाना आसान है, पर ज्ञान को आचरण में उतारना कठिन है। जैसे धन कमाना सरल, उसका सद् उपयोग कठिन वैसे ही ज्ञान को आत्मसात करना ही सच्चा विवेक है। सुनील कुंकुलोल ने बताया कि विहार सेवा में चेतन प्रकाश झारमुथा, विक्रम छाजेड, भरत कानुंगा, जिनेश कानुंगा, अरुणा कानुंगा, तनिषा कानुंगा, वीरचंद चाणोदिया, शर्मिला चाणोदिया, दानी मालवी ने लाभ लिया। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद गुरुवार को सुबह सुनील कुंकुलोल के नूतन भवन में मंगल प्रवेश करेंगे।

कर्नाटक के मांड्या जिले के स्कूलों में मध्याह्न भोजन की सख्त निगरानी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के स्कूल शिक्षा विभाग के सभी क्षेत्र शिक्षा अधिकारियों, बीआरसी और सीआरसी पदाधिकारियों और अक्षरा दशोहा डिवीजन के सभी स्तरों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे 15 दिनों में एक बार कम से कम एक स्कूल का दौरा करें, मध्याह्न भोजन योजना के तहत तैयार भोजन का स्वाद लें, इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करें, और खाद्य सामग्री और उस स्थान का भी निरीक्षण करें जहां उन्हें संग्रहीत किया गया है। उनसे कहा गया है कि वे अपने दौरे और अवलोकन की तस्वीरें व्हाट्सऐप के जरिए भेजें। मांड्या जिला पंचायत सीईओ केआर नंदिनी ने मांड्या में अपने कार्यालय में योजना की प्रगति समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश जारी किया। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों को गुणवत्तापूर्ण अंडे ही वितरित किये जाने चाहिए। पुराने एवं खराब अंडे का वितरण नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कर्नाटक सरकार के निर्देशों के अनुसार, अंडे सप्ताह में छह दिन वितरित किए जाने चाहिए। सीईओ ने कहा कि उपलब्ध अनुदान की सीमा के अंदर पत्तेदार सब्जियों एवं अन्य सब्जियों का उपयोग करते हुए स्वच्छ, स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन छात्रों को उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जहां खाना बनाया जाए वह स्थान साफ-सुथरा होना चाहिए, खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तन साफ-सुथरे होने चाहिए और खाना पकाने के लिए साफ पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। नंदिनी ने कहा कि बच्चों को इनके बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। स्कूलों को दोपहर के भोजन के समय छात्रों के लिए फर्श मैट की व्यवस्था करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि उचित फर्श मैट स्कूल के समेकित निधि, या नियमों के अनुसार अन्य उपलब्ध अनुदान के तहत खरीदे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मध्याह्न भोजन योजना के तहत स्कूलों में आपूर्ति की जाने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की हर स्तर पर जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए। विद्यालयों के प्रधानाध्यापक खाद्य सामग्री प्राप्त होते ही उसकी गुणवत्ता की जांच करें।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ओकिनोवा ड्रैगन मार्शल आर्ट शॉटगन द्वारा बेंगलूरु के डॉक्टर राजकुमार ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय कराटे स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ढाई सौ से भी ज्यादा बच्चों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने संविधान दिवस मनाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने हुब्बल्ली के रेल सौधा स्थित एसडब्ल्यूआर मुख्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों का नेतृत्व करते हुए संविधान दिवस के उपलक्ष्य में संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। सभा को संबोधित करते हुए माथुर ने प्रस्तावना में निहित मूल मूल्यों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी कर्मचारियों से संविधान निर्माताओं के दृष्टिकोण के अनुरूप, राष्ट्र के विकास के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का आग्रह किया। आयोजन के हिस्से के रूप में, सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रस्तावना की प्रतियां वितरित की गईं। इसी तरह के कार्यक्रम एसडब्ल्यूआर डिवीजनों, कार्यशालाओं में आयोजित किए गए, जहां हुब्बल्ली, बेंगलूरु और मैसूरु के डिवीजनल रेलवे प्रबंधकों ने संविधान को अपनाने के सामूहिक पालन को चिह्नित करते हुए, अपने संबंधित डिवीजनों में अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रस्तावना का वाचन कराया।

कांग्रेस अपने मतभेदों को सुलझाए या सत्ता से बाहर हो: डीवी सदानंद गौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा ने कांग्रेस से अपने मतभेदों को सुलझाने या सत्ता से बाहर होने का आह्वान किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि राज्य के किसान पीड़ित हैं और राज्य पार्टी और सरकार में नेतृत्व में किसी भी कथित बदलाव की अनिश्चितता के कारण कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा ने कहा यह उनका आंतरिक मामला है। उन्हें या तो अपने मुद्दे सुलझाने चाहिए या फिर इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि राज्य के लोग उनकी अंदरूनी लड़ाई से परेशान हैं। कर्नाटक में किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि कांग्रेस प्रशासन खत्म हो चुका है। कांग्रेस ने राज्य में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। गन्ना और मक्का किसान सड़कों पर हैं। राज्य कांग्रेस नेतृत्व पर कटाक्ष करते हुए गौड़ा ने दावा किया कि नेता कबड्डी खेल रहे हैं। यहां तक कि मल्लिकार्जुन खड़गे भी इसे रोकने में असमर्थ हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसानों को हरसंभव मदद दे रही है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अपनी टीमों के साथ कबड्डी खेल रहे हैं, जो राज्य के हित में नहीं है। भाजपा किसानों को हर संभव मदद दे रही है। यहां तक कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी इस स्थिति को सुलझाने में सक्षम नहीं हैं। अगर वह इस समस्या को सुलझाने में सक्षम नहीं हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। कर्नाटक में पार्टी नेतृत्व में संभावित बदलाव की बढ़ती अटकलों के बीच कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे के मुद्दे पर फैसला आलाकमान करेगा। खड़गे ने यहां अपने आवास के बाहर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा मुझे कुछ नहीं कहना है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि वह उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ मिलकर कांग्रेस आलाकमान के निर्णय को स्वीकार करेंगे और उसके अनुसार कार्य करेंगे। सिद्धरामैया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा डीके शिवकुमार और मुझे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करना चाहिए। आलाकमान जो भी फैसला करेगा, डीके शिवकुमार और मुझे उससे सहमत होना चाहिए। हम पार्टी आलाकमान के फैसले के अनुसार काम करेंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें एक अनावश्यक बहस है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि फेरबदल के संबंध में अंतिम निर्णय पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व लेगा, क्योंकि कर्नाटक में कुल 34 मंत्री पदों में से दो पद वर्तमान में रिक्त हैं और प्रक्रिया के दौरान उन्हें भरा जाएगा।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानक वासी जैन संघ ट्रस्ट विजयनगर से एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर के नेतृत्व में सिकंदराबाद चैतन्य पूरी में शांति गुरु मंदिर में विराजित साध्वी डॉ.श्री सुमंगलप्रभाजी, डॉ. श्री सुवृद्धिजी, श्री रजत प्रभाजी, श्री प्रांजलश्रीजी, श्री वंदनाश्रीजी के विजयनगर स्थानक में 2026 चातुर्मास करवाने की संभावनाओं के साथ दर्शन वंदन इत्यादि का लाभ लेते हुए साध्वी मंडल से विचार विमर्श किया। संघ के मंत्री कन्हैया लाल सुराणा ने बताया कि शीघ्र ही ट्रस्ट की आम सभा में चातुर्मास हेतु विचार विमर्श किया जायेगा। ट्रस्ट के सह मंत्री सुनील लोढा, रवि जैन, ट्रस्टी प्रवीण कुमार आंचलिया, दिनेश कुमार पोरवाड आदि ने गुरु दर्शन के तहत बंजारा हिल्स में विराजित साध्वी सुधाकंवर जी के दर्शन, वंदन का लाभ लिया। सह मंत्री सुनील लोढा ने बताया कि ट्रस्ट की आम सभा 2 दिसंबर को प्रात 9 बजे स्थानक भवन में आयोजित की जायेगी।

डीआरयूसीसी सदस्य अश्विन सेमलानी ने एडीआरएम से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डीआरयूसीसी सदस्य अश्विन सेमलानी ने बुधवार को दक्षिणी पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया से मुलाकात कर बेंगलूरु से हुब्बल्ली होते हुए मुंबई तक विशेष ओवर-नाइट वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत करने की मांग की।

साथ ही स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय और सुलभ सुविधाएं सुनिश्चित करने का आग्रह किया, जिसमें विकलांग व्यक्तियों के लिए समर्पित स्थान और शौचालय के साथ-साथ बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए प्राथमिकता काउंटर और बोर्डिंग सहायता शामिल है। इसके अलावा बेंगलूरु को जोधपुर से जोड़ने वाली एक नई दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन सेवा की शुरुआत की मांग की, जिसका उद्देश्य कनेक्टिविटी बढ़ाना और यात्रियों के लिए अधिक यात्रा सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने यात्री सुविधा बढ़ाने और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए ट्रेन नंबर 17317 (हुब्बल्ली-दादर) में एसी कोचों की संख्या बढ़ाने की मांग की। एडीआरएम ने सभी मांगों पर उचिक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

प्रख्यात यक्षगान पटकथा लेखक रघुराम शेट्टी का निधन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रख्यात यक्षगान पटकथा लेखक और सेवानिवृत्त शिक्षक कंडवारा रघुराम शेट्टी का बुधवार को कुंडापुरा तालुक के नूजादी गांव में निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे।

पेशे से शिक्षक, शेट्टी ने सामाजिक प्रासंगिकता के साथ 'प्रसंग' लिखकर यक्षगान को एक नया आयाम दिया। वह एक दुभाषिया (अर्थधारी) और एक शौकिया थिएटर कलाकार भी थे, उन्हें यक्षगान मंडली में कंडावरदावरु के नाम से जाना जाता था। 1936 में बलकुर के कंडावारा गांव में कार्की सदियाना शेट्टी और कंडवारा पुट्टम्मा के घर जन्मे, रघुराम शेट्टी ने 35 वर्षों से अधिक समय तक कंडलूर के नेताजी हायर प्राइमरी स्कूल में एक शिक्षक और बाद में हेड मास्टर के रूप में काम किया। बचपन से ही साहित्य, संगीत और यक्षगान के प्रति अत्यधिक प्रेम रखने वाले रघुराम शेट्टी को बच्चों के यक्षगान के लिए भागवतिके (गायन) करने के बाद बाला भागवत के नाम से जाना जाता था। उन्होंने चार वर्षों तक कुंडापुरा तालुक कन्नड़ साहित्य परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और पुराण प्रवचनों में 'गमकी' और दुभाषिया भी थे।

मोदी के नेतृत्व में इस देश में संविधान दिवस का उत्सव आया

इंदिरा गांधी धोखाधड़ी करते हुए पकड़ी गईं और आपातकाल लगा दिया:चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि 1975 में मतदाता धोखाधड़ी करते पकड़ी गईं इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए देश में आपातकाल लागू कर दिया था। वे सावधान थी कि किसी भी अदालत पर सवाल न उठाया जाए। अदालतों को तटस्थ बना दिया गया था। वह बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। ऐसा अनर्थ करने वाली कांग्रेस पार्टी वोट लूटने की बात कर रही है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वे हमे संविधान के खिलाफ बताते हैं। कांग्रेस ने सबसे पहले संविधान की हत्या की। उन्होंने विश्लेषण किया कि जांच होने पर कांग्रेस को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मतदाता धोखाधड़ी के बारे में बात करते हैं लेकिन कोर्ट नहीं जाते। उन्होंने कहा कि इसकी वजह ये है कि राहुल गांधी गिरफ्तार हो जायेंगे। कांग्रेस में कोई नैतिकता नहीं बची है। संविधान दिवस उनका नहीं है। उन्होंने अनुरोध किया कि हम ताली बजाकर कहें कि मोदी के नेतृत्व में इस देश में संविधान दिवस का उत्सव आया है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की देन नहीं है। हम संविधान के लिए हैं, हम बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के लिए हैं। हम गर्व से कह सकते हैं कि जो आरक्षण-दलित कांग्रेस कह रही है कि ये आत्म-धोखा है। आज भी कांग्रेस पार्टी दलित हितैषी नहीं है। दो-तीन दलित परिवारों को पट्टा दिया गया है। उन्हें दलितों से भी प्यार नहीं है। कांग्रेस को कोई दलित प्रेम भी नहीं है। दलित समुदायों को वोट देने का अधिकार नहीं था। यह केवल जमींदारों के पास था। उन्होंने बताया कि बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के संघर्ष के फलस्वरूप हम सभी को वोट देने का अधिकार मिला। प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू ने राज्य के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर कहा था कि दलितों को आरक्षण देने से देश का विकास नहीं होगा। आरक्षण विरोधी कौन हैं? बीजेपी ने राज्य में दलितों और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत कर दिया है। भाजपा ने एसटी के लिए आरक्षण 3 से बढ़ाकर 7 कर दिया, फिर भी हमें आरक्षण विरोधी कहा जाता है। संविधान विरोधी कहा जाता है। उन्होंने कहा, बाबा साहेब के पांच निर्वाचन क्षेत्रों को नरेंद्र मोदीजी की भाजपा सरकार ने राष्ट्रीय स्मारक बनाया है। जब अम्बेडकर की उनके दिल्ली निवास पर मृत्यु हो गई, तो यह कांग्रेसी ही थे जो उन्हें बंबई ले गए। एक अनाथ शव की तरह समुद्र तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसका कारण कांग्रेस है। हालांकि, उन्होंने इस बात की आलोचना की कि वह बीजेपी के खिलाफ कहते हैं। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष एन. महेश, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सीमेंट मंजूनाथ, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, तत्काल पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमानी, नेता मुनिकृष्ण, एससी मोर्चा राज्य कार्यालय सचिव प्रशांत कुमार और अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में आईएएस अधिकारी महंतेश बिलागी समेत तीन की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी और कर्नाटक राज्य खनिज निगम लिमिटेड (केएसएमसीएल) के प्रबंध निदेशक महंतेश बिलगी, दो अन्य लोगों के साथ कलबुर्गी जिले में एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई। कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने आईएएस अधिकारी के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा उनकी निष्ठा, कड़ी मेहनत और जनहितैषी शासन की प्रशंसा की। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा आईएएस अधिकारी महंतेश बिलगी के दुखद निधन की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। बीदर जिले में जिला पंचायत के सीईओ के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने जो निष्ठा, कड़ी मेहनत और जनहितैषी शासन का परिचय दिया, वह लोगों के मन में एक अविस्मरणीय स्मृति बनी हुई है। बयान में कहा गया है कि उन्होंने बीदर जिले में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और पारदर्शी शासन के क्षेत्रों में जो बदलाव लाए हैं, वे अत्यंत सराहनीय हैं। उनके निधन को प्रशासन और जिले के लोगों के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए मंत्री ने शोक संतप्त परिवार को शक्ति प्रदान करने की कामना की। मंत्री ने अपने बयान में कहा समाज के प्रति उनकी सेवा सदैव स्मरणीय रहेगी। उनका जाना प्रशासन और जिले की जनता के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। ईश्वर शोक संतप्त परिवार को शक्ति और धैर्य प्रदान करें। इससे पहले 24 नवंबर को बीदर जिले के जनवाड़ा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में चम्बोल-बेनाकनहल्ली रोड पर दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में पांच साल के बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान मल्लिकार्जुन (35), उनकी बेटी महालक्ष्मी (5) और पवन (28) के रूप में हुई है। एसपी बीदर ने कहा बीदर जिले के जनवाड़ा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में चंबोल-बेनाकनहल्ली रोड पर शनिवार रात दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में पांच साल के बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में मल्लिकार्जुन, उनकी बेटी महालक्ष्मी और पवन की मौत हो गई। मल्लिकार्जुन अपनी पत्नी, सास और बच्चे के साथ बाइक पर बीदर से औरद तालुका के खानपुरा गांव जा रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि बाइक सवार लोगों की मौत हो गई और घायलों को इलाज के लिए बीदर के ब्रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घाट पर एक विशाल दसोहा भवन का होगा निर्माण: मंत्री रामलिंगा रेड्डी

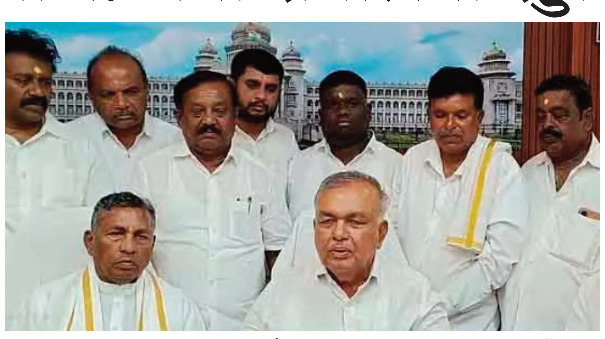

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुजराई विभाग मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि तालुक के घाटी इलाके में 29 करोड़ के अलग-अलग विकास कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। तालुक के घाटी क्षेत्र में हुई घाटी सुब्रमण्य स्वामी क्षेत्र डेवलपमेंट अथॉरिटी की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हर साल 25 लाख से ज्यादा भक्त घाटी सुब्रमण्य मंदिर आते हैं। इलाके में 16 करोड़ की लागत से एक दसोहा भवन बनाया जाएगा, जहां एक बार में दो हजार भक्त बैठकर खाना खा सकेंगे। उन्होंने कहा कि दसोहा भवन का बाहरी हिस्सा होयसल स्टाइल का होगा। रथोत्सव के दौरान भक्तों की सुविधा के लिए एक रथ रोड बनाया जाएगा। मंदिर के चारों ओर 1.5 करोड़ की लागत से एक कंक्रीट रोड, टॉयलेट की सुविधा और एक गेस्ट हाउस बनाया जाएगा। साइट तक जाने वाली सड़क को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैठक में 29 करोड़ की लागत से अलग-अलग विकास कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। मुजराई विभाग के आयुक्त शरथ, उपायुक्त ए.बी. बसवराजू, अतिरिक्त उपायुक्त सैयदा आयशा, घाटी डेवलपमेंट अथॉरिटी के सचिव दिनेश, मुजराई तहसीलदार हेमावती, डिप्टी सेक्रेटरी रघु, डिस्ट्रिक्ट गारंटी स्कीम इम्प्लीमेंटेशन अथॉरिटी के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट राजन्ना, तालुक अध्यक्ष जगन्नाथ, एन. रंगप्पा, आर. महेश, हेमलता रमेश, लक्ष्मणाइक, श्रीनिधि, तुबगेरे होबली कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रवि सिद्दप्पा और यूथ लीडर जी. श्रीधर मौजूद थे। घाटी इलाके के विकास के लिए एक अथॉरिटी बनाई गई है। इलाके के विकास के लिए 100 एकड़ जमीन चाहिए। अभी 50 एकड़ जमीन चाहिए, जिसमें से 20 एकड़ सरकारी जमीन है। मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि अधिकारियों को और 30 एकड़ जमीन पहचानने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस आलाकमान ने डीके शिवकुमार को धैर्य रखने की दी सलाह?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि किसी भी बात को निभाने के लिए समय की जरूरत होती है, तब तक, शांत रहें। कांग्रेस आलाकमान ने शिवकुमार को संदेश भेजा है। बिहार विधानसभा चुनाव का नतीजा खतरे की घंटी है। यह तय है कि पिछड़े वर्ग का वोट पार्टी से छिटक रहा है। देश में सिर्फ कर्नाटक और तेलंगाना में ही कांग्रेस का शासन है। सिद्धरामैया पिछड़े वर्ग के कद्दावर नेता हैं। कांग्रेस पार्टी देश भर में पिछड़े वर्ग के संगठन को मजबूत करने के लिए नई रणनीति लेकर आई है। इस मामले में हाईकमान ने आशंका जताई है कि सिद्धरामैया के बदलाव से गलत संदेश जा सकता है। सिद्धरामैया के इस बदलाव का आने वाले दिनों में होने वाले तमिलनाडु, पुद्दुचेरी, असम, केरल और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों पर बड़ा असर पड़ सकता है। इसलिए सिद्धरामैया को धीरे से मनाने के लिए समय की जरूरत है। वरिष्ठ नेताओं ने डीके शिवकुमार को तब तक धैर्य रखने का संदेश दिया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने दिल्ली जाकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर राज्य की राजनीति में माहौल को आश्वस्त कर दिया है। अगर सिद्धरामैया को अचानक सत्ता से हटा दिया गया तो उन्हें चरवाहा समुदाय के 8 फीसदी वोट का नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि पिछड़े वर्ग के वोट, जो 60 हैं, भी कांग्रेस को नहीं मिलेंगे। वहीं, अगर डीके शिवकुमार को नजरअंदाज किया गया तो यह संदेश जाएगा कि पार्टी में वफादारी और प्रतिबद्धता की कोई कीमत नहीं है। दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले ओक्कालिगा समुदाय के विमुख होने की आशंका है। मौजूदा स्थिति में सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार सत्ता साझेदारी से संबंधित किसी भी बयान या गतिविधियों को आगे बढ़ाए बिना तटस्थ हैं। खबरें हैं कि राहुल गांधी ने शिवकुमार और उनके समर्थकों को चेतावनी दी है। बताया गया है कि गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को दिल्ली में कई बैठकें होंगी और आलाकमान नेता कर्नाटक की राजनीति पर भी चर्चा करेंगे और उचित निर्णय लेंगे। ऐसे में अचानक सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना कांग्रेस पार्टी के लिए अच्छा नहीं है। सूत्रों ने बताया कि हाईकमान ने कहा है कि ग्रेटर बेंगलूरु निगम, जिला और तालुक पंचायत चुनाव पूरे कर लिए जाएंगे और उसके बाद बाकी चर्चा की जा सकती है। कहा जाता है कि प्रियांक खड़गे ने सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार दोनों को यह संदेश दिया था। अपनी यात्रा के दौरान, प्रियांक खड़गे ने राहुल गांधी को राज्य में पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किए गए सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में जाति-वार आंकड़ों के बारे में बताया और डीके शिवकुमार, सिद्धरामैया, परमेश्वर, सतीश जारकीहोली, एमबी पाटिल के प्रभाव और उन्हें सत्ता वितरण में दर्जा देने के परिणामों के बारे में जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि इन सभी कारकों के आधार पर, आलाकमान दोनों नेताओं के साथ चर्चा करेगा और विचारों का आदान-प्रदान करेगा।

मुरुगा शरणारू को चित्रदुर्ग कोर्ट ने पॉक्सो मामले में बरी कर दिया

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्यव्यापी ध्यान आकर्षित करने वाले एक मामले में एक बड़े घटनाक्रम में, चित्रदुर्ग द्वितीय अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायालय ने मुरुगा मठ के डॉ. शिवमूर्ति मुरुगा शरणारू को उनके खिलाफ दायर पॉक्सो मामले में बरी कर दिया। अदालत ने उन्हें दोषी नहीं ठहराया और आरोपों को खारिज कर दिया। फैसला सुनाए जाने से पहले शरणारू दावणगेरे विरक्त मठ से अदालत पहुंचे।

वह इस मामले में पहले आरोपी थे, जबकि हॉस्टल वार्डन रश्मी और परमशिवय्या को दूसरा और तीसरा आरोपी नामित किया गया था। पहले मामले में दो अलग-अलग आरोप पत्र दाखिल किये गये थे। संत के खिलाफ पॉक्सो मामला 26 अगस्त, 2022 को मैसूरु के नजरबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था, इस आरोप के आधार पर कि उन्होंने मठ के छात्रावास के नाबालिग छात्रों का यौन उत्पीड़न किया था। इस संबंध में दो नाबालिग लड़कियों ने उसे मुख्य आरोपी बताते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने 2022 में शरणारू को गिरफ्तार कर लिया। बाद में, 13 अक्टूबर, 2022 को मठ में रसोई सहायक के रूप में काम करने वाली एक महिला ने नजरबाद पुलिस स्टेशन में एक और शिकायत दर्ज की, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसने उसकी नाबालिग बेटियों का यौन उत्पीड़न किया है।

हाईकमान जो भी फैसला करेगा, नेता उसका पालन करेंगे: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वर्तमान में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच, राज्य के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक सदस्य स्पष्ट है कि हाईकमान जो भी फैसला करेगा, नेता उसका पालन करेंगे। प्रियांक खड़गे ने कहा बहुत स्पष्ट रूप से, सीएम, डीसीएम और कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक सदस्य ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि जो भी हाईकमान निर्णय लेगा, वही होगा। जब शीर्ष नेतृत्व एक ही स्वर में, एक ही लहजे में बोल रहा है, तो फिर अंतर कहां है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक आर अशोक के इस आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि कांग्रेस ऐसी स्थिति में है जहां कांग्रेस के विधायक मुख्यमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस के विधायकों को खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन लोटस भाजपा का ट्रेडमार्क है। ऑपरेशन लोटस उनका (भाजपा का) ट्रेडमार्क है। अब तक ये लोग पांच साल तक एक मुख्यमंत्री नहीं दे पाए हैं। पहली बार जब वे सत्ता में आए तो उन्होंने हमें तीन मुख्यमंत्री दिए। दूसरी बार जब वे सत्ता में आए तो उन्होंने हमें दो मुख्यमंत्री दिए। खरीदना, बेचना, किराए पर लेना, काम पर रखना उनका काम करने का तरीका है, हमारा नहीं। इससे पहले, आर अशोक ने कहा था कि राज्य में चुनाव आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान सरकार भ्रष्ट है और उसे इस्तीफा दे देना चाहिए। आर अशोक ने कहा पिछले दो सालों से सत्ता और मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए खींचतान चल रही है। विधायकों को पैसे के लेन-देन की खबरें हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता की लड़ाई चल रही है। पार्टी के अंदर खरीद-फरोख्त चल रही है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार हर व्यवसाय के संचालन के लिए 60 प्रतिशत रिश्वत वसूल रही है। उन्होंने कहा हमें कर्नाटक में चुनाव की जरूरत है क्योंकि राज्य में 60 प्रतिशत भ्रष्ट सरकार है। इस सरकार को जाना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पास पार्टी के भीतर कोई शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा मल्लिकार्जुन खड़गे के पास कोई शक्ति नहीं है। यह केवल सोनिया गांधी के पास है। एआईसीसी अध्यक्ष के पास कोई शक्ति नहीं है। इससे पहले क्या कर्नाटक में सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहेंगे के सवाल पर प्रियांक खड़गे ने कहा कि सब कुछ ठीक है और आलाकमान जो भी फैसला लेता है, उसका पालन सभी कर रहे हैं, चाहे वह अभी के लिए हो या भविष्य में। कर्नाटक के मंत्री शिवानंद पाटिल की कथित टिप्पणी पर कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा, 'जब भी राज्य में चुनाव होते हैं, मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्यमंत्री पद के दावेदार होते हैं। जब भी संसदीय चुनाव होते हैं, वह प्रधानमंत्री पद के दावेदार होते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, संख्या मायने रखती है और मल्लिकार्जुन खड़गे को जो भी कहना है, वह कहेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात पर उन्होंने कहा राहुल गांधी बेंगलूरु टेक समिट के लिए आने वाले थे। उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर्सनल कंप्यूटर लॉन्च करना था। मैंने उनसे समय मांगा था। इसलिए हम वहां गए और उन्हें एआई पीसी दिखाया। क्या मुझे अपने हाईकमान को विभाग की ओर से किए जा रहे असाधारण काम को नहीं दिखाना चाहिए। प्रियांक खड़गे ने उन खबरों को खारिज कर दिया कि उन्होंने हाल ही में एक बैठक के दौरान राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर शीर्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ चर्चा की है। साथ ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को राहुल गांधी का संदेश बता दिया है।

पीएम मोदी के 28 नवंबर को बन्नंजे से कलसांका जंक्शन तक ग्रैंड रोड शो की योजना

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो शुक्रवार को सुबह 11.40 बजे उडुपी-बन्नांजे में डॉ. वी.एस. आचार्य बस स्टैंड, श्री नारायण गुरु सर्कल से शुरू होगा। यह जुलूस शहर के बस स्टैंड रूट से होते हुए कलसांका जंक्शन तक जाएगा। यह घोषणा उडुपी जिला भाजपा कार्यालय में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला भाजपा अध्यक्ष नवीन शेट्टी ने की। रोड शो के बाद, प्रधानमंत्री मोदी कलसांका रोड से कार स्ट्रीट होते हुए तय पार्किंग एरिया तक जाएंगे और दोपहर 12 बजे श्री कृष्ण मठ पहुंचकर भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना करेंगे और उनका आशीर्वाद लेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री मोदी सामूहिक लक्ष कंठ गीता पारायण (एक लाख लोगों द्वारा भगवद गीता का पाठ) में हिस्सा लेंगे और एक पब्लिक सभा को संबोधित करेंगे। वह दोपहर 1.35 बजे वेन्यू से निकलेंगे, 1.40 बजे आदि उडुपी हेलीपैड पहुंचेंगे, और 1.45 बजे एमआई-17 हेलीकॉप्टर से मेंगलूरु के लिए निकलेंगे। मेंगलूरु एयरपोर्ट से वह दोपहर 2.15 बजे गोवा के लिए उड़ान भरेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के उडुपी में स्वागत के लिए उडुपी जिला भाजपा की लीडरशिप में बड़ी तैयारियां चल रही हैं। रोड शो रूट के तीन मुख्य पॉइंट्स पर, तटीय इलाके को दिखाने वाले कल्चरल शो, जैसे यक्षगान, टाइगर डांस और भगवान कृष्ण के वेश में कलाकार दिखाए जाएंगे। सड़क के एक तरफ बैरिकेड्स लगाए जाएंगे, और प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए बन्नंजे-कलसांका रास्ते पर 30,000 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने की उम्मीद है। रोड शो देखने के इच्छुक नागरिकों से 28 नवंबर को सुबह 10.30 बजे तक मौजूद रहने का अनुरोध किया गया है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी और कैप्टन बृजेश चौटा, विधायक और राज्य के कई नेता इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। उडुपी जिला भाजपा महासचिव रेशमा उदय शेट्टी, राज्य मीडिया समिति के सदस्य श्रीकांत नाइक, जिला भाजपा सचिव शिवकुमार अंबालपडी, उडुपी जिला भाजपा मीडिया संयोजक श्रीनिधि हेगड़े, रतन रमेश पुजारी, रत्नाकर इंद्राली और अन्य लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मौजूद थे।

बिहार सरकार ने मंत्रियों को आवंटित किए आवास, मुख्यमंत्री समेत 13 मंत्री अपने पुराने आवास में ही रहेंगे

पटना, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के सभी मंत्रियों को उनके आवास आवंटित कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा 26 मंत्री बनाए गए हैं, जिनमें सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को फिर से उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

13 मंत्री अपने पुराने बंगले में ही रहेंगे

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, खाद्य आपूर्ति मंत्री लेशी सिंह, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, लघु जन संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान को जिस बंगले में रह रहे हैं, उसी को आवंटित किया गया है।

नए 13 मंत्रियों को बंगाल अलॉट

जिन 13 नए मंत्रियों को नए सिरे से बंगला आवंटित किया गया है उसमें डॉ. दिलीप जायसवाल और नंदकिशोर यादव दो स्ट्रैंड रोड का बंगला दिया गया है। दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग का मंत्री बनाया गया है। श्रेयसी सिंह को चार स्ट्रैंड रोड का बंगला दिया गया है। श्रेयसी सिंह खेल और आईटी मंत्री बनाई गई हैं। सुरेंद्र मेहता को 33 हार्डिंग रोड का बंगला दिया गया है। सुरेंद्र मेहता पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री बनाए गए हैं।संजय सिंह टाइगर को 41 हार्डिंग रोड का बंगला दिया गया है। संजय टाइगर को श्रम संसाधन मंत्री बनाया गया है। अरुण शंकर प्रसाद को 25 हार्डिंग रोड बंगला आवंटित किया गया है। अरुण शंकर प्रसाद को पर्यटन और कला संस्कृति मंत्री बनाया गया है। रामकृपाल यादव को 43 हार्डिंग रोड का बंगला आवंटित किया गया है। रामकृपाल यादव कृषि मंत्री की जिम्मेवारी दी गई है।इन सबके अलावा नारायण प्रसाद को 12 हार्डिंग रोड का बंगला दिया गया है। नारायण प्रसाद आपदा प्रबंधन मंत्री बनाए गए हैं। रमा निषाद को तीन सर्कुलर रोड बांग्ला आवंटित किया गया है। रमा निषाद पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री बनाई गई हैं। लखेंद्र कुमार रोशन को तेज प्रताप का बंगाल आवंटित किया गया है। उन्हें 26 स्ट्रैंड रोड का बांग्ला आवंटित किया गया है, इन्हें एससीएसटी कल्याण मंत्री बनाया गया है। डॉ प्रमोद कुमार को 27 हार्डिंग रोड का बंगला आवंटित किया गया है।

इन्हें सहकारिता एवं पर्यावरण मंत्री बनाया गया है। संजय कुमार को 21 हार्डिंग रोड बंगला आवंटित किया गया है। इन्हें गन्ना उद्योग मंत्री बनाया गया है। संजय कुमार सिंह को 13 हार्डिंग रोड बंगला आवंटित किया गया है। इन्हें पीएचईडी मंत्री बनाया गया है। दीपक प्रकाश को 24 एम स्ट्रैंड रोड का बंगला आवंटित किया गया है। इन्हें पंचायती राज मंत्री बनाया गया है।इस बीच सभी 243 विधायकों के लिए दरोगा राय पथ के पास 246 फ्लैट भी बनकर तैयार हैं। ये फ्लैट्स डुप्लेक्स हैं और आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। सभी विधायकों को उनके क्षेत्र की संख्या के हिसाब से इसे आवंटित किया जाएगा।कई नेताओं को अपना आवास खाली भी करना पड़ेगा, जिसमें नंदकिशोर यादव को अपना आवास खाली करना पड़ेगा। अब उसमें दिलीप जायसवाल रहेंगे। इसी तरह से 20 साल बाद राबड़ी देवी का आवास भी खाली कराया जाएगा। हालांकि, अभी 10 सर्कुलर रोड किसी को आवंटित नहीं किया गया है।

पंचायत चुनाव में देरी करने पर विपक्ष ने लाया स्थगन प्रस्ताव

तपोवन (धर्मशाला), 26 नवंबर (एजेंसियां)। तपोवन में हिमाचल प्रदेश की 14वीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है और यह 5 दिसंबर तक चलेगा। सत्र में कुल आठ बैठकें आयोजित होंगी। पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने पंचायत चुनावों में देरी के मामले को लेकर स्थगन प्रस्ताव पेश किया, जिससे सदन में हंगामा होने की संभावना बनी। हालांकि, सरकार ने चर्चा के लिए हामी भर दी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान की सबसे बड़ी रक्षक है और महिलाओं के लिए पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण का प्रा-वधान किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार कानून के अनुसार ही कार्य कर रही है और मामले की अंतिम व्याख्या न्यायालय द्वारा की जाएगी।

विपक्षी नेता और भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने नियम 67 के तहत स्थगन प्रस्ताव पेश करते हुए सरकार से आग्रह किया कि पंचायत चुनाव समय पर आयोजित हों और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान किया जाए। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार आपदा प्रबंधन एक्ट का उपयोग चुनाव टालने के लिए कर रही है, जबकि कोविड जैसी स्थिति में भाजपा ने चुनाव संपन्न कराए थे।

सदन में संविधान दिवस के अवसर पर अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सभी सदस्यों से संविधान की प्रस्तावना पढ़वाई। कार्यसूची प्रस्तुत करने के दौरान जयराम ठाकुर ने विरोध किया, लेकिन स्पीकर ने नियम 72 के तहत कार्यवाही सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री ने सदन को आगामी कार्यसूची पढ़कर अवगत कराया और बताया कि मंडी में सरकार के तीन साल पूरे होने पर जश्न नहीं, बल्कि सरकार अपने विजन और योजनाओं पर फोकस करेगी। इसके अलावा सदन के पटल पर राष्ट्रपति और राज्यपाल से मंजूर विधेयक भी रखे गए।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र तपोवन में शुरू

धर्मशाला, 26 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज धर्मशाला के तपोवन में शुरू हुआ। यहां विधानसभा में पहुंचने पर मूख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू का विध्धनसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने स्वागत किया। व बाद में सीएम विधानसभा के अंदर पहुंचे व सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर से गर्मजोशी से मिले। राष्ट्रगान के साथ ठीक 11:00 बजे शीत सत्र शुरू हुआ। संविधान दिवस पर विधानसभा में संविधान की प्रस्तावना पढ़ी गई। स्पीकर ने सभी को प्रस्तावना की प्रति उपलब्ध करवाई। इसके बाद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पूर्व विधायक स्व. बाबू राम गौतम के प्रति सदन में शोकोद्गार प्रस्ताव पेश किया। स्पीकर कुलदीप पठानिया ने कहा कि इस सत्र में कुल 8 बैठकें आयोजित की जाएँगी। 28 नवम्बर, 2025 व 04 दिसम्बर, 2025 के दिन गैर.सरकारी सदस्य कार्य दिवस के लिए निर्धारित किए गए है। पठानियां ने कहा कि इस कैलेण्डर वर्ष में बजट सत्र में 15, मानसून सत्र में 12 तथा अभी शीतकालीन सत्र में 08 बैठकों के साथ ही हम कुल 35 बैठकें पूरी कर सकेंगे।

उन्होने कहा कि इस सत्र में सदस्यो से प्रश्नों से सम्बन्धित कुल 744 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं जिसमें 604 प्रश्न तारांकित तथा 140 प्रश्न अतारांकित। यह सभी सूचनाएं वदसपदम माध्यम से प्राप्त हुई हैं जिन्हें नियमानुसार सरकार को आगामी कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया है। इसके अतिरिक्त नियम 62 के तहत 11 सूचनाएं, नियम 63 के तहत 4 सूचनाएं, नियम 101 के अन्तर्गत 07 सूचनाएं, नियम 130 के तहत 16 सूचनाएं, नियम 324 के तहत 1 सूचना सदस्यों से प्राप्त हुई है इन्हें भी आगामी कार्रवाई हेतु सरकार को प्रेषित कर दिया गया है।

पीएनबी की महिला मुख्य प्रबंधक ने हाईकोर्ट में दायर की याचिका: धोखाधड़ी उजागर करने पर प्रतिशोध, यौन उत्पीड़न की शिकायत भी दबाई

हमीरपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की चीफ मैनेजर मानसी नेगी ने कथित भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने के बाद बैंक प्रबंधन द्वारा लगातार उत्पीड़न, मनमाने तबादले और प्रतिशोध का आरोप लगाते हुए हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में एक विस्तृत रिट याचिका दायर की है। हमीरपुर में लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के रूप में कार्यरत मानसी नेगी ने आरोप लगाया है कि बैंक ने आंतरिक धोखाधड़ी (त्रीरींव) की उनकी रिपोर्टों को नजरअंदाज किया, लेकिन उन्हें ही मनमाने ढंग से चार्जशीट कर दिया है। हाईकोर्ट ने इस याचिका पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर, 2025 को होगी। याचिकाकर्ता मानसी नेगी की ओर से एडवोकेट शशांक पांडेय द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि उनका (प्रोबेशनरी ऑफिसर 2010 बैच) का सेवा रिकॉर्ड उत्कृष्ट रहा है और उन्हें प्रदर्शन के आधार पर चीफ मैनेजर (स्केल-खत) के रूप में पदोन्नत किया गया था।याचिका में कहा गया है कि उनके उत्पीड़न की शुरुआत तब हुई, जब उन्होंने नाहन (छरहरप) में सीएमसी. प्रमुख के रूप में अपनी ड्यूटी के दौरान तीन ऋण खातों में गंभीर अनियमितताएं पाईं। बैंक के हित की रक्षा करते हुए, उन्होंने नियमों का पालन न होने के कारण लोन वितरित करने से इनकार कर दिया।

विडंबना यह रही कि उनके इनकार के बावजूद, वे तीनों खाते बाद में गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (छझ-) बन गए, जिससे उनका निर्णय सही साबित हुआ। लेकिन, इस सतर्कता के लिए सराहना मिलने के बजाय, उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने उन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। जब उन्होंने लोन जारी नहीं किया, तो उन पर ग्राहकों से अभद्रता और देरी की झूठी शिकायतें करवाई गईं। इन शिकायतों के आधार पर उन्हें छह महीने के भीतर दंडात्मक रूप से सोलन में स्थानांतरित कर दिया गया।

सोलन में तैनाती के दौरान याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि उन्हें सर्किल हेड द्वारा लगातार उत्पीड़न की टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। इस पर उन्होंने 6 मार्च, 2024 को यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम के तहत क्षेत्रीय प्रबंधक शिमला के समक्ष शिकायत दर्ज कराई।

हालांकि, याचिका में आरोप लगाया गया है कि आंतरिक शिकायत समिति ने पक्षपातपूर्ण और सतही जांच की और उनके आरोपों को 'अस्थापित' बताकर खारिज कर दिया, जबकि उन्हें जिरह का अधिकार भी नहीं दिया गया। इससे नाराज़ अधिकारियों ने नेगी के खिलाफ व्यवस्थित प्रतिशोध शुरू कर दिया।

एक सिक्योरिटी कर्मी उर्वी थापा ने खुद सामने आकर खुलासा किया कि उसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा झूठा बयान देने के लिए धमकाया गया था कि याचिकाकर्ता ने रिश्वत ली है। इस आपराधिक साजिश को उजागर करने के बावजूद, बैंक ने अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि नेगी पर ही दोषियों के साथ सांठगांठ करने का दबाव बनाया।याचिकाकर्ता का सबसे गंभीर आरोप यह है कि नेगी ने क्रिप्टन फार्मास्युटिकल्स खाते में 1.01 करोड़ की धोखाधड़ी वाली हेराफेरी को उजागर किया, जहाँ सर्कल हेड के मौखिक निर्देश पर तीसरे पक्ष के फंड को अवैध रूप से ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने इस फ्रॉड की कई बार रिपोर्ट की, लेकिन बैंक ने जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कोई जांच शुरू नहीं की। उल्टे, उसी फ्रॉड खाते के संबंध में 17 अक्टूबर, 2025 को याचिकाकर्ता को ही चार्जशीट जारी कर दी गई।

लगातार उत्पीड़न और अपनी पीठ में गंभीर लम्बर स्पाइन चोट के कारण, याचिकाकर्ता ने चिकित्सीय और दयालुतापूर्ण आधार पर अवकाश मांगा, जिसकी सिफारिश सर्किल और जोनल प्रमुखों ने भी की थी। इसके बावजूद, 16 अगस्त, 2025 को बिना कोई कारण बताए उनकी छुट्टी रद्द कर दी गई। वहीं, 2 जुलाई 2025 को उन्हें एक और मनमाना तबादला आदेश जारी कर हमीरपुर में लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के पद पर भेज दिया गया।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि उनका मनमाना तबादला और उनके साथ हुआ भेदभाव संविधान के साथ-साथ बैंक की जेंडर डायवर्सिटी पॉलिसी और डीएफएस सर्कुलर का उल्लंघन है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और लिंग-संवेदनशील स्थानांतरण नीति अनिवार्य करता है।

याचिका में उच्च न्यायालय से मांग की गई है कि पीएनबी के इस मनमाने कृत्य को रद्द किया जाए और 1.01 करोड़ की धोखाधड़ी की सीबीआई (उइख) जांच का आदेश दिया जाए ताकि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो सके।

केटीआर ने कहा कि रेवंत रेड्डी 27 यूएलबी के मर्जर के साथ एजेंडा को आगे बढ़ा रहे हैं

वारंगल, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) के साथ 27 शहरी लोकल बॉडीज़ के प्रपोज़्ड मर्जर के ज़रिए एक छिपे हुए रियल एस्टेट एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस सरकार पर कड़ी आलोचना करते हुए, इठड के वर्किंग प्रेसिडेंट, के. टी. रामा राव ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 'करप्शन के एनाकोंडा' के तौर पर उभरे हैं। उन्हें अनुमुला रेवंत रेड्डी कहने के बजाय, उनके बड़े करप्शन प्लान्स की निशानी, एनाकोंडा रेवंत रेड्डी कहना ज़्यादा सही रहेगा। राम राव ने काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क (केएमटीपीएच) और उसके तहत बनी इंडस्ट्रीज़ का दौरा किया, जिससे 30,000 से ज़्यादा लोगों को सीधे तौर पर रोज़गार मिला है। बाद में मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि साउथ कोरिया की यंगोन, काइटेक्स ग्रुप और गणेश इकोस्फीयर जैसी ग्लोबल बड़ी कंपनियों ने पहले ही काम शुरू कर दिया है। लेकिन पार्क में काम धीमी रफ़्तार से चल रहा था। पार्क के इंफ्रास्ट्रक्चर का अभी पूरी तरह इस्तेमाल होना बाकी था। यह कहते हुए कि पार्क में कुछ काम पेंडिंग रह गए हैं, उन्होंने सरकार से सुविधाओं का पूरा इस्तेमाल पक्का करने की अपील की।

एमजीएम वारंगल हॉस्पिटल के कॉन्ट्रैक्ट और आउटसोर्सिंग कर्मचारी 10 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे उन्होंने आउटर रिंग रोड और उसके आस-पास की 27 अर्बन लोकल बॉडीज़ को जीएचएमसी में मर्ज करने के कांग्रेस सरकार के अचानक उठाए गए कदम पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा, किसी को नहीं पता कि यह मर्जर किसके कहने पर किया जा रहा है। 27 लोकल बॉडीज़ में से किसी ने भी कोई प्रस्ताव पास नहीं किया। एमएलए या चुने हुए प्रतिनिधियों से कोई चर्चा नहीं हुई। असेंबली में एक भी लाइन पर बहस नहीं हुई। इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए कोई ऑल पार्टी मीटिंग भी नहीं बुलाई गई। इसे रेवंत रेड्डी के कुछ लोगों की ज़रूरतों को पूरा करने वाला एक और कदम बताते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद इंडस्ट्रियल लैंड ट्रांसफॉर्मेशन पॉलिसी ने पहले ही सरकार की पोल खोल दी है। हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी 50,000 करोड़ रुपये के बिजली घोटाले की साजिश कर रहे हैं बीआरएस ऐसी गलत सलाह वाली पॉलिसीज़ पर सरकार से लड़ने के लिए अपना एक्शन प्लान लेकर आएगी। उन्होंने सरकार से एचआईएलटीपी वापस लेने की मांग की, नहीं तो राज्य के लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। रामा राव ने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने ही फार्म टू फैशन, फार्म टू फैब्रिक मॉडल सोचा था और 1,600 एकड़ के काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क की नींव रखी थी - जो देश के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्कों में से एक है। उस समय के चङ- धर्मा रेड्डी की लगातार कोशिशों के बाद किसानों के सहयोग से ज़मीन खरीदी गई थी। जब 2014 में ट्रैफिक पुलिस से विवाद, हैदराबाद में व्यक्ति पर एफआईआर बीआरएस सत्ता में आई, तो तेलंगाना में लगभग कोई टेक्सटाइल पॉलिसी नहीं थी। चंद्रशेखर राव ने शुरू से एक पॉलिसी बनाई और बड़े इन्वेस्टमेंट लाए। आज, फ्लाईओवर और आरओबी अधूरे हैं, ड्रेनेज और सीवरेज का काम कछुए की चाल से चल रहा है।

कांग्रेस सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरा करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है ताकि पार्क का पूरा इस्तेमाल हो सके। तेलंगाना को भारत का टेक्सटाइल हब बनना चाहिए था - यह चंद्रशेखर राव का सपना था। जबकि भारत का कपड़ा बनाने का हिस्सा सिर्फ़ 4% है, श्रीलंका का 8%, बांग्लादेश का 7% और चीन का 34% है, उन्होंने कहा। खलेाार के एडमिनिस्ट्रेटर इम्माधि रवि को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया रामा राव ने आरोप लगाया, हमारा विज़न उन सभी से आगे निकलने का था। रेवंत रेड्डी उन ज़मीनों को मॉल में बदलना चाहते हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क की एक इंच भी ज़मीन को असल में इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश का वारंगल के लोग विरोध करेंगे। तो फिर यह जल्दी क्यों? जवाब आसान है - लगभग 5 लाख करोड़ रुपये की 9,300 एकड़ कीमती सरकारी और नगर निगम की ज़मीन छीनकर मुख्यमंत्री के आस-पास के रियल एस्टेट ग्रुप को सौंप देना, उन्होंने आरोप लगाया। कांग्रेस सरकार के टूटे वादों की आलोचना करते हुए, रामा राव ने लोकल बॉडी चुनावों में इउ रिज़र्वेशन को वादे के मुताबिक 42% से घटाकर सिर्फ़ 17% करने के लिए भी कांग्रेस पर निशाना साधा।

राहुल गांधी के 42% रिज़र्वेशन लागू करने के पब्लिक दावे के बावजूद, कांग्रेस ने राज्य में बीसी को धोखा दिया है। उन्होंने कहा, बीसी के साथ धोखा हुआ है। तेलंगाना के लोग सही समय पर इस सरकार को सबक सिखाएंगे। यह याद करते हुए कि चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना के ज़िलों को 10 से बढ़ाकर 33 कर दिया था और एडमिनिस्ट्रेशन को लोगों के करीब लाने के लिए नए रेवेन्यू डिवीज़न बनाए थे, उन्होंने कहा, हम डीसेंट्रलाइज़ेशन के पक्ष में हैं। यह कांग्रेस सरकार सब कुछ - पावर, रिसोर्स और करप्शन - एक गुट के हाथों में सेंट्रलाइज़ करना चाहती है।

शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी अभ्यारण्य में एआर वीआर डोम से मिलेगा जंगल का वर्चुअल अनुभव : जयवीर

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय महत्व रखने वाले शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी अभ्यारण्य, उन्नाव में पर्यटकों के लिए अत्याधुनिक एआर-वीआर डोम की सुविधा जल्द उपलब्ध होने वाली है। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा यहां कई पर्यटन सुविधाओं का तेजी से विकास कराया जा रहा है, जिन पर लगभग 2.81 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य के ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन पर पहली बार आगंतुकों को जंगल का वर्चुअल अनुभव प्राप्त होगा। लखनऊ से करीब 43 किलोमीटर दूर, कानपुर हाईवे स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी अभ्यारण्य प्रमुख रामसर साइट है। पक्षी प्रेमियों, प्रकृति को करीब से अनुभव करने वालों और शहरी भागदौड़ से दूर शांत वातावरण की तलाश में जुटे पर्यटकों के लिए यह एक प्रमुख आकर्षण है। शांत, हरे-भरे प्राकृतिक वातावरण में स्थित यह सेंचुरी सप्ताहांत पर्यटन वीकेंड टूरिज्म के लिए बेहतरीन गंतव्य है।सर्दियों में यहां स्थानीय तथा प्रवासी पक्षियों की भारी आमद होती है। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा यहां एआर-वीआर डोम के साथ-साथ कई अन्य सुविधाओं का विकास कराया जा रहा है, जिनमें रिसेप्शन टिकट वेटिंग एरिया, टिकट काउंटर, फूड एवं ओडीओपी कियोस्क, लैंडस्केपिंग एवं साइट डेवलपमेंट, पौधरोपण, बाहरी प्रकाश व्यवस्था, साइनेज आदि शामिल हैं।एआर-वीआर डोम एक विशिष्ट प्रकार की अत्याधुनिक तकनीकी है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह कि इसमें जंगल के किसी भी समय की सीन क्रिएट की जा सकती है। अलसुबह, देर शाम या रात के जंगल का दृश्य, जो अक्सर हम नहीं देख पाते हैं, वह हम इस अत्याधुनिक सुविधा के माध्यम से देख सकते हैं। डोम में बैठने के बाद आप चारों ओर का दृश्य देख सकते हैं। कई जगह तो ऊपर और नीचे का भी दृश्य दिखता है। शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी अभ्यारण्य में पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाओं को साकार करने के लिए बोर्ड सक्रिय है। लखनऊ के विविध विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए क्यूरेटेड टूर कराए जा रहे हैं। इस उद्देश्य से इज़ माय ट्रिप के साथ एमओयू किया गया है। उत्तर प्रदेश प्राकृतिक संपदाओं से समृद्ध राज्य है, जो बड़ी संख्या में प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। हमारा लक्ष्य है कि यहां आने वाले पर्यटक अद्वितीय और यादगार अनुभव लेकर लौटें। इसी दिशा में सुविधाओं का निरंतर विकास किया जा रहा है।

संविधान से नहीं बुलडोजर से चल रहा है उत्तर प्रदेश-ऐपवा

यूपी में महिलाएं सुरक्षित नहीं

लखनऊ 26 नवम्बर। अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन ऐपवा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक लालकुआं स्थित अपने कार्यालय में सम्पन्न हुई। संविधान दिवस के दिन आयोजित कार्यकारिणी बैठक का प्रारंभ संविधान की शपथ के साथ किया गया। राज्य स्तरीय बैठक में विभिन्न जिलों से 15 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।बैठक को संबोधित करते हुए ऐपवा की प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा अधिकारी ने कहा की योगी राज में उत्तर प्रदेश संकट के दौर से गुजर रहा है। मुख्यमंत्री संविधान की जगह बुलडोजर से प्रदेश को चलाना चाह रहे है उनका नफरती बुलडोजर कानून को ताक पर रखकर बड़े पैमाने पर गरीबों को उनकी जमीनों से उजाड़ कर बड़े पूंजीपतियों के हित में काम कर रहा है जिसे हम महिलाएं बर्दाश्त नहीं करेंगी और इस अलोकतांत्रिक प्रक्रिया का हर संभव विरोध करेगी।प्रदेश सचिव कुसुम वर्मा ने कहा की यूपी में महिलाएं सुरक्षित नहीं है, बलात्कार का प्रदेश बनता जा रहा हे।खुद सरकारी आंकड़े इसकी गवाही दे रहे है कि महिला अपराध में उत्तर प्रदेश शर्मनाक ढंग से पहले पायदान पर हैं। प्रदेश में न्याय दूर की कौड़ी बनाता जा रहा है। कुसुम ने कहा की महिलाएं अपने सम्मान और न्याय के इस लड़ाई में समाज के विभिन्न वर्गों को साथ आना होगा ताकि महिला विरोधी पितृसत्तात्मक समाज को ध्वस्त करने और नए समाज के निर्माण की लड़ाई को ऐप वा तेज करेगी।

हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा और भारत की अनेकता को एकता में जोड़ने वाला है : योगी

लखनऊ,26 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 2015 से पूरा देश प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करता है। 1946 में हुए संविधान सभा के चुनाव के उपरांत गठित संविधान सभा ने भारत के संविधान का निर्माण किया था। उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में बनी संविधान सभा ने अलग-अलग कमेटियां बनाई थीं, उसकी ड्रॉफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। संविधान निर्माण में 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन लगे। संविधान निर्माण में जिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने योगदान व विशेषज्ञों ने सहयोग किया, उसी का परिणाम है कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा और भारत की अनेकता को एकता में जोड़ने वाला है। संविधान की मूल प्रति को लेकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की समिति जब संविधान सभा के पास गई थी तब भी उन्होंने कहा था कि संविधान एक दस्तावेज है, जो भारत की विविधता को एकता में जोड़ने में मार्गदर्शिका के रूप में देश को नेतृत्व प्रदान करेगी। सीएम योगी ने संविधान दिवस पर लोकभवन में संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इसके पूर्व अतिथियों ने भारत मां व बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पार्चन किया। इस दौरान लघु फिल्म भी दिखाई गई। सीएम योगी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया।सीएम योगी ने कहा कि आज हर संस्था, पंचायत में ऐसे आयोजन करके संविधान की प्रस्तावना का वाचन करने का प्रयास हुआ है। 2015 में संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने कहा था कि हममें से हर व्यक्ति स्वतंत्र भारत का नागरिक है। लेकिन स्वतंत्रता

की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है, क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है। अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता। जहां कर्तव्य के बिना अधिकार प्राप्त करने का प्रयास किया गया है, वहां पर लोकतंत्र नहीं है, बल्कि वहां तानाशाह, व्यवस्था को गिरफ्त में लेकर आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को रौंदते दिखते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भारत ने इसे सर्वोपरि मानकर सम्मान दिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व प्रतीकों को सम्मान दिया और जिन मूल भावनाओं पर भारत का संविधान बना है, उसे जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया। जब कोई देश मूल भावनाओं को सम्मान देते हुए बढ़ता है तो उसे विकसित होने से कोई रोक नहीं सकता। आजादी के अमृत महोत्सव में पीएम मोदी ने देशवासियों के सामने विकसित भारत की संकल्पना रखी। इसके लिए पीएम मोदी ने 2022 में कहा था कि जब देश आजादी के 100वें वर्ष में जाएगा, तब हमें कैसा भारत चाहिए इसके लिए काम करना होगा। उन्होंने विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लिए हर देशवासियों से पंचप्रण के साथ जुड़ने का आह्वान किया।

सीएम ने पंच प्रण का जिक्र करते हुए कहा कि हर व्यक्ति गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो। यूनिफॉर्म धारी सेना-अर्धसेना, पुलिस बल के जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यदि कोई एक व्यक्ति गलती करता है तो उसके लिए पूरी व्यवस्था को नहीं कोसा जाना चाहिए, बल्कि गलती के परिमार्जन का अवसर देना चाहिए। कोई बार-बार गलती करता है तो परिमार्जन का अवसर देते हुए प्रभावी कदम उठाने के लिए कहना चाहिए। उसके लिए पूरे सिस्टम को दोषी नहीं ठहरा सकते। अक्सर स्वयं के स्वार्थ के लिए हम लोग सामाजिक विद्वेष की खाई को चौड़ा करने का प्रयास करते हैं।

सीएम ने कहा कि एकता व एकात्मता के लिए प्रयास-दायित्व होना चाहिए। हमें विरासत का सम्मान करना चाहिए। भारत में विरासत, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक परंपरा भी है। स्वाधीनता संग्राम के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों-संघर्षों में जिन बलिदानियों ने खुद को समर्पित करते हुए भारत की एकता-अखंडता के लिए मिलकर कार्य किया, वे धरोहर के रूप में हैं।

सीएम योगी ने कहा कि हर किसी को ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। हम भारत के संविधान का अपमान करते हैं तो यह बाबा साहेब, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों-बलिदानियों और उन गरीबों का अपमान है, जिन गरीबों ने संविधान के ताकत के बल पर लोकतांत्रिक अधिकार पाया है। उस आधी आबादी का अपमान है, जिन्हें संविधान ने पहले आम चुनाव के अंदर ही मत देने का अधिकार प्रदान कर दिया था।उन्होंने कहा कि दुनिया में आधुनिक लोकतंत्र की घोषणा करने वाले तमाम देशों ने कुछ ही तबके को मत देने का अधिकार दिया था। तमाम बड़े देश, जो आधुनिक लोकतंत्र का ठेकेदार बनकर घूमते हैं, उन्होंने महिलाओं को मत देने का अधिकार बहुत बाद में दिया, लेकिन भारत ने अपने व्यस्क नागरिकों को पहले ही दिन से मत देने का अधिकार प्रदान किया। भारत में बिना भेदभाव के संविधान लागू होने के साथ ही सामाजिक रूप से अस्पृश्य कहे जाने वाले दलित-जनजाति समाज के लिए संविधान ने आरक्षण की व्यवस्था भी दी। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने और सामाजिक समता के निर्माण में उनकी भूमिका का निर्वहन किया जा सके, इस दृष्टि से बड़ा क्रांतिकारी अभियान संविधान ने भारत के प्रत्येक अनुसूचित जाति-जनजाति के नागरिक को प्रदान किया।

सीएम योगी ने कहा कि भारत के संविधान के प्रति उन भावनाओं को बढ़ाने के लिए नया भारत तेजी से आगे बढ़ा है। विरासत के सम्मान से लेकर गुलामी की मानसिकता को समाप्त करना, सैनिकों-वर्दीधारी फोर्स को सम्मान देने, सामाजिक एकता और समता के लिए कार्य करने के साथ ही नागरिक कर्तव्य भी महत्वपूर्ण हैं। पंच प्रण को आवश्यक माना है और इसका आधार संविधान है।सीएम योगी ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को बाबा साहेब के नेतृत्व की ड्रॉफ्टिंग कमेटी ने भारत के संविधान की मूल प्रति संविधान सभा को सौंपा था। हर भारतवासी के घर में उसकी प्रति होनी चाहिए। हर परिवार में उसकी प्रस्तावना का वाचन होना चाहिए। सीएम ने मूल प्रस्तावना के साथ उसके भाव की चर्चा की और कहा कि भारत के मूल संविधान में पुष्पक विमान से अयोध्या के लिए भगवान श्रीराम का माता सीता और महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण के द्वारा गीता के उपदेश का चित्र भी है। महात्मा बुद्ध, सम्राट अशोक समेत महान महापुरुषों के चित्रों के माध्यम से भारत के विरासत के प्रति गौरव की अनुभूति करने का अवसर भी दिया गया है। यह चीजें बताती हैं कि संविधान विरासत के प्रति सम्मान का भाव पैदा करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन हम आज भी उन चीजों से विमुख होते दिखाई देते हैं।

मरने से पहले बीएलओ ने कहा,एसडीएम, बीडीओ व लेखपाल के दबाव के कारण खाया जहर

लखनऊ/गोंडा,26 नवंबर (एजेंसियां)। गोंडा की तरबगंज तहसील क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय जैतपुर माझा में तैनात सहायक अध्यापक और बीएलओ विपिन यादव ने संदिग्ध हालत में जहर खा लिया था,जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। लखनऊ के केजीएमयू में उपचार के दौरान बीएलओ विपिन यादव ने दम तोड़ दिया है। बीएलओ विपिन यादव को गंभीर हालत में एसडीएम सदर अशोक कुमार खुद लखनऊ लेकर पहुंचे थे। जहर खाने की जानकारी मिलते ही जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन, सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा मेडिकल और गोंडा सदर एसडीएम अशोक कुमार मेडिकल कॉलेज पहुंचे थे। अधिकारियों ने विपिन यादव की स्थिति की जानकारी ली थी।जिला निर्वाचन अधिकारी ने लखनऊ में उनके इलाज की व्यवस्था कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया था।इसी बीच विपिन

यादव का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर तरबगंज एसडीएम, नवाबगंज बीडीओ और लेखपाल पर दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए देख जा सकता है। यही तनाव उनके इस कदम की वजह बना। वीडियो में पत्नी सीमा यादव भी मौजूद हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि शुरुआती जांच में बात सामने आई है,विपिन यादव पारिवारिक परेशानियों से गुजर रहे थे, जिसकी वजह से उन्होंने ऐसा कदम उठाया। अधिकारियों पर दबाव बनाने के आरोपों को तथ्यहीन और गलत बताया। मतदाता पुनरीक्षण कार्य सामान्य रूप से चल रहा है। किसी कर्मचारी पर दबाव नहीं बनाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि विपिन यादव और उनके परिवार को गलत बयान देने के लिए बाहरी लोगों ने उकसाया होगा।जिस बूथ पर उन्हें नियुक्त किया गया था, वहां करीब 700 मतदाता थे और उनमें से लगभग 350 फॉर्म उन्होंने पहले ही भर लिए थे।उनका काम संतोषजनक था और उन पर किसी तरह का अतिरिक्त दबाव नहीं डाला गया था।घटना के बाद उन्हें बीएलओ ड्यूटी से हटा दिया गया।अधिकारियों ने यह भी कहा कि पूरे मामले में उनकी पत्नी की भूमिका संदिग्ध लग रही है, इसलिए उसकी भी जांच होगी।

लखीमपुर खीरी में भीषण सड़क हादसा : शादी से लौट रही अल्टो कार नहर में गिरी, 5 की मौत

लखीमपुर खीरी,26 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में मंगलवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। ढखेरवा-गिरजापुरी हाईवे पर तेज रफ्तार अल्टो कार अनियंत्रित होकर शारदा नहर में जा गिरी। हादसे में कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार सभी मृतक और घायल व्यक्ति एक ही गांव के रहने वाले थे और किसी शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसा देर रात हुआ। अंधेरा और तेज रफ्तार के कारण चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सीधे नहर में समा गई। नहर में पानी का स्तर काफी अधिक होने से कार पूरी तरह डूब गई। सूचना मिलते ही पडुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से क्रेन की सहायता से कार को नहर से बाहर निकाला गया। कार के अंदर फंसे पांच शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान अभी पूरी तरह नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी युवा थे और शादी में डीजे पार्टी करने गए थे। घायल चालक को तुरंत निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रमिया बेहड़ में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार उसके सिर और छाती में गंभीर चोटें आई हैं।

हादसे के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है। एक ही गांव के पांच लोगों की एक साथ मौत से पूरा क्षेत्र शोक में डूब गया है। स्थानीय लोग हाईवे पर लगातार हो रहे हादसों को लेकर प्रशासन से सुरक्षा इंतजाम सख्त करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

लखनऊ : शकुंतला मिश्रा यूनिवर्सिटी कैंपस के बैंक में देर रात लगी आग, फायर टीम ने समय रहते किया काबू

लखनऊ,26 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मोहन रोड स्थित शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय कैंपस में मंगलवार मध्य रात्रि बैंक ऑफ बड़ौदा ब्रांच में आग लगने से हड़कंप मच गया। रात के सन्नाटे में अचानक उठी लपटों और धुएं को देखकर आसपास मौजूद लोगों ने फायर स्टेशन को सूचना दी। कुछ ही मिनटों में आलमबाग फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंच गई और तुरंत राहत-बचाव अभियान शुरू किया। बैंक के अंदर धुआं तेजी से फैल रहा था, लेकिन मुख्य दरवाजा बंद होने की वजह से फायर ब्रिगेड को अंदर घुसने में दिक्कत हो रही थी। समय बर्बाद किए बिना टीम ने खिड़की को तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और आग को काबू में करने का प्रयास शुरू किया। फायर कर्मियों की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ के चलते कुछ ही देर में स्थिति नियंत्रण में आ गई। इसी बीच बैंक के कर्मचारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और मुख्य गेट का ताला खोला। अंदर पहुंचकर टीम ने जांच की कि कहीं आग बैंक के संवेदनशील इलाकों तक तो नहीं पहुंची है।

शाखा प्रबंधक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को बताया कि बैंक का सारा नकद पहले ही करेंसी चेस्ट में जमा करा दिया गया था। महत्वपूर्ण बात यह रही कि आग की लपटें करेंसी चेस्ट वाले हिस्से तक नहीं पहुंची थीं। इससे बैंक को बड़े वित्तीय नुकसान से बचा लिया गया। फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की सही वजह का अभी पता नहीं चल सका है।

प्राथमिक तौर पर माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी, लेकिन वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। बैंक प्रबंधन और पुलिस टीम ने भी परिसर का मुआयना किया और आग से हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। घटना के बाद बैंक परिसर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है और सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत प्रणाली की तकनीकी जांच की जा रही है।

संविधान दिवस पर केंद्र-राज्य सरकारों को मायावती की नसीहत

बोली,ईमानदारी से काम करें केंद्र और राज्य सरकार

लखनऊ,26 नवंबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने संविधान दिवस पर केंद्र व राज्य सरकारों को ईमानदारी से काम करने की नसीहत देते हुए कहा कि संविधान के उद्देश्यों पर अमल को समय की जरूरत है। मायावती ने आज एक्स पर लिखा,'आज देश संविधान दिवस मना रहा है और इस खास मौके पर भारतीय संविधान के मूल निर्माता व बहुजन समाज के मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर को मैं पूरे तहेदिल से शत-शत नमन करती हूं। ये उम्मीद करती हूं कि केंद्र व राज्य सरकारें संविधान दिवस मनाने के साथ उसके समतामूलक, मानवतावादी व कल्याणकारी उद्देश्यों पर ईमानदारी एवं निष्ठा से अमल करके जनता की अपेक्षाओं को जरूर पूरा करेंगी, यही समय की मांग है।'

मथुरा : लव मैरिज के बाद तलाक पर अड़ी थी पत्नी, पति ने कर दी हत्या, पांच दिन बाद मिला शव, आरोपी गिरफ्तार

चौमुहां, मथुरा,26 नवंबर (एजेंसियां)। थाना जैंत क्षेत्र अंतर्गत धौरेरा के जंगल में एक महिला की गोली मारकर हत्या करने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मृतका के हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर अपनी पत्नी द्वारा लगातार तलाक का जबरन दबाव बनाने के कारण हत्या करने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा, कारतूस और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है।सीओ सदर संदीप कुमार ने बताया कि पाँच दिन पहले धौरेरा के जंगल में थाना गोविंद नगर के जगन्नाथपुरी निवासी खुशी अग्रवाल घायल अवस्था में मिली थीं, जिनके सिर में गोली लगी थी। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। जांच में सामने आया कि महिला के पति, महाविद्या कॉलोनी निवासी सूरज शर्मा ने ही उन्हें गोली मारी थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमें गठित की गई थीं।थाना प्रभारी जैंत उमेश चंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी सूरज शर्मा को अल्हैपुर के पास जंगल से आने वाले कच्चे रास्ते पर बने एक मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में सूरज शर्मा ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसका और खुशी अग्रवाल का मार्च 2020 में प्रेम विवाह हुआ था। शुरुआती कुछ समय बाद ही उनके वैवाहिक जीवन में लगातार कलह और झगड़ा शुरू हो गया। सूरज के मुताबिक, उसकी पत्नी खुशी लगातार उस पर जबरन तलाक लेने का दबाव बना रही थी, जबकि वह तलाक देने का इच्छुक नहीं था। उसने बताया कि खुशी ने कुछ दिन पहले जबरदस्ती तलाक के कागजात पर उससे हस्ताक्षर भी करवा लिए थे।सूरज ने यह भी दावा किया कि तलाक के बाद भी उसने सुलह-समझौते के प्रयास जारी रखे, लेकिन जब खुशी नहीं मानी, तो उसने बदले की भावना में आकर खौफनाक फैसला लिया और उसकी जान ले ली।हत्यारोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी जैंत उमेशचन्द्र त्रिपाठी, एसआई विवेक कुमार, सर्विलांस प्रभारी विकाश कुमार, निशान्त पायल, संजीव कुमार, यतेन्द्र सिंह, पुष्पेंद्र कुमार, पीताम्बर सिंह आदि शामिल रहे।

ऊर्जा मंत्री पहुंचे मधुबन, बिजली सेवा शिविर में की सहभागिता

बिजली बिल राहत योजना:एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज माफ व 25 प्रतिशत मूलधन में छूट

भुगतान के समय पंजीकरण शुल्क 2000 रूपए का भी होगा सेटलमेंट: शर्मा

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा पहुंचे मऊ, मधुबन क्षेत्र स्थित सद्गुरु कबीर पब्लिक विद्यालय, गागेबीर में बिजली सेवा शिविर में प्रतिभाग किया। उपभोक्ताओं से संवाद करते हुए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी बिजली बिल राहत योजना 2025-26 की विस्तृत जानकारी साझा की और इसे उपभोक्ता हित में ऐतिहासिक पहल बताया।श्री शर्मा ने कहा कि योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करना और बिजली सेवाओं को अधिक पारदर्शी बनाना है। इस योजना के अंतर्गत एकमुश्त भुगतान करने पर 100 फीसदी सरचार्ज की माफी तथा मूलधन में 25 फीसदी तक की छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे अवसर का लाभ उठाकर अपनी लंबित देयताओं का निस्तारण जल्द से जल्द कराएं। एक दिसंबर से शुरू होने वाली योजना को तीन चरणों में लागू किया जाएगा, जिससे विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं को अपनी सुविधा के अनुसार लाभ पाने का अवसर मिलेगा। उपभोक्ताओं की आर्थिक क्षमता को देखते हुए सरकार ने मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई है ताकि उन्हें किसी प्रकार का बोझ न महसूस हो। यह मासिक किस्त 750 एवं 500 रुपए की होगी। योजना का लाभ केवल सामान्य उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है बल्कि ओवर बिलिंग और अंदर बिलिंग जैसी समस्याओं से जूझ रहे उपभोक्ताओं को भी बड़ी राहत दी जाएगी। ऐसे मामलों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा, उपभोक्ता बिना किसी अव्यवस्था के सटीक बिल प्राप्त कर सकें। राहत योजना में पंजीकरण प्रक्रिया को बेहद सरल और सुविधाजनक बनाया गया है। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट ॣ.ीिलिश्र.ीस, संबंधित विद्युत कार्यालय, जन सेवा केंद्र तथा विभाग के किसी भी कैश काउंटर के माध्यम से आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं। बहु-विकल्पीय व्यवस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ना और उन्हें समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराना है। राहत योजना से पुराने एवं भारी बकाया वाले उपभोक्ताओं को बहुत पूर्ण लाभ मिलने जा रहा है। उन्होंने कुछ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि उपभोक्ता जितेंद्र कुमार आर्य जिनका बकाया 2 लाख 29 हजार रुपए था उन्हें योजना का लाभ लेने पर केवल 1 लाख 18 हजार का ही भुगतान करना होगा। मधुबन निवासी छगऊ जिनका ब्याज सहित बिल 274000 तक पहुंच गया था उन्हें राहत योजना के अंतर्गत सिर्फ 50000 ही देना होगा इसी प्रकार उन्होंने विनोद कुमार जिनका बिल ब्याज सहित बढ़कर 1 लाख 82 हजार हो चुका था उन्हें इस योजना के माध्यम से केवल 48000 का भुगतान करना पड़ेगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह उदाहरण दर्शाते हैं कि राज्य सरकार की यह योजना उपभोक्ताओं के लिए कितनी प्रभावी ऐतिहासिक और अत्यंत राहत कार्य सिद्ध होने वाली है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण शुल्क 2000 का भी भुगतान के समय सेटलमेंट कर दिया जाएगा।शिविर में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी शंभू कुमार,अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गंभीर रोगों से ग्रस्त शिक्षकों की होगी घर के नजदीकी स्कूल में तैनाती

अब बीएसए करेंगे समायोजन : बघेल

लखनऊ,26 नवंबर (एजेंसियां)।निदेशक बेसिक शिक्षा प्रताप सिंह बघेल ने कहा,कुछ शिक्षक गंभीर रोगों से ग्रस्त हैं अब उनकी तैनाती घर से नजदीकी विघालयो में की जायेगी। ऐसे मामलों में समायोजन की जिम्मेदारी अब बीएसए को दी गयी है। पूर्व में यह स्थानातंरण निदेशालय स्तर पर होता था जिसमें बदलाव किया गया है। टीईटी के सवाल पर कहा, टीईटी टीचर एलिजिबिलिटी परीक्षा को लेकर हाईकोर्ट का आदेश है जिसके तहत हर शिक्षक को टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, समाधान निकलेगा। इस मामले को लेकर शिक्षण कार्य कहीं प्रभावित नहीं हो रहा है। एसआईआर को लेकर बोले, एसआईआर स्पेशल इंटेसिव रिवीजन राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसमें पिछले कार्यक्रमों की तुलना में कम शिक्षकों की ड्यूटी लगायी गयी है। अधिकांश स्कूलों से एक- एक शिक्षकों की ही ड्यूटी लगायी गयी है। निदेशक ने बताया कि प्रदेश में करीब 50 हजार बाल बाटिकाएं चल रही है जिसमें 38 लाख बच्चे प्री प्राइमरी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन स्कूलों को शिक्षण कार्य से लेकर सुविधाओं तक को स्मार्ट किया जा रहा है। सर्वाधिक लाभ परिषदीय विद्यालयों को होगा।यहां से निकले बच्चे प्राथमिक स्कूलों में कक्षा एक में प्रवेश ले सकेंगे। निदेशक ने बताया कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

स्वास्थ

मोटापा कम करता है अलसी का काढ़ा

स्वस्थ रहने के लिए हमें अपने आहार में फल-सब्जियों के साथ-साथ विभिन्न तरह के बीजों को भी जरूर शामिल करना चाहिए। ऐसे ही बीजों में से एक है अलसी, जिसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं। ये शरीर को स्वस्थ रखने में फायदेमंद हैं। अलसी के बीजों से बने काढ़े का नियमित रूप से सेवन कई बीमारियों के इलाज में फायदेमंद है।

कैसे तैयार करें काढ़ा

दो चम्मच अलसी के बीजों को दो कप पानी में मिक्स करें और आधा रह जाने तक उबालें। तैयार काढ़ा छान लें और थोड़ा ठंडा होने पर पिएं।

फायदे हैं अनेक

ब्लड शुगर करे नियंत्रितः डायबिटीज और ब्लड शुगर की समस्या से पीड़ित लोगों के लिए अलसी का काढ़ा वरदान साबित होता है। नियमित रूप से सुबह खाली पेट असली के काढे.के सेवन से डायबिटीज का स्तर नियंत्रित रहता है।

► थाइरॉएड में असरदारः सुबह खाली पेट अलसी का एक कप काढ़ा हाइपोथाइरॉएड और हाइपरथाइरॉएड दोनों स्थितियों में फायदेमंद है।

► हार्ट ब्लॉकेज को करे दूरः नियमित रूप से तीन महीने तक अलसी का काढ़ा पीने से आर्टरीज में ब्लॉकेज दूर होता है और आपको एंजियोप्लास्टी कराने की जरूरत नहीं पड़ती। अलसी में मौजूद ओमेगा-3 शरीर में बुरे कोलेस्ट्रॉल एलडीएल के स्तर को कम करता है और हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने में मदद करता है। हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल कर शरीर को डीटॉक्सीफाई करता है।

► जोड़ों के दर्द में दे आरामः साइटिका, नस का दबना, घुटनों जैसे जोड़ों के दर्द में अलसी के काढ़े का नियमित सेवन फायदेमंद है।

► मोटापा करे कमः काढ़ा शरीर में जमा हुई अतिरिक्त वसा को निकालने में मदद करता है, जिससे मोटे होने का खतरा नहीं रहता। अलसी में मौजूद फाइबर भूख को कम करता है और शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है।

► पेट की समस्याओं में कारगरः नियमित रूप से अलसी का काढ़ा पीने से कब्ज, पेट दर्द, पेट अफरना जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

► बालों और त्वचा के लिए फायदेमंदः आधा चम्मच अलसी के बीज रोज सुबह गर्म पानी के साथ लेने से बालों के झड़ने की समस्या भी हल होती है। तीन-चार महीने तक नियमित रूप से काढ़ा पीने से बाल सफेद होना रुक जाता है। अलसी के तेल की मालिश करने से बाल मजबूत और चमकदार होते हैं। इससे त्वचा के रूखेपन, कील-मुंहासे, एग्जिमा, एलर्जी जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

अपने बालों को खूबसूरत बनाने के लिए अपनाएं पपीते का ये हेयर मास्क

अक्सर लोग इस बात को लेकर आश्चर्य-चकित रहते हैं कि उनकी दादी और नानी के बाल इतने सुन्दर, लम्बे कैसे होते हैं, जबकि वो ना तो कोई महंगे शैम्पू का इस्तेमाल करती हैं और ना ही सैलून जाती हैं। आपको बता दें कि वो नेचुरल चीजों जैसे नारियल, केला, एवोकैडो, जोजोबा, नींबू और पपीते का इस्तेमाल करती हैं। इस आर्टिकल में हम बालों की सुन्दरता के लिए पपीते के लाभों के बारे में बात करेंगे। आप अपने बालों को स्वस्थ रखने के लिए घर पर ही हेयर मास्क को बना सकते हैं।

पपीते में ढेर सारे विटामिन जैसे विटामिन अ, इ और उ होते हैं। विटामिन अ आपके बालों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है, विटामिन इ आपके सिर को साफ करके डेड स्किन सेल्स को दूर करता है, जबकि विटामिन उ बहुत अच्छा एंटी-आक्सीडेंट होता है जिससे आपके बाल तेजी से बढ़ते हैं। इसके अलावा पपीते में मैग्नीशियम, पोटेशियम, कॉपर और बीटा-कैरोटीन होते हैं जो बालों के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

इस आर्टिकल में हम आपको बालों को स्वस्थ रखने के लिए पपीते से बनने वाले हेयर मास्क के बारे में बताने जा रहें हैं।

पपीता और दही का हेयर मास्कः

दही में प्रोटीन होता है जो बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड बालों के डेड स्किन सेल्स को दूर करने का काम करता है। पपीता और दही का मिश्रण बालों के लिए बहुत बढ़िया होता है।

इस्तेमाल करने का तरीकाः

► कच्चे पपीते को छीलकर उसमें से बीज को निकाल दें।
► इसे छोटे छोटे टुकड़ों में काटकर ब्लेंडर में रखें।
► इसका पेस्ट बना लें।
► इसमें आधा कप दही मिला दें।
► फिर इन सबको अच्छे से मिला दें।
► फिर इसे अपने बालों की जड़ों में लगाएं।
► इसे 30 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। फिर अपने सिर को शैम्पू से धो लें।

पपीता और नारियल तेल का हेयर मास्कः

नारियल में फैटी एसिड और विटामिन पाए जाते हैं जो बालों को बेहतर न्यूट्रीयेंट्स देने के साथ साथ उन्हें मजबूत और चमकदार बनाता है। नारियल तेल में पपीता मिलाने से आपके बाल सुन्दर दिखते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीकाः

► कच्चे पपीते को छोटे छोटे टुकड़ों में काटकर इसमें से सारे बीज को निकाल लें।
► इसे ब्लेंडर में डालकर एक पेस्ट बना लें।
► फिर इसमें नारियल का तेल मिला लें।
► इस मिश्रण को अपने बालों में 30 मिनट तक लगाए रखें। और फिर शैम्पू से धो लें।

पपीता और शहद का हेयर मास्कः

शहद बालों के झड़ने को रोकता है, इसके अलावा यह बालों में होने वाले इन्फेक्शन को दूर करता है और उन्हें पूरा न्यूट्रीशन देता है। एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-फंगल गुण होने की वजह से यह बालों को मजबूत और स्वस्थ बनाता है। शहद बालों के लिए एक नेचुरल कंडीस्नर का काम करता है जो बालों की नमी बनाए रखता है।

इस्तेमाल करने का तरीकाः

► पपीते को छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें।
► इसमें शहद मिलाकर ब्लेंडर में मिक्स कर लें।
► फिर इसे अपने बालों में 30 मिनट तक लगाए रखें।
► और फिर पानी से धो लें।

पपीता और केले का मास्कः

केले में बायोटिन होता है जो बालों को बढ़ने में मदद करता है और उसे मुलायम और चमकदार बनाता है। केला और पपीता बालों को मजबूत बनाने के लिए एक उत्प्रेरक का काम करते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीकाः

► इसके लिए आप एक केले को लें और उसे अच्छे से छील लें।
► और फिर इसे आधा कटे पपीते के साथ मिलाकर एक पेस्ट बना लें।
► इस पेस्ट को अपने बालों में लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।
► और फिर इसे पानी से धो लें।

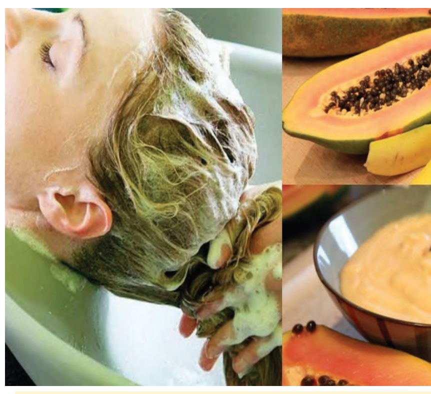

पपीता और अंडे का हेयर मास्कः

अंडे में ढेर सारे न्यूट्रीयेंट्स और विटामिन पाए जाते हैं जो बालों को बढ़ने में मदद करते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीकाः

► इसके लिए एक बाउल में अंडे को फोड़कर लें।
► दूसरे बाउल में पपीते का पेस्ट बना लें।
► फिर इन दोनों को एक साथ मिला दें और अपने बालों में लगाएं।
► इसे 30 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। और फिर शैम्पू से धो लें।
► इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में एक बार जरुर इस्तेमाल करें।

टिप्स

बच्चों को घर में अकेला छोड़ने से पहले याद रखें ये बातें

◆ मोबाइल होना है जरूरी

जब बच्चे घर पर अकेले हो तो उनके पास मोबाइल होना बहुत जरूरी है। ऐसी स्थिति में अगर बच्चों कोई समस्या है या फिर आपको बच्चों से कोई बातचीत करनी है तो आप बहुत आसानी से कर सकते हैं।

◆ कमरे में बंद न करें

कई बार पेरेंट्स बच्चों को लेकर पजेसिव हो जाते हैं कि बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से उन्हें कमरे में बंद कर देते हैं, ताकि बच्चे घर से बाहर ना जाए और कोई उनके बच्चों के साथ गलत हरकत ना कर दें। जबकि ये बहुत गलत अभ्यास है। बच्चों को कभी भी एक कमरे में बंद न करें। किसी तरह की अनहोनी होने पर उनका बाहर निकलना मुश्किल हो सकता है।

◆ कुंडी खोलना और बंद करना सिखाएं

इमरजेंसी के वक्त को देखते हुए बच्चा को घर के दरवाजों की कुंडी खोलना और बंद करना जरूर आना चाहिए। जब पेरेंट्स घर पर नहीं होते तब कुछ छोटी-छोटी बातों की जानकारी बच्चों के लिए बहुत हो जाता है। यानि कि दरवाजे की कुंडी खोलना और बंद करना बच्चों को जरूर आना चाहिए।

◆ खाने-पीने की चीजें रखें

जब भी पेरेंट्स घर से बाहर जाए तो टेबल पर या डाइनिंग टेबल पर कुछ खाने पीने की चीजें जरूर रखें। खेल-कूद के कारण बच्चों को जल्दी भूख लग जाती है। किचन में जाना उनके लिए ठीक नहीं होता।

एसिमिट्रिकल ड्रेसेज, जो बनाएं आपको स्टाइलशि

एसिमिट्रिकल ड्रेसेज, जो बनाएं आपको स्टाइलशिएसिमिट्रिकल ड्रेसेज, जो बनाएं आपको स्टाइलशिएसिमिट्रिकल ड्रेसेज इन दिनों पॉपुलर हैं। इंडियन हों या वेस्टर्न आउटफिट्स, हर स्टाइल में डिजाइनर्स इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। कैसे पहनें हेमलाइन वाली ये ड्रेसेज।

स्टाइलिशस लुक

एसिमिट्रिकल ड्रेसेज इन दिनों डिमांड में हैं। वेस्टर्न के साथ ही इंडियन वेयर्स में यह पैटर्न, खासतौर से कुर्ती के डिजाइन और टॉप्स वॉर्डरोब में शामिल हो रहे हैं। इन्हें लेगिंग्स और जैगिंग्स के अलावा सिगरेट पैंट्स के साथ भी पहना जा सकता है। स्टइलिश दिखने वाली ये ड्रेसेज ऑफिस से लेकर किटी पार्टी तक कहीं भी पहनी जा सकती हैं। बस मौके की नजाकत को देखते हुए इनकी स्टाइलिंग का खयाल रखें।

ड्रेस का चुनाव

इन ड्रेसेज को जो बात खास बनाती है, वह है उसकी हेमलाइन। हाई-लो हेमलाइन वाली यह ड्रेस लुक को बैलेंस तो करती ही है, यह स्टाइलिश भी लगती है। इस ड्रेस के साथ जयादा एक्सेसरीज, मेकअप और ब्राइट कलर्स की पेयरिंग से बचना चाहिए। अगर ड्रेस के साथ बेल्ट भी पहनने की सोच रही हैं तो उसमें भी लाइट शेड ही चुनें। कलरफुल, वाइड और प्रिंटेड बेल्ट लुक को खराब कर सकती हैं।

शर्ट या ब्लाउज

इस हेमलाइन का इस्तेमाल कॉलेज और आउटिंग के लिए किया जा सकता है। शर्ट के साथ वाइड लेग पैंट्स बेहद अच्छी लगती हैं।साड़ी को मॉडर्न टच देना चाहती हैं तो ब्लाउज के रूप में इस हेमलाइन का इस्तेमाल करें और उसे बेल्ट के साथ पहनें। आप अपने लुक में खुद ही बदलाव महसूस करेंगी।

सही फुटवेयर्स चुनें

आपकी ड्रेस कितनी भी खूबसूरत क्यों न हो, अगर उसके साथ फुटवेयर सही नहीं हैं तो इससे आपका पूरा लुक बिगड़ सकता है। अलग-अलग तरह की ड्रेसेजके साथ फुटवेयर्स में भी वरायटी नजर आनी चाहिए। अगर आपकी ड्रेस की हेमलाइन शीयर है तो प्लेटफॉर्म हील्स इसके लिए अच्छा विकल्प साबित हो सकती हैं। यह एलीगेंट और क्लासी लुक देता है। कुछ अलग ट्राई करने के लिए ड्रेस के साथ बूट्स भी पहन सकती हैं।

पैरों को करें हाइलाइट

शॉर्ट ड्रेसेज की तरह ऐसी ड्रेसेज में भी टोन्ड लेग्स शो कर सकती हैं। फ्रंट हाइ हेमलाइन वाली ड्रेसेज लुक को ही नहीं, पैरों को भी हाइलाइट करेंगी। कैजुअल लुक के लिए इनके साथ शूज पहनने का आइडिया अच्छा रहेगा। पार्टी लुक के लिए स्टिलेटोस अच्छे लगेंगे।

लेयर्स करें ट्राई

इन ड्रेसेज को श्रग या ब्लेर के साथ भी टीमअप किया जा सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि ड्रेस के साथ पहने जाने वाले ब्लेजर या श्रग का फैब्रिक ड्रेस से अलग हो, वरना ये आपस में मिक्स हो जाएंगे। कंट्रास्ट कलर्स का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है।

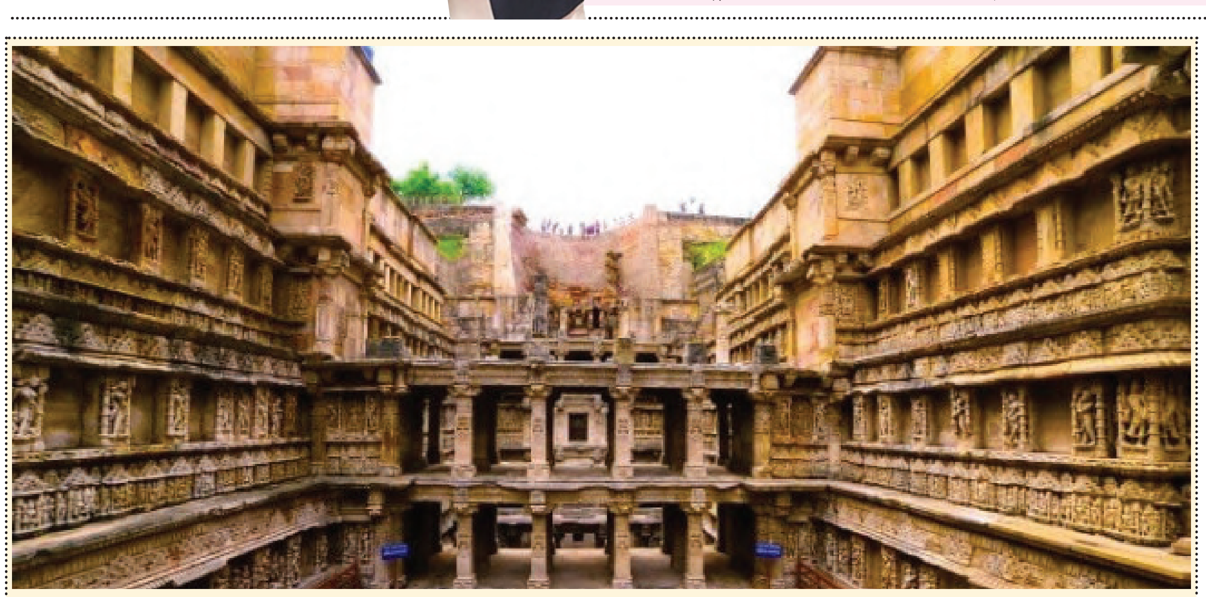

गुजरात का प्राचीन हनुमान-मकरध्वज मंदिर, घूमने से पहले जान लें खास बातें

रामायण में बहुत-सी कहानियां ऐसी है, जिससे कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। एक मान्यता के अनुसार भगवान हनुमान का पुत्र मकरध्वज था। जिन्होंने एक मछली के गर्भ से जन्म लिया था।

रामायण के इसी प्रसंग से एक ऐसी जगह जुड़ी हुई है, जो एक धार्मिक स्थल बन चुका है। देश-विदेश से लोग इस जगह पर घूमने फिरने आते हैं।

हनुमान मकरध्वज मंदिर, भेंटद्वारिका, गुजरात

हनुमानजी व उनके पुत्र मकरध्वज का पहला मंदिर गुजरात के भेंटद्वारिका में स्थित है। यह स्थान मुख्य द्वारिका से दो किलोमीटर अंदर की ओर है। इस मंदिर को दांडी हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह वही स्थान है, जहां पहली बार हनुमानजी अपने पुत्र मकरध्वज से मिले थे। मंदिर के अंदर प्रवेश करते ही सामने हनुमान पुत्र मकरध्वज की प्रतिमा है। वहीं पास में हनुमानजी की प्रतिमा भी स्थापित है।

घूमने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप इस मंदिर में घूमने जा रहे हैं, तो आपको कुछ बातों को मानना पड़ेगा। आपको बिना प्याज-लहसुन, मांस-मछली और अंडे को खाए जाना पड़ेगा।

कैसे पहुंचे : आपको नई-दिल्ली और दूसरे महानगरों से गुजरात जाने के लिए कई ट्रेन उपलब्ध हैं। आप अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पर उतरकर किसी बस या ऑटोरिक्शा लेकर मंदिर तक पहुंच सकते हैं।

इंसुलिन के स्तर को संतुलित बनाए रखती है हरी प्याज

सर्दी का मौसम आ गया है। इस मौसम में हरा प्याज आसानी से मिलता है। यह न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि फायदेमंद भी है। हरा प्याज में एंटी-ऑक्सीडेंट डीएनए को नुकसान पहुंचने से रोकते हैं। इसमें पाया जाने वाला विटामिन सी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने का काम करता है जिससे दिल से जुड़ी बीमारियां होने का खतरा कुछ कम हो जाता है। इसके अलावा सल्फर धमनियों से जुड़ी समस्याओं से बचाव में सहायक साबित होता है। सर्दी-जुकाम में राहत के लिए स्प्रिंग अनियन का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है। ये श्वसन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। हाल में हुए एक अध्ययन के अनुसार हरे प्याज में मिलने वाला सल्फर ब्लड प्रेशर को कम करने में सहायक होता है। ये इंसुलिन के स्तर को संतुलित बनाए रखता है। स्प्रिंग अनियन में विटामिन सी और के पर्याप्त मात्रा में होते हैं। ये हड्डियों की क्रियाशीलता को बनाए रखने के लिए भी फायदेमंद हैं। हरे प्याज में पर्याप्त मात्रा में सल्फर पाया जाता है। इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। स्प्रिंग अनियन में पाया जाने वाला सल्फर फंगस और दूसरे संक्रमण को होने से रोकता है। रक्त का थक्का जमाने के लिए भी आवश्यक विटामिन के इसमें भरपूर मात्रा में होता है।

रेसिपी

गर्मागर्म 'मैगी समोसा'

सामग्री

मैगी नूडल्स डेढ़ कप , मैदा 2 कप , अजवाइन 1 चम्मच , रिफांइड ऑयल 1 कप, पानी जरुरत अनुसार, नमक 1 चम्मच

विधी

अजवाइन 1 सबसे पहले एक बड़े बर्तन में मैदा, नमक और अजवाइन को मिक्स करें और ऊपर से थोड़ा सा पानी छिड़कें और कड़ा आटा गूंद लें। तैयार आटे को कुछ देर के लिए ढक कर अलग रख दें। अब एक अलग बर्तन में मैगी नूडल्स को पका लें। जब मैगी पक जाए तो उसे एक बाउल में निकालकर ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक बड़ी कढ़ाई लें और उसमें तेल डालकर मध्यम आंच पर तेल को गर्म होने दें। अब गूंदे हुए आटे से छोटे-छोटे गोले बनाकर पूरी की तरह पतला गोल बेल लें। अब इसे बीच से काट दें और कोन बनाकर पानी की कुछ बूंदों का इस्तेमाल कर किनारों को सील कर दें। अब इस कोन में तैयार मैगी नूडल्स को भरें और इसका मुंह बंद कर समोसे का शेप दें। बाकी के आटे के साथ भी इसी तरह समोसा बना लें। जब समोसे की फिलिंग तैयार हो जाए तो इसे कढ़ाई में डालें और डीप फ्राई करें। जब समोसे गोल्डन ब्राउन कलर के हो जाएं तो इन्हें तेल से बाहर टीशू पेपर पर निकालें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। तैयार समोसे को चटनी के साथ गर्मा गर्म सर्व करें।

संपादकीय

तपोवन से होकर जाना है

बदलता है माहौल, उबलता है क्योंकि यह शीतकालीन सत्र है और तपोवन से होकर जाना है। पूरी सरकार को शिमला से उतरकर नीचे आना पड़ता है, इसलिए तपोवन का सत्र एक मुकदमा है। यहां तारीखें और तरीके एक साथ बदल जाते हैं, तपती दोपहरी में ठंड के आसार बदल जाते हैं। इसे व्यर्थ मानें या अनावश्यक खर्च, लेकिन साढ़े सात सौ के करीब सवाल अगर किसी सत्र की आवाज बनते हैं, तो यह आगाज अच्छा है। इस बार पहले से लंबा सत्र तो है, लेकिन यह व्यापक बनता है तो मसले प्रदेश की छाती पर मूंग नहीं दल पाएंगे। सत्र पर कांग्रेस सरकार के तीसरे साल का टंकन स्पष्टता से सुनाई दे रहा है, तो विपक्ष की तैयारी का मकसद भी सुना जाएगा। इसलिए सदन के बाहर भी शोर होगा, जब बुजुर्ग पेंशनर्स अपना हक मांगेंगे, किसान गुस्से का हल जोतेंगे या कोई कर्मचारी वर्ग सरकार के कानों में कुछ कहना चाहेगा। विपक्ष की भूमिका में प्रश्नों की लंबी फेहरिस्त और आंखों में सियासी गुस्सा लिए भाजपा ने अपना प्रदर्शन सत्र के सांचे में ढाल लिया है। जाहिर है तपोवन में कुछ तो बर्फ पिघलनी चाहिए, शिमला से दूर हिमाचल की हवा मिलनी चाहिए। बात यह कि शिमला से कितना हिमाचल और यह भी कि हिमाचल से शिमला कैसे। यह मुआयना वीरभद्र सिंह ने शुरू किया और यही हस्ताक्षर तपोवन परिसर के वातावरण में मिलते हैं। वीरभद्र सिंह शिमला से कई काफिले यहां लाए और शीतकालीन प्रवास से विधानसभा के शीतकालीन सत्र अनिवार्यता की सूची में शामिल हो गया। वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी मापे हैं कई समुद्र, इसलिए सत्र की नाव में सरकार का अपना यात्रा वृतांत रहेगा। वाकई तपोवन इक छोर है, गवाहियों का दौर है। जो कार्यालय शिमला से यहां पहुंच गए या राजधानी के बरअक्स पर्यटन राजधानी का जोरदार नारा बता रहा है कि व्यवस्था परिवर्तन की लौ में कहीं कोई सूरज निकलेगा या धौलाधार के आंचल में उस त्रासदी का जिक्र होगा, जिसने बरसात के जख्मों को हरा बनाए रखा है। हैं फाइलें बड़ी लंबी, तेरी जुबान ने कैंची चला दी। कुछ सवाल स्वाभाविक और पूरे प्रदेश की जमीन से जुड़े हैं। आखिर बारिश की राहत में घोषित राशि यानी कुल पंद्रह सौ करोड़ आए क्यों नहीं। तिलिस्म हर आका का बहुत था मगर, हमारी आंखों ने हर बार खुद पे शक किया। शक होता है कि सरकारी बसें क्यों हमें रास्तों पर भटका देती हैं। संदेह होता है जब धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रस्तावित जमीन पर झाडियां उग आती हैं। इंटरनेशनल कान्वेंशन सेंटर या यूनिटी माल की अमानत से जमीन खींच ली जाती है। शक होता हे जब सोशल मीडिया पर एक विधायक के चरित्र पर चर्चा होती है। उन पत्थरों पर संदेह होता है जो शिलान्यास के बाद कब्र बन गए या इमारतें खाली रहीं, प्रयास बाहर निकल गए। अब तो घर की मिट्टी और गांव की खड्ड से निकलती रेत पर शक होता है कि कहीं हम सभी प्रदेश के तस्कर तो नहीं हो गए। हर स्थानांतरण पर शक करने की वजह तब मिलती है जब अधिकारी या ब्यूरोक्रेट सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी धन से पगार के अधिकारी बने रहते हैं। कांगड़ा सहकारी बैंक से ऋण उठाने वाले तब नायक बन जाते हैं, जब संपत्तियों की आड़ में करोड़ों के शिकार हो जाते हैं। बहुत बोलता है विपक्षी, लेकिन हर मुद्दे पर नहीं बोलता तो शक होता है। आश्चर्य यह कि विधायक बदल कर भी हमें हर राजनीतिक दल पर शक होता है। बहरहाल, पंचायत चुनावों को लेकर हम किसकी बात पर भरोसा करें। क्या तपोवन बता पाएगा कि हमारा 'मत' सब पर भारी है। क्या तपोवन बता पाएगा कि ऊना में कानून की बाहों से खून क्यों निकल आया। तपोवन के बाहर कितने ही असली सवाल दस्तक देंगे, लेकिन क्या सदन के भीतर, हर उफान से अब हिमाचली बच पाएगा।

पूरी सरकार को शिमला से उतरकर नीचे आना पड़ता है, इसलिए तपोवन का सत्र एक मुकदमा है। यहां तारीखें और तरीके एक साथ बदल जाते हैं, तपती दोपहरी में ठंड के आसार बदल जाते हैं। इसे व्यर्थ मानें या अनावश्यक खर्च, लेकिन साढ़े सात सौ के करीब सवाल अगर किसी सत्र की आवाज बनते हैं, तो यह आगाज अच्छा है। इस बार पहले से लंबा सत्र तो है, लेकिन यह व्यापक बनता है तो मसले प्रदेश की छाती पर मूंग नहीं दल पाएंगे। सत्र पर कांग्रेस सरकार के तीसरे साल का टंकन स्पष्टता से सुनाई दे रहा है, तो विपक्ष की तैयारी का मकसद भी सुना जाएगा। इसलिए सदन के बाहर भी शोर होगा, जब बुजुर्ग पेंशनर्स अपना हक मांगेंगे, किसान गुस्से का हल जोतेंगे या कोई कर्मचारी वर्ग सरकार के कानों में कुछ कहना चाहेगा। विपक्ष की भूमिका में प्रश्नों की लंबी फेहरिस्त और आंखों में सियासी गुस्सा लिए भाजपा ने अपना प्रदर्शन सत्र के सांचे में ढाल लिया है। जाहिर है तपोवन में कुछ तो बर्फ पिघलनी चाहिए, शिमला से दूर हिमाचल की हवा मिलनी चाहिए। बात यह कि शिमला से कितना हिमाचल और यह भी कि हिमाचल से शिमला कैसे। यह मुआयना वीरभद्र सिंह ने शुरू किया और यही हस्ताक्षर तपोवन परिसर के वातावरण में मिलते हैं। वीरभद्र सिंह शिमला से कई काफिले यहां लाए और शीतकालीन प्रवास से विधानसभा के शीतकालीन सत्र अनिवार्यता की सूची में शामिल हो गया। वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी मापे हैं कई समुद्र, इसलिए सत्र की नाव में सरकार का अपना यात्रा वृतांत रहेगा। वाकई तपोवन इक छोर है, गवाहियों का दौर है।

भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही

भारतीय परम्पराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

प्रह्लाद सबनानी

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि "प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय", यह भारतीय विचारधारा है। भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर "कुछ मीठा हो जाए" जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर

भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है।

कि, "दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं"; "होली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बर्बादी की जाती है"; "महाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बर्बादी की जाती है"; "माई बॉडी माई चोईस"; "हमको भारत में रहने में डर लगता है"; आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं। भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच, ननद देवरानी के बीच, दो बहिनों के बीच, पड़ोसियों के बीच, छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है, ताकि भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को बढ़ावा मिल सके। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। अब हम समस्त भारतीय नागरिकों को वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा फैलाए जा रहे उक्त वर्णित जाल में नहीं फंसते हुए, हमारे अपने भारतीय व्यंजनों का भरपूर आनंद उठाते हुए अपनी भारतीय परम्पराओं का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। हमें अपने जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करना चाहिए चाहे वह तुलनात्मक रूप से थोड़ा महंगा ही क्यों न हो। उदाहरण के तौर पर हमारे जीवन में रोजाना उपयोग होने वाले कुछ उत्पादों के नाम यहां पर दिए जा सकते हैं, जिनका उत्पादन सदियों से भारत में ही पर्याप्त मात्रा में होता चला आया है। केवल और केवल भारतीय कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग एवं विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली जानी चाहिए। जैसे, नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, सौंदर्य प्रसाधन औषधियां, टुथथपेस्ट दंतमंजन टुथब्रश, दाढ़ी का साबुन ब्लेड्स रेजर, बिस्किट चाकलेट दुग्ध उत्पाद ब्रेड, चाय काफी, शीतपेय शरबत चटनी अचार मुरब्बा, आइसक्रीम खाद्यतेल खाद्य पदार्थ, विद्युत उपकरण गृहोपयोगी वस्तु घड़ियां, लेखन सामग्री, जूते चप्पल पोलिश, तैयार कपड़े, कम्प्यूटर लैपटॉप एवं उपकरण, टेलिकॉम उपकरण, बाम और मरहम, दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, स्वचालित वाहन एवं मोबाइल फोन आदि। जब भी बाजार जाएंगे, सामान स्वदेशी ही लाएंगे जैसे तथ्यों को आत्मसात करना चाहिए। इससे न केवल चीन बल्कि अमेरिका को भी संदेश जाएगा कि भारत अब कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो चुका है तथा वैश्विक स्तर पर भारत अब इनके दबाव में आने वाला नहीं है।

देश दुनिया से

भारतीय संस्कृति में निहित कर्तव्यबोध की अभिव्यक्ति

छब्बीस नवंबर का दिन भारतीय गणतंत्र के इतिहास में केवल संविधान अंगीकरण का उत्सव भर नहीं है, यह उन मूलभूत मूल्यों के पुनर्स्मरण का अवसर भी है, जिन पर हमारे लोकतंत्र की आत्मा टिकी हुई है। भारतीय संविधान केवल विधिक प्रावधानों का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि एक नैतिक संकल्प है... एक ऐसी मूल्य-व्यवस्था का घोषणापत्र है जो देश, समाज और व्यक्ति के संबंधों को संतुलन, न्याय और कर्तव्य के ढांचे में देखती है। इसी संदर्भ में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि श्रीमद्भगवद्गीता भारतीय संविधान की नैतिक चेतना का आधार-स्तंभ है। गीता का यह प्रभाव प्रत्यक्ष नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक स्तर पर है। वह भारतीय मानस में सदियों से प्रवाहित उस दृष्टि का संहिताबद्ध रूप है, जिसने संविधान निर्माताओं की मूल्य-चेतना को आकार दिया। संविधान की प्रस्तावना में 'न्याय', 'स्वतंत्रता', 'समानता' और 'बंधुत्व' जैसे शब्द केवल विधिक संकल्प नहीं हैं, बल्कि नैतिक मूल्यों का दार्शनिक प्रतिपादन हैं। यह मूल्य किसी बाहरी प्रभाव से नहीं आए, वे भारतीय परंपरा की लंबी साधना में विकसित हुए हैं। संविधान सभा की चर्चाओं में कई सदस्यों ने बार-बार यह रेखांकित किया कि संविधान की आत्मा को समझने के लिए भारतीय संस्कृति के मूल में निहित 'कर्तव्य-बोध' को देखना आवश्यक है। गीता का यह विशिष्ट योगदान है कि वह 'कर्तव्य' को किसी पुरस्कार, निजी-लाभ या भावनात्मक दबाव से ऊपर रखकर उसे समाज के प्रति उत्तरदायित्व के रूप में स्थापित करती है। यही दृष्टि आगे चलकर संविधान के 'भाग-4क' में नागरिकों के मूलभूत कर्तव्यों के रूप में प्रकट होती है। यद्यपि नागरिकों के मूलभूत कर्तव्यों को संविधान के बयालीसवें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा बाद में जोड़ा गया था तथा इसे 3 जनवरी 1977 से लागू किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अधिकांश स्वतंत्रता सेनानियों ने नैतिक राजनीति का जो प्रतिमान स्थापित किया था उसका केंद्र-बिंदु कर्तव्य, आत्मानुशासन व लोककल्याण था और वह गीता-दृष्टि से ही अनुप्राणित था। यहां ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बात यह है कि यही नैतिक विचार संविधान सभा के अधिकतर सदस्यों का भी मार्गदर्शन करता था। जब संविधान में मूलभूत कर्तव्यों को शामिल किया गया, तो उसके पीछे यही भारतीय दृष्टि थी कि अधिकार और कर्तव्य परस्पर पूरक हैं। गीता में यह नैतिक आग्रह स्पष्ट दिखाई देता है कि बिना कर्तव्य-पालन के कोई व्यवस्था स्थिर नहीं रह सकती। संविधान भी यही संदेश देता है कि नागरिक के अधिकार उसकी कर्तव्य-निष्ठा से सशक्त होते हैं, कमज़ोर नहीं। भारतीय संवैधानिक लोकतंत्र के शासन का आधार केवल अधिकारों की बहुलता नहीं है, बल्कि संतुलन की व्यवस्था है। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की त्रि-संरचना संतुलन और विवेक पर आधारित है। गीता में जो जीवन-दृष्टि मिलती है, वह अतिरेक व अतिवाद से बचने और मध्यमार्गीय बुद्धि को अपनाने की शिक्षा देती है। संविधान में 'युक्तियुक्त विवेक', 'नैतिकता', 'सार्वजनिक व्यवस्था', 'विवेकपूर्ण संतुलन' जैसे सिद्धांत इसी नैतिक परंपरा से प्रेरित जान पड़ते हैं। यह दृष्टि भारतीय संविधान को केवल कानूनी दस्तावेज़ नहीं रहने देती, बल्कि उसे मूल्य-निष्ठ शासन की आधारशिला बनाती है। भारतीय परंपरा में समाज के कमजोर, पीड़ित, वंचित और हाशिए पर खड़े व्यक्ति की सुरक्षा का दायित्व हमेशा से शासन पर रहा है। गीता में वर्णित दृष्टि यह मानती है कि समाज का वास्तविक धर्म वही है जो दुर्बलों की रक्षा करे, न्याय को प्राथमिकता दे और जीवन में संतुलन स्थापित करे। संविधान का उद्देश्य भी यही है कि ऐसा समाज बनाया जाये जिसमें व्यक्ति की गरिमा सर्वोपरि हो और राज्य लोककल्याण को अपना कर्तव्य समझे। संविधान न केवल नागरिकों को, बल्कि शासन-तंत्र को भी उत्तरदायित्व और पारदर्शिता का पाठ पढ़ाता है। शासन का लक्ष्य 'सेवा' है। गीता के अनुसार भी नेतृत्व वह है जो दूसरों के लिए आदर्श प्रस्तुत करे, समाज की भलाई को प्राथमिकता दे और निर्णयों में निष्पक्षता बनाए रखे। यही नेतृत्व-दृष्टि भारतीय लोकतंत्र को स्वस्थ और जीवंत बनाती है। जब एक प्रशासक, न्यायाधीश, विधिनिर्माता या जनप्रतिनिधि इस नैतिक दृष्टि को अपनाता है, तो संविधान की आत्मा कार्यान्वित होती है और जब यह दृष्टि खो जाती है, तो संवैधानिक संस्थाएं केवल औपचारिक संरचनाएं बनकर रह जाती हैं। अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व, स्वतंत्रता के साथ संयम और विविधता के

साथ सहिष्णुता... ये सभी संविधान की उसी नैतिक परंपरा से निकले हैं, जिसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि गीता ने दी है। जब समाज इस चेतना को भूलता है, तो कानून की संख्या बढ़ती है, किंतु व्यवस्था कमजोर हो जाती है। आज संविधान दिवस आत्ममंथन का अवसर है... क्या हम संविधान की उस नैतिक दृष्टि के अनुरूप चल रहे हैं जिसने हमें दुनिया का सबसे जीवंत लोकतंत्र बनाया? क्या हम अधिकार मांगते समय अपने कर्तव्यों को भी याद रखते हैं? क्या प्रशासन और राजनीति पारदर्शिता और सेवा की भावना पर चल रही है? क्या हम समानता, न्याय और सह-अस्तित्व को प्राथमिकता देते हैं? इन प्रश्नों का उत्तर हमें बताता है कि संविधान कितनी गहराई से हमारे दैनिक जीवन से जुड़ा है।

आप का नजरिया

'ही मैन' दिवंगत नहीं

आम आदमी का सुपर स्टार, खूबसूरती का प्रतीक, यूनानी देवता-सा, दिलीप कुमार का 'ही मैन', शबाना आजमी का 'बहुमूल्य मर्द', जिंदा दिल इनसान, दयालु, ईमानदार, मिलनसार और मददगार आत्मा का प्राणी...ऐसे शख्स का अंत कैसे हो सकता है? वह दिवंगत कैसे हो सकता है? उसके कला-युग का अध्याय समाप्त कैसे माना जा सकता है? बेशक धर्मेन्द्र का पार्थिव शरीर अब हमारे बीच टहलता-घूमता दिखाई न दे, लेकिन 300 से अधिक फिल्मों में उन्होंने जो किरदार निभाए हैं, वे तो अजर, अमर, अनंत हैं। उन्हें दिवंगत कौन और कैसे कर सकता है? धर्मेन्द्र उस दौर में फिल्मों में आए, जब दिलीप कुमार, राजकपूर, देवानंद, राजकुमार आदि अभिनेताओं का वर्चस्व था। लोग उनके अभिनय के कायल थे। वे जीवंत कथानक थे, जिनके इर्द-गिर्द फिल्में बुनी जाती थीं। धरम जी ने उनके बीच 'बंदिनी', 'सत्यकाम', 'अनुपमा', 'फूल और पत्थर' सरीखी फिल्मों के जरिए अपना स्थान बनाया। धर्मेन्द्र को नाचना नहीं आता था अथवा यूं कहा जाए कि उनके नृत्य की शैली और अंदाज निराले थे। लगभग अमिताभ बच्चन की तर्ज पर...! देश के आम आदमी और दर्शक ने उसी रूप में धर्मेन्द्र को स्वीकार किया, मान्यता दी और सुपर स्टार बनाया। राजेश खन्ना बॉलीवुड के प्रथम सुपर स्टार घोषित किए गए। धर्मेन्द्र तब भी प्रासंगिक बने रहे। छह दशकों से लंबे करियर में उन्होंने 32 फिल्में स्वर्ण जयंती और 107 फिल्में रजत जयंती वाली दीं। यानी एक साथ 25 और 50 सप्ताह फिल्म, एक ही थियेटर में, चला करती थी। आज वह चलन और स्थायित्व लगभग समाप्त हो चुका है। अमिताभ बच्चन के 'यंग एंग्रीमैन' का जादू सिने दर्शकों पर छाने लगा था, तो वह 'सदी के महानायक' बन गए, लेकिन आम आदमी और दर्शकों के महानायक, सही मायनों में, धर्मेन्द्र ही बने रहे। उनके अभिनय और किरदारों के आयाम इतने व्यापक और विविध थे कि क्या ऐसा कलाकार कभी दिवंगत हो सकता है? धर्मेन्द्र ने परदे पर 10-15 गुंडों की एक साथ धुनाई की, तो वह यथार्थ लगा। दर्शक को एहसास होता था कि 'ही मैन' ऐसी पिटाई कर सकता है। उन्होंने संजीदा भूमिकाएं भी निभाईं और आंखों में आंसू भी दिखे। वह आशिक मिजाज भी थे, लिहाजा उनके रोमांटिक किरदार भी प्रेम करते लगते थे। धरम जी कई बार 'इंडियन आइडल' के मंच पर आए। उस दौरान उनका शायराना किरदार भी सामने आया। धर्मेन्द्र की कॉमेडी बड़ी सहज, सरल, गुदगुदा देने वाली होती थी। इस संदर्भ में कोई भी ऋषिकेश दा' की फिल्म 'चुपके-चुपके' के परिमल त्रिपाठी को भूल नहीं सकता। यकीनन धर्मेन्द्र का फिल्मी करियर बहुआयामी था। क्या ऐसा व्यक्तित्व दिवंगत हो सकता है? मानव शरीर क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा इन पंचतत्त्वों का बना है। उनका दाह-संस्कार कर दिया गया, लेकिन एक कलाकार की कला के जो साक्ष्य आज भी हमारे साथ हैं, वह कैसे मर सकता है? जिस तरह वह पंजाब के एक छोटे-से गांव से आकर बॉलीवुड में स्थापित हुए थे और एक युग के रचनाकार बन गए थे, उसी तरह धर्मेन्द्र युवा पीढ़ी के पंजाबियों के सपनों को बखूबी जानते थे, लिहाजा उनका घर उन स्वप्नजीवियों का भी 'मिनी पंजाब' होता था। एक महानगर में एक छत, आवास, खान-पान और सोने को बिस्तर धरम जी ने न जाने कितनों को मुहैया कराए। वे संघर्ष के दौर के बाद अभिनेता भी बने, लेकिन धरम जी घर के बुजुर्ग की छाया सरीखे बने रहे। निश्चित रूप से वह किसी भी तरह के अहंकार से परे, सिर्फ मानवीय थे। बेशक आज वह पार्थिव तौर पर दिवंगत हो चुके हैं, लेकिन आज हमें गम नहीं करना चाहिए। यह उत्सव, समारोह का समय है। धरम जी ने 89 लंबे सालों की भरी-पूरी जिंदगी जी। भरा-पूरा परिवार है। एक अविस्मरणीय विरासत है, लेकिन उन चेहरों पर, उनके विवेक पर, कोफ्त होती है, जिन्होंने धर्मेन्द्र को 'दादा साहब फाल्के सम्मान' के लायक नहीं समझा। यह फिल्मी सर्वोच्च सम्मान उन्हें 10-15 साल पहले ही मिल जाना चाहिए था। उन्हें किसी भी किरदार के लिए 'फिल्म फेयर अवार्ड' भी नहीं दिया गया। अलबत्ता 'जीवन भर की उपलब्धियों के लिए फिल्म फेयर अवार्ड' जरूर दिया गया। धरम जी को क्या फर्क पड़ता था। उनके सम्मान तो करोड़ों दर्शक थे। बहरहाल, उन्हें श्रद्धांजलि।

देश के आम आदमी और दर्शक ने उसी रूप में धर्मेन्द्र को स्वीकार किया, मान्यता दी और सुपर स्टार बनाया। राजेश खन्ना बॉलीवुड के प्रथम सुपर स्टार घोषित किए गए। धर्मेन्द्र तब भी प्रासंगिक बने रहे। छह दशकों से लंबे करियर में उन्होंने 32 फिल्में स्वर्ण जयंती और 107 फिल्में रजत जयंती वाली दीं। यानी एक साथ 25 और 50 सप्ताह फिल्म, एक ही थियेटर में, चला करती थी। आज वह चलन और स्थायित्व लगभग समाप्त हो चुका है। अमिताभ बच्चन के 'यंग एंग्रीमैन' का जादू सिने दर्शकों पर छाने लगा था, तो वह 'सदी के महानायक' बन गए, लेकिन आम आदमी और दर्शकों के महानायक, सही मायनों में, धर्मेन्द्र ही बने रहे। उनके अभिनय और किरदारों के आयाम इतने व्यापक और विविध थे कि क्या ऐसा कलाकार कभी दिवंगत हो सकता है? धर्मेन्द्र ने परदे पर 10-15 गुंडों की एक साथ धुनाई की, तो वह यथार्थ लगा। दर्शक को एहसास होता था कि 'ही मैन' ऐसी पिटाई कर सकता है। उन्होंने संजीदा भूमिकाएं भी निभाईं और आंखों में आंसू भी दिखे। वह आशिक मिजाज भी थे, लिहाजा उनके रोमांटिक किरदार भी प्रेम करते लगते थे। धरम जी कई बार 'इंडियन आइडल' के मंच पर आए। उस दौरान उनका शायराना किरदार भी सामने आया। धर्मेन्द्र की कॉमेडी बड़ी सहज, सरल, गुदगुदा देने वाली होती थी।

कुछ अलग

मेरे शोक संदेशियों को खुशखबरी

कुछ दिन पूर्व मेरे स्वर्ग सिधारने की सोशल मीडिया पर झूठी खबर जारी होने के बाद भी मेरी आत्मा की शांति की भगवान से प्रार्थना करने वाले दिग्गजों से लेकर दिग्गधों, अपने परिचित, अपरिचित शुभचिंतकों को सूचित करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि मैं एक्चुअलि अब स्वर्ग सिधार गया हूं। इसे अबकी बार सोशल मीडिया की झूठी खबर न मान मेरी ओर से मेरे मरने की अधिकृत खबर माना जाए। अजब समाज है ये मेरा भी! यहां किसी को जिंदा जी दुआएं देने को किसी के हाथ बीसियों बार ऊपर उठाने के बाद भी न जाने क्यों नीचे ही गिरते रहते हैं? पर किसी के मरने की झूठी खबर सुनते ही फेसबुक पर आरआईपी लिखने को कटे हाथों में भी दैवीय शक्ति पता नहीं कहां से आ जाती है? मेरे कुछ मित्र मुस्कुराते हुए कह रहे हैं कि मेरे मरने के साथ ही उटपटांग लिखने बकने का एक युग खत्म हो गया। कि मैं उटपटांग लिखने, बकने को मरने के बाद भी युगों तक जाना जाता रहूंगा। कि मैं गजब का गंदादिल इनसान था। कि मैं सारी उम्र गंदगी में बिना किसी की परवाह किए बगैर शान से जिया। कि मेरे मरने के बाद मेरे घरवालों को जो अपूर्णीय क्षति हुई है, भगवान उसकी भरपाई शीघ्र करें और उन्हें मेरे मरने के दुःख को सहन करने की असीम शक्ति दें, आदि आदि! सच कहूं तो आज की तारीख में किसी के मरने का दुःख मरने वाले के सिवाय और किसी को नहीं होता। उसको दुःख इसलिए होता है कि जब तक वह इस आदर्शवादी समाज को समझने के लायक हुआ, मर गया। बंदे के मरने के दूसरे ही दिन उसका उठाला होने से पहले उसके डियररों नियररों द्वारा उसके बैंक खातों की पासबुकों की तलाश शुरू हो जाती है।

दृष्टि कोण

भर गये सदियों के घाव, आस्था का हो रहा विजयगान, केसरिया ध्वज लहराते ही नया युग शुरू

आज अयोध्या की धरती पर एक ऐसा क्षण उत्पन्न हुआ जो केवल ईंट-पत्थर और वास्तुकला का नहीं, बल्कि पीढ़ियों की आस्था, अनवरत संकल्प और सामूहिक स्मृति का साक्षी बना। जब केसरिया धर्मध्वज गर्व से श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर लहरा उठा, तो वह केवल एक ध्वज नहीं था— वह सैकड़ों वर्ष के अरसे से बँधी हुई वेदना का, अटूट विश्वास का और उन अनगिनत लोगों के संघर्ष का प्रतीक बन गया जो इस पवित्र भूमि को पुनः उसकी गरिमा प्रदान करने के लिये अग्रसर थे। विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त पर, वैदिक मंत्रों की गूँज और 'जय श्रीराम' के उद्घोष के बीच जो आराधना हुई, वह व्यक्तिगत श्रद्धा से ऊपर उठकर राष्ट्र के सांस्कृतिक स्मरण का साझा अनुष्ठान बन गई। मंदिर के चारों ओर निर्मित परकोटे की शिल्पकला, मुख्य मंदिर की दीवारों पर उकेरे गए 87 प्रसंग और कॉपर-शिल्प की 79 समृद्ध झांकियाँ, यह सब केवल स्थापत्य कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि रामकथा के विविध आयामों का मूर्त रूप हैं जो हमारी परंपरा की बहुरंगी विविधता को दर्शाते हैं। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहा; यह उन अनेकों साधना-यात्रियों, संतों, पुरोहितों, शिल्पकारों, वास्तुकारों, अनुगामियों, श्रमिकों और दानदाताओं की कहानियों का संगम रहा जिनकी तपस्या और त्याग भारत के इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं। जिन लोगों ने वर्षों, दशकों तक अपनी ऊर्जा समर्पित की, वह आज जहां भी रहे हों, उनके मन में आज निश्चित रूप से आत्म-संतोष का भाव रहा होगा। साधु-संतों की भक्ति-भाषाएँ, श्रद्धालुओं की भीड़ और नगरवासियों की आतिथ्य-भावना ने भी यह प्रमाणित किया कि आस्था और सामूहिक विश्वास किस तरह किसी स्थान की आत्मा को पुनर्जीवित कर सकते हैं। नया ध्वजारोहण केवल अतीत का जश्न नहीं है; यह भविष्य की दिशा का संकेत भी है। आज की अयोध्या, जहाँ प्राचीन रामकथा और आधुनिक योजनाओं का अप्रत्याशित संगम दिख रहा है, वह इस बात का उदाहरण है कि विरासत और विकास साथ-साथ फल-फूल सकते हैं। महर्षि

वाल्मीकि हवाई अड्डे से लेकर आधुनिकीकरण किए गए रेलवे टर्मिनलों, रामपथ और भक्ति-पथ तक, ये सब उस दृष्टि का हिस्सा हैं जो तीर्थ को वैश्विक रूप से सुलभ, सुरक्षित और आदर्श-आधारित बनाने की कल्पना करती है। इस पवित्र क्षण पर, हमें उन अनगिनत नामरहित कर्मयोगियों को भी याद करना चाहिए जिनका श्रम बिना किसी प्रचार-प्रसार के मंदिर निर्माण को साकार करने में सहायक रहा। वे श्रमिक जिनके हाथों ने पत्थरों को संवारा; वे शिल्पकार जिनकी कला ने कथानक को जीवन दिया; वे पुरोहित, संत और पंडित जिनके अनुष्ठानिक ज्ञान ने मार्ग दिखाया; और वे स्वयं सेवक व आयोजक जिनकी रात-दिन की मेहनत ने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की, इन सबका आभार केवल शब्दों में सीमित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही राम मंदिर आंदोलन के नेतृत्वकर्ताओं, भागीदारों तथा श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता के बिना आज के इस दिन की कल्पना करना संभव नहीं था। आज, उन समुदायों और परिवारों का भी अभिवादन आवश्यक है जो शांतिपूर्ण और संयत भाव से इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बने रहे। भीड़ के उत्साह में जो संयम और अनुशासन दिखा, वह सामाजिक सहिष्णुता और साझा गर्व का प्रतीक था। संतों के भावपूर्ण शब्दों ने इस क्षण को दैवीयता का अनुभाव बना दिया और भक्तों की आशा-आभा ने यह संकेत दिया कि यह भूमि अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है— जहाँ आध्यात्मिकता और सामाजिक विकास साथ-साथ आगे बढ़ने का वादा करते हैं।

नेपाल : रामकलेवा के साथ सीता-राम विवाह पंचमी महोत्सव का समापन

काठमांडू, 26 नवंबर (एजेंसियां)। सप्ताह भर चलने वाले सीता-राम विवाह पंचमी महोत्सव के अंतिम दिन रामकलेवा आयोजन किया जा रहा है।

परंपरा के अनुसार बाराती के रूप में आए साधु-संतों को 56 प्रकार के मिष्ठान्न एवं व्यंजनों का भोजन करा कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी जाती है, जिसे रामकलेवा कहा जाता है। भारत से आए अतिथियों की विदाई के उपरांत विवाह पंचमी महोत्सव औपचारिक रूप से सम्पन्न होगा।

बालरूप में प्रतीकात्मक रूप से राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के साथ साधु-संतों को दान-दक्षिणा सहित विदाई देने के पश्चात महोत्सव का विधिवत समापन किया जाएगा।

इससे पूर्व मंगलवार को राम और सीता के वैवाहिक अनुष्ठानों के बाद रातभर जानकी मंदिर परिसर में विवाह समारोह चलता रहा। विवाह पंचमी के मुख्य दिन जानकी मंदिर से माता सीता की डोली और राम मंदिर से भगवान राम की डोली निकालकर ऐतिहासिक रंगभूमि मैदान में पारंपरिक विधि के अनुसार परिक्रमा एवं स्वयंवर सम्पन्न कराया गया।

डोली शोभायात्रा के साथ लाखों श्रद्धालु जनकपुर नगर परिक्रमा में शामिल हुए। स्वयंवर के दौरान हेलिकॉप्टर से पुष्पवृष्टि भी की गई। इसके अतिरिक्त जानकी मंदिर और राम मंदिर में विराजित भगवान की मालाओं का एक-दूसरे में अदला-बदली कर नगर परिक्रमा की गई, जिसमें भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

सप्ताहव्यापी विवाह पंचमी महोत्सव क्रमशः- पहले दिन नगरदर्शन, दूसरे दिन फूलबारी लीला, तीसरे दिन धनुष यज्ञ, चौथे दिन तिलकोत्सव, पांचवें दिन मटकोर और छठे दिन विवाह पंचमी के रूप में समारोहपूर्वक मनाया गया। त्रेता युग में मंसिर शुक्ल पंचमी तिथि पर भगवान श्रीराम और माता सीता के दिव्य विवाह की स्मृति में जनकपुरधाम में यह भव्य महोत्सव प्रतिवर्ष श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश की राजधानी ढाका की कोरेल झुग्गी बस्ती में शाम पांच बजे लगी आग रात दस बजे बुझ पाई

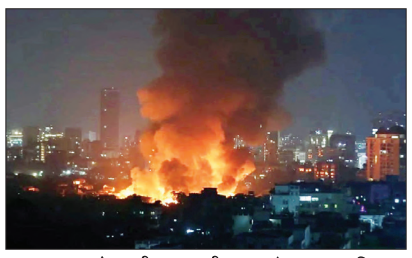

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के दमकल विभाग को सोमवार को कोरेल झुग्गी-झोपड़ी बस्ती में लगी आग को बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आग की लपटों पर नियंत्रण पाने पानी की कमी न आए, इसके लिए पाइप को कोरेल झील तक पहुंचाया गया। दमकल विभाग की 20 गाड़ियों की मदद से शाम पांच बजे से जूझ रहे दमकल कर्मचारियों को रात करीब 10 बजे आशंकि रूप से आग बुझाने में सफलता मिल पाई। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि आग को पूरी तरह बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ढाका दमकल विभाग के कार्यवाहक प्रवक्ता शाहजहां शिकदर ने पुष्टि की कि झुग्गी बस्ती में आग मंगलवार शाम लगभग पांच बजे लगी। एक-एक कर 20 गाड़ियों को भेजा गया। रात लगभग 10 :35 बजे आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण और कितना नुकसान हुआ है, इसका अभी पता नहीं चल पाया। इससे पहले, शाम करीब 5 :30 बजे, फायर सर्विस ने एक बयान जारी कर कोरेल झुग्गी-झोपड़ी में आग लगने की पुष्टि की। दमकल विभाग के शीर्ष अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि रास्ता संकरा होने के कारण दमकल विभाग की गाड़ियों को आग के केंद्र तक पहुंचने में काफी मुश्किल आई। पहली गाड़ी को पहुंचने में 30 -35 मिनट लग गए। पुलिस की मदद से तमाशबीनों को हटाया गया।

श्रीलंका में अगली सूचना तक बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने की सभी तरह की गतिविधि पर प्रतिबंध

कोलंबो। श्रीलंका के मत्स्य पालन और जलीय संसाधन विभाग ने कुछ देर पहले खराब मौसम की वजह से अगली सूचना तक बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने की सभी तरह की गतिविधि पर प्रतिबंध लगा दिया। विभाग ने घोषणा की कि यह प्रतिबंध अगली सूचना तक प्रभावी होंगे। मत्स्य पालन और जलीय संसाधन विभाग ने प्रतिबंध घोषणा में सलाह भी जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने समुद्र में मौजूद सभी मछली पकड़ने वाले जहाजों को तत्काल सुरक्षित लौटने की सलाह दी है। मछुआरों और समुद्री ऑपरेटरों को मौसम एवं विज्ञान विभाग के अपडेट और रेडियो सलाह पर करीब से नजर रखने को कहा गया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि 25 नवंबर की आधी रात से श्रीलंका के दक्षिण में बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में एक कम दबाव वाले क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। कोलंबो के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान विभाग ने संकेत दिया है कि यह कम दबाव वाला क्षेत्र अगले 30 घंटों में डिप्रेशन में बदल सकता है। ऐसा होने पर खतरनाक स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है। सनद रहे, कम दबाव वाले क्षेत्र में बनने वाले डिप्रेशन को चक्रवात कहते हैं। चक्रवात के समय अचानक हवा ऊपर उठती है, जिससे बादल बनते हैं और मौसम तेजी से बिगड़ जाता है। तेज हवा के साथ भारी बरसात शुरू हो जाती है। हवा की अधिकतम गति 31 से 61 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है।

बांग्लादेश में खंगाले गए शेख हसीना के बैंक लॉकर, 9.704 किलोग्राम स्वर्ण आभूषण मिले

ढाका। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 के अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा

का फैसला सुनाने के बाद अंतरिम सरकार ने उनकी चल-अचल संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की है। नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल ने मोतीझील में अग्रणी बैंक की प्रमुख शाखा में शेख हसीना के नाम पर पंजीकृत दो लॉकर्स से 832.51 भोरी सोने (9.704 किलोग्राम) के गहने बरामद किए हैं। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल के अधिकारियों ने सोमवार को यह कार्रवाई की। इसके विवरण में बताया गया कि अधिकारियों ने नियमानुसार लॉकर नंबर 751 और 753 को खोला। इन लॉकर्स से स्वर्ण आभूषणों के अलावा देश-विदेश से मिले अवॉर्ड और तोहफे भी बरामद हुए हैं। हसीना के नाम पर पंजीकृत एक और लॉकर सोमवार को ही पुबाली बैंक में खोला गया। अधिकारियों ने कहा कि वहां कोई संपत्ति नहीं मिली। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में भोरी सोना मापने की पारंपरिक इकाई है।

पूर्वी एशिया में तनाव : योनागुनी पर मिसाइल तैनाती से चीन भड़का, ट्रंप का ताइवान पर दबाव बढ़ा

टोक्यो, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

जापान के दक्षिणी द्वीप योनागुनी पर मध्यम दूरी की सतह-से-हवा मिसाइल इकाई तैनाती की योजना तेज होने से पूर्वी एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और गहरा गया है। रविवार को जापानी रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ूमी ने ताइवान से मात्र 110 किलोमीटर दूर इस सैन्य अड्डे का दौरा किया और स्पष्ट कहा, 'यह तैनाती हमले की संभावना कम करेगी, बढ़ाएगी नहीं।' कोइज़ूमी का यह बयान चीन-जापान के बीच ताइवान विवाद पर बढ़ती कड़वाहट के बीच आया है, जहां अमेरिका भी ताइवान पर आर्थिक व सैन्य दबाव बना रहा है। जापान योनागुनी को अपनी दक्षिणी द्वीप श्रृंखला की रणनीतिक कड़ी मानता है, जो ताइवान जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

जापान ने पहले ही इशिगाकी द्वीप पर एंटी-शिप मिसाइलें और मियाको पर हवाई निगरानी प्रणाली तैनात कर दी है। कोइज़ूमी ने जोर देकर कहा कि जापान और अमेरिका को संयुक्त रूप से प्रतिरोध क्षमता मजबूत करनी होगी, क्योंकि 'द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह सबसे गंभीर सुरक्षा परिदृश्य है।' उन्होंने क्षेत्रीय तनाव बढ़ने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि मिसाइलें योनागुनी की रक्षा सुनिश्चित करेंगी। यह योजना 2016 से चली आ रही है, जब द्वीप पर सेल्फ-डिफेंस फोर्सेस का बेस स्थापित किया गया था, स्थानीय निवासियों के शुरुआती विरोध के बावजूद।चीन की नाराजगी क्यों बढ़ी जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने हाल ही में कहा था कि ताइवान पर चीनी हमले की स्थिति में जापान अन्य देशों के साथ सैन्य कार्रवाई में शामिल हो सकता है। चीन ने इसे 'उकसावे वाला' बयान बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार को कहा, 'यह मिसाइल तैनाती क्षेत्रीय तनाव पैदा करने और सैन्य टकराव भड़काने की जानबूझकर कोशिश है। ताकाइची के गलत बयानों के साथ मिलकर यह बेहद खतरनाक प्रवृत्ति है।' बीजिंग ने जापान पर 'दकियानूसी सोच' का आरोप लगाते हुए आर्थिक दबाव बढ़ाया है, जैसे जापानी सीफूड पर प्रतिबंध। ताइवान ने जापान का खुलकर समर्थन किया। उप विदेश मंत्री फ्रांसिस वू ने कहा, 'जापान संप्रभु राष्ट्र है और अपनी सुरक्षा के लिए कदम उठा सकता है। यह ताइवान जलडमरूमध्य में स्थिरता बनाए रखेगा।' जापानी मीडिया के अनुसार, कुछ स्थानीय निवासी तैनाती से चिंतित हैं, क्योंकि यह उन्हें भू-राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में ला सकता है।

ताइवान पर अमेरिका का नया दबाव। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ताइवान पर चिप्स, टैरिफ और रक्षा बजट के मुद्दों पर कड़ा दबाव डाल रहे हैं। ट्रंप चाहते हैं कि ताइवान अपनी सेमीकंडक्टर उत्पादन का 50 प्रतिशत अमेरिका स्थानांतरित करे, जिसे ताइवान 'अव्यावहारिक' बता रहा है। ताइवान के पास विश्व का सबसे उन्नत चिप इकोसिस्टम है, जबकि अमेरिका में पूरी इंडस्ट्री विकसित नहीं हुई। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इतना बड़ा शिफ्ट एक दशक से अधिक ले सकता है। अप्रैल 2025 में ट्रंप ने ताइवान पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगाए, जो जापान व दक्षिण कोरिया जैसे सहयोगियों से अधिक है। अगस्त में इसे 20 प्रतिशत तक कम किया गया, लेकिन स्टील-एल्यूमिनियम पर 50 प्रतिशत टैरिफ बरकरार हैं। ताइवान के उद्योगपति चिंतित हैं कि टेक्सटाइल, मशीन टूल्स और साइकिल जैसे क्षेत्र प्रभावित होंगे।

ट्रंप के शांति प्रस्ताव पर यूक्रेन सहमत, रूस का इंतजार : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, 26 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के यूक्रेन और रूस के बीच छिड़े युद्ध को रोकने की कोशिश रंग लाती दिख रही है। अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन सरकार ट्रंप की मध्यस्थता में उनके शांति प्रस्ताव को लेकर होने वाले समझौते को स्वीकार करने पर सहमत हो गई है। उसे कुछ मुद्दों पर मामूली असहमति थी, जिन्हें सुलझा लिया गया है। उम्मीद है कि रूस भी समझौते पर हस्ताक्षर करने पर तैयार हो जाएगा। फिलहाल रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के जवाब का इंतजार किया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारी और यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रुस्तम उमरोव ने कहा कि प्रस्ताव पर आम सहमति बन गई है। उमरोव ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की नवंबर के आखिर से पहले अमेरिका पहुंच सकते हैं। बताया गया है कि अमेरिका के रक्षा सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने रूसी अधिकारियों से अबू धाबी में मुलाकात की है। इसके बाद मंगलवार दोपहर ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि 'असहमति के कुछ ही मुद्दे बचे हैं।' उन्होंने कहा कि दूत स्टीव विटकॉफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने मास्को जाएंगे।

उन्होंने कहा कि वह अब जेलेंस्की और पुतिन से एक मेज पर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। उप राष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश सचिव मार्को रुबियो, युद्ध सचिव पीट हेगसेथ और व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सूजी विल्स भी इस शांति पर दोनों पक्षों से सीधे संपर्क में हैं। बुधवार को पुतिन के विदेशी मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने रूस के पत्रकार पावेल जारुबिन से कहा कि विटकॉफ प्रतिनिधिमंडल के साथ इस माह आखिर तक मास्को आएंगे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार सुबह एक्स पर लिखा कि पिछले हफ्ते अमेरिका ने यूक्रेन और रूस दोनों को बातचीत की मेज पर लाकर शांति समझौते की दिशा में जबरदस्त तरक्की की है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मंगलवार को अमेरिका की तारीफ की। रूस हस्ताक्षर होने के बाद ही संपूर्ण शांति समझौते को मीडिया के सामने रखेगा। उम्मीद है कि नए शांति समझौते में ट्रंप ने अगस्त में हुई अलास्का वार्ता की मर्यादा का ध्यान रखा होगा। ट्रंप की नई योजना के मुख्य प्रस्ताव एंकरेज में बनी समझ पर आधारित हैं।

चीन ने फिलिस्तीन के लोगों को अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की अग्रिम बधाई दी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने फिलिस्तीन के लोगों को अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस (इंटरनेशनल सॉलिडैरिटी डे) की अग्रिम की बधाई दी। संयुक्त राष्ट्र में हर साल 29 नवंबर को फिलिस्तीन के नागरिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस मनाने की परंपरा है। शी ने मंगलवार को अपना बधाई संदेश संयुक्त राष्ट्र की बैठक के लिए भेजा है। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट में बताया गया है कि शी ने बधाई संदेश ने कहा कि फिलिस्तीन का मुद्दा मध्य पूर्व संकट के दिल में है। क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए फिलिस्तीन के मुद्दे को निष्पक्षता के साथ सुलझाने की जरूर है। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा हालात में वैश्विक समुदाय को आम सहमति बनानी चाहिए। गाजा में स्थायी संघर्ष विराम की जरूरत है। शी ने कहा कि वह 'फिलिस्तीन पर फिलिस्तीनी राज करें' के सिद्धांत के समर्थक हैं। उन्होंने गाजा में मानवीय हालात को तेजी से सुधारने और फिलिस्तीनी लोगों की तकलीफ कम करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी बात यह है कि फिलिस्तीनी मुद्दे के जल्द राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देने के लिए दो-राज्य समाधान की कोशिशों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होने के नाते चीन सदैव फिलिस्तीनी लोगों की मांग का समर्थन करता रहेगा।

पाकिस्तान की आबादी में तेजी से हो रहा विस्फोट, चरमरा सकती है व्यवस्था

क्लाइमेट चेंज और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं से कर रही परेशानी पैदा

इस्लामाबाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया में इटली, जापान, रूस, साउथ कोरिया जैसे देशों में तेजी से आबादी कम हो रही है और हालात ऐसे हैं कि अस्तित्व के संकट तक की बात हो रही है। यहां तक कि भारत जैसे देश में भी अब प्रजनन दर तेजी से कम हो रही है। प्रति महिला जन्मदर अब भारत में 1.9 ही रह गई है, लेकिन पाकिस्तान की आबादी में तेजी से विस्फोट हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बदलते दौर में पाकिस्तान की आबादी जिस तरह से बढ़ रही है, उससे देश के आगे संकट पैदा हो सकता है। पाक मीडिया ने ही अपनी एक विस्तृत रिपोर्ट में पाकिस्तान की पूरी व्यवस्था ही चरमराने का अनुमान जताया है।

पाक बढ़ती आबादी और उसके संसाधनों में असंतुलन का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह क्षेत्रफल के मामले में दुनिया का 33वां देश है, लेकिन आबादी के मामले में वह 5वें नंबर पर पहुंच गया है। करांची, लाहौर, पेशावर, रावलपिंडी, क्वेटा समेत तमाम शहरों की हालत यह है कि जरा सी बारिश भी बाढ़ जैसे हालात पैदा कर देती है। भारी आबादी के चलते कहीं भी रिहायश की सही व्यवस्था नहीं है और खेती का रकबा भी लगातार कम हो रहा है। क्लाइमेट चेंज और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं अलग से घर रही हैं। फिलहाल पाकिस्तान की आबादी 241.5 मिलियन पर है। अब यह अगले 5 सालों में 300 मिलियन यानी 30 करोड़ तक पहुंच गई है। यही नहीं 2050 में तो यह 40 करोड़ हो जाएगी। छोटे से देश की इतनी भीषण आबादी बड़ा संकट खड़ा कर सकती है। ऐसी स्थिति इसलिए है क्योंकि पाकिस्तान में प्रजनन दर 3.6 है। यह भारत के मुकाबले दोगुनी है। साउथ एशिया के देशों में किसी भी मुल्क की आबादी बढ़ने की ग्रोथ इतनी अधिक नहीं है।

शंघाई एयरपोर्ट विवादः चीन ने खारिज किया दुर्व्यवहार का आरोप, अरुणाचल पर फिर दोहराया दावा

बीजिंग, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को शंघाई हवाई अड्डे पर अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला के साथ कथित दुर्व्यवहार की सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि महिला को न हिरासत में लिया गया, न उत्पीड़न हुआ और न ही कोई अनुचित व्यवहार किया गया। सीमा अधिकारियों ने पूरी तरह कानून के दायरे में काम किया तथा एयरलाइन ने उन्हें विश्राम कक्ष, भोजन और पानी उपलब्ध कराया।

हालांकि इस मौके का उपयोग करते हुए माओ निंग ने एक बार फिर चीन का पुराना दावा दोहराया कि जांगनान (अरुणाचल प्रदेश) चीन का अभिन्न क्षेत्र है और चीन ने कभी भारत द्वारा अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी। घटना 21 नवंबर की है। लंदन में रहने वाली भारतीय मूल की ब्रिटिश नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक लंदन से जापान जा रही थीं। शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट पर ट्रांजिट के दौरान उनकी तीन घंटे की स्टॉपओवर अचानक 18 घंटे तक खिंच गई। चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट में जन्मस्थान के तौर पर अरुणाचल प्रदेश लिखा देखते ही उसे 'अमान्य' घोषित कर दिया और उन्हें आगे जाने से रोक दिया। परेशान पेमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी आपबीती साझा की, जिसके बाद मामला तूल पकड़ लिया।

भारत ने इस घटना पर कड़ा विरोध जताया। सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली ने बीजिंग के सामने औपचारिक आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि ट्रांजिट यात्री को केवल जन्मस्थान के आधार पर हिरासत में लेना और भारतीय पासपोर्ट को अमान्य बताना पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने स्पष्ट किया कि अरुणाचल प्रदेश उसका अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा है और उसके नागरिकों को भारतीय पासपोर्ट से विश्व में कहीं भी यात्रा करने का पूर्ण अधिकार है।

भारतीय पक्ष ने यह भी रेखांकित किया कि चीनी अधिकारियों का यह व्यवहार शिकागो कन्वेंशन तथा मॉन्ट्रियल कन्वेंशन समेत अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नियमों का खुला उल्लंघन है। इस तरह की कार्रवाइयाँ दोनों देशों के बीच चल रहे संबंध सामान्यीकरण के प्रयासों में अनावश्यक बाधा उत्पन्न करती हैं। चीन ने महिला को अंततः जापान के लिए रवाना होने दिया, लेकिन अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को फिर से जोरदार तरीके से सामने लाकर उसने विवाद को नया आयाम दे दिया है।

भोपाल में 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का शुभारंभ

भोपाल, 26 नवंबर (एजेंसियां) ।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर बुधवार को 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का भव्य आगाज हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ की घोषणा की। प्रतियोगिता में 23 राज्यों के 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इन खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर देशभक्ति गीतों की धुनों पर आकर्षक मार्च पास्ट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आयोजन स्थल पहुंचने पर कैप लगाकर स्वागत किया गया। उन्होंने प्रतियोगिता का शुभारंभ कर चैंपियनशिप में शामिल 23 राज्यों के 500 खिलाड़ियों द्वारा देशभक्ति गीतों की धुनों पर प्रस्तुत मार्च पास्ट का अवलोकन किया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर मालती राय सहित अधिकारी एवं खेल प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। खेल विभाग प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है।

भारत की प्राचीन संस्कृति में खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि अनुशासन, संतुलन और मानसिक दृढ़ता का माध्यम माने गए हैं। पुराने समय में नौकायन, तैराकी और जल प्रशिक्षण को सामरिक और शारीरिक दक्षता का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता था। वही परंपरा आज वॉटर स्पोर्ट्स के रूप में हमारे सामने है। इसमें तकनीक, सहन शक्ति और फोकस का वास्तविक परीक्षण होता है। राज्य सरकार के लिए रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी करना गर्व और आनंद का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के लिए बेहतर माहौल बना है। भारत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहा है। मध्य प्रदेश ने वॉटर स्पोर्ट्स में एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। इसी वर्ष हुए 38वें नेशनल गेम्स, खेलो इंडिया, वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टीवल में भी प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में आयोजित चेंपियनशिप में शामिल होने आए विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को मध्य प्रदेश की कला-संस्कृति और स्वाद से रू-ब-रू होते हुए भोपाल के आसपास स्थित पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए भी प्रेरित किया।

न्यूज़ ब्रीफ

सीएसके स्टार और गुजरात कप्तान उर्विल पटेल ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में जड़ा 31 गेंदों में तूफानी शतक

हैदराबाद। यहां के जिमखाना ग्राउंड में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के पहले ही दिन गुजरात के कप्तान उर्विल पटेल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए 31 गेंदों में शतक ठोक दिया। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 8 छक्के जड़े। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सर्विसेज़ ने 182/9 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात के ओपनर उर्विल और आर्य देसाई ने शुरुआत से ही सर्विसेज़ के गेंदबाज़ों पर हमला बोल दिया। दोनों ने मिलकर 174 रन की ओपनिंग साझेदारी कर लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया। उर्विल पटेल 37 गेंदों पर नाबाद 199 रन बनाकर लौटे, जिसमें 12 चौके और 10 छक्के शामिल थे। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा रिटेन किए गए उर्विल पटेल अपनी स्ट्राइक रेट की वजह से सुर्खियों में रहे थे। तीन पारियों में- जिनमें से एक दो गेंदों पर शून्य—उन्होंने 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाए थे। दिलचस्प बात यह है कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में छह पारियों में 29 छक्कों के साथ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले और 28 गेंदों में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज टी20 शतक लगाने वाले उर्विल पटेल 2025 आईपीएल मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। बाद में उन्हें वंश बेदी के रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में शामिल किया गया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो को मिली राहत, फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेल सकेंगे शुरुआती मैच

मियामी। पुर्तगाल के सुपरस्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए बड़ी राहत मिली है।

वैश्विक फुटबॉल संस्था फीफा ने मंगलवार को उनके खिलाफ लगाए गए तीन मैचों के प्रतिबंध में से दो मैचों को 'सस्पेंडेड बैन' कर दिया है। इसका मतलब है कि रोनाल्डो अब वर्ल्ड कप के शुरुआती मुकाबलों में खेल सकेंगे। रोनाल्डो को नवंबर की शुरुआत में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान डारा ओ'शेया को कोहनी मारने पर रेड कार्ड मिला था। पुर्तगाल उस मुकाबले में 0-2 से हार गया था। यह 40 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के 226 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पहला रेड कार्ड था। फीफा ने तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया था, जिसमें से एक मैच का बैन रोनाल्डो पहले ही पूरा कर चुके हैं, जब पुर्तगाल ने आर्मेनिया को हराकर वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया। फीफा ने बयान में कहा, 'फीफा अनुशासनात्मक संहिता के अनुच्छेद 27 के अनुसार, दो मैचों का शेष प्रतिबंध एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि के तहत निलंबित किया जाता है।' इसके अनुसार, अगर रोनाल्डो इस एक वर्ष की अवधि में इसी तरह का कोई गंभीर उल्लंघन करते हैं, तो निलंबन तत्काल प्रभाव से हट जाएगा और उन्हें दो मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ेगा। रोनाल्डो, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 143 गोल के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले पुरुष खिलाड़ी हैं, अगले साल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होने वाले छठे विश्व कप में खेलने की तैयारी में हैं।

फीफा विश्व कप 2026 ड्रॉ: फाइनल से पहले नहीं भिड़ेंगे स्पेन-अर्जेंटीना और फ्रांस-इंग्लैंड

नई दिल्ली। फीफा ने मंगलवार को वर्ल्ड कप 2026 के ड्रॉ की प्रक्रिया जारी करते हुए स्पष्ट किया कि स्पेन

और अर्जेंटीना, तथा फ्रांस और इंग्लैंड एक-दूसरे से फाइनल से पहले नहीं टकराएंगे—बशर्ते ये टीमें अपने-अपने ग्रुप जीतती हैं। यह नियम 48 टीमों के विस्तारित फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। फीफा की नई व्यवस्था के अनुसार शीर्ष चार टीमें—स्पेन (रैंक 1), अर्जेंटीना (रैंक 2), फ्रांस (रैंक 3) और इंग्लैंड (रैंक 4)—ग्रुप न जीतने की स्थिति में भी सेमीफाइनल से पहले एक-दूसरे से नहीं खेलेंगी। ड्रॉ 5 दिसंबर को वॉशिंगटन में 2026 विश्व कप का आधिकारिक ड्रॉ 5 दिसंबर को वॉशिंगटन में आयोजित होगा। इसके एक दिन बाद, यानी 6 दिसंबर को स्टेडियम और किक-ऑफ टाइम सहित मैच शेड्यूल जारी किया जाएगा। पॉट्स का पूरा विवरण पॉट 1: मेजबान कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका के अलावा स्पेन, अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राज़ील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम और जर्मनी। पॉट 2: क्रोएशिया, मोरक्को, कोलंबिया, उरुग्वे, स्विट्ज़रलैंड, जापान, सेनेगल, ईरान, दक्षिण कोरिया, इक्वाडोर, ऑस्ट्रिया और ऑस्ट्रेलिया।

द. अफ्रीका ने 25 साल बाद पहली बार किया क्लीन स्वीप, भारत को 408 रनों से मिली करारी हार

गुवाहाटी, 26 नवंबर (एजेंसियां) ।

असम के गुवाहाटी स्थित बर्सापाड़ा स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के अंतिम दिन बुधवार को टीम इंडिया की करारी हार की पटकथा महज दूसरे सत्र की शुरुआत के आधे घंटे में ही लिख दी गई। 549 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऋषभ पंत की अगुवाई वाली भारतीय टीम 63.5 ओवर में सिर्फ 140 रनों पर सिमट गई और दक्षिण अफ्रीका ने 408 रनों से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 2-0 की सीरीज अपने नाम कर ली। यह भारत की टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी रन अंतर से हार भी है, जिसने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 342 रनों की शिकस्त को पीछे छोड़ दिया।

दक्षिण अफ्रीकी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने गेंदबाजी में कहर बरपाते हुए 23 ओवर में 6/37 झटके और भारत की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। भारत के लिए सिर्फ रवींद्र जडेजा ने जुझारू पारी खेलते हुए 87 गेंदों में 53 रन बनाए, जिसमें 2 छक्के और 4 चौके शामिल थे।

पिछले एक साल में टीम इंडिया दूसरी बार क्लीन स्वीप का शिकार हुई है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत को 3-0 से हराया था।

बवुमा ने बनाया नया इतिहास - दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बवुमा ने अपने अपराजेय टेस्ट रिकॉर्ड को बनाए रखा है। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान और अब भारत में लगातार तीन विदेशी टेस्ट जीते हैं। बवुमा अब 12 मैचों में 11 जीत के साथ लगातार सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले कप्तान बन गए हैं, उन्होंने इंग्लैंड के माइक ब्रीयरली (10 जीत) का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हार्मर-जान्सेन का जलवा, मार्कराम का विश्व रिकॉर्ड - हार्मर 17 विकेट लेकर सीरीज के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने, वहीं मार्को यानसन ने 12 विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका के ओपनर एडेन मार्कराम ने फील्डिंग में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए एक टेस्ट में 9 कैच पकड़े।

भारत की पारी ढही, पंत, जुरेल और कुलदीप जल्द आउट - भारत ने अंतिम दिन 8 विकेट के साथ 90 ओवर खेलने का लक्ष्य लेकर शुरूआत की, लेकिन हार्मर ने एक ही ओवर में कुलदीप यादव (5) और ध्रुव जुरेल (2) को आउट कर भारत की उम्मीदें खत्म कर दीं। कप्तान ऋषभ पंत भी 15 रन पर स्लिप में कैच देकर हार्मर के शिकार बने। साई सुदर्शन और जडेजा ने लंच तक संघर्ष किया, लेकिन सुदर्शन दूसरे सत्र की पहली ही गेंद पर आउट हो गए। वॉशिंगटन सुंदर (16) भी हार्मर की फिरकी में फंस गए। मैच के बाद कप्तान पंत ने कहा, 'थोड़ा निराशाजनक है। हमें और बेहतर खेलना होगा। विपक्ष ने हमसे बेहतर क्रिकेट खेला और सीरीज में हमें पूरी तरह दबाया। कई मौकों पर हम मैच में थे लेकिन उन्हें भुना नहीं सके।

मैच सारांश

दक्षिण अफ्रीका: 489 (मुथुसामी 109, यानसन 3, कुलदीप 4/115)
और 260/5 घोषित (स्टब्स 94, डी ज़ोरजी 49, जडेजा 4/62)
भारत: 201 (जैसवाल 58, वॉशिंगटन 48, जान्सेन 6/48)
और 140 (जडेजा 54, हार्मर 6/37)
नतीजा: दक्षिण अफ्रीका 408 रनों से जीता।

भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच से पहले रांची पहुंचे विराट कोहली और क्विंटन डी कॉक

रांची। रांची के झारखंड स्टेटस क्रिकेट एसोसिएशन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (जेएससीए) में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार को रांची पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका टीम के अनुभवी खिलाड़ी क्विंटन डी कॉक भी रांची पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर जेएससीए के अधिकारियों ने दोनों खिलाड़ियों का स्वागत किया। खिलाड़ियों के रांची आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में फैन्स एयरपोर्ट पर पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से विराट कोहली को एयरपोर्ट से सीधे बाहर निकालकर होटल रेडिसन ब्लू ले जाया गया। 30 नवंबर को होने वाला यह मुकाबला दर्शकों और क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

कॉमनवेल्थ गेम्स-2030: अहमदाबाद बनेगा नया स्पोर्ट्स सुपरपावर

अहमदाबाद, 26 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 की मेजबानी मिलने की घोषणा जल्द होने की उम्मीद है। इस बार यह सिर्फ़ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा स्पोर्ट्स महोत्सव होगा। खास बात यह कि इसका मुख्य केंद्र गुजरात का अहमदाबाद होगा, जो खेल जगत में लंदन और पेरिस से भी अधिक आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। अहमदाबाद की पहचान पहले ही नरेंद्र मोदी स्टेडियम से वैश्विक नक्शे पर दर्ज है, लेकिन अब इसके आसपास बनने वाले 6 नए हाई-टेक स्टेडियम और आधुनिक स्पोर्ट्स एन्क्लेव शहर को खेलों की दुनिया में नया मुकाम देंगे।

215 एकड़ में होगा सरदार एनक्लेव - रिवरफ्रंट किनारे 215 एकड़ में सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव बनाया जा रहा है, जहां नए स्टेडियम, एरेना, टेनिस और एक्वेटिक्स सेंटर होंगे। यह पूरा प्रोजेक्ट करीब 4600 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा है। यहां आधुनिक खेल सुविधाओं के साथ गरबा, योग, ओपन बाजार जैसे सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों को एक अलग अनुभव मिलेगा।

लंदन-पेरिस से खास क्यों

1. खेल + संस्कृति का अनोखा संगम

जहां यूरोप खेलों पर फोकस करता है, वहीं अहमदाबाद खिलाड़ियों और मेहमानों को भारतीय संस्कृति की ऊर्जा भी महसूस कराएगा।

2. विशाल और आधुनिक इंफ्रा

एक ही जगह पर इंडोर व आउटडोर खेलों के लिए इंटरनेशनल लेवल एरीना, शूटिंग सेंटर, इंडोर मैदान, फुटबॉल स्टेडियम—सब कुछ एक स्पोर्ट्स हब में मिलेगा।

3. शानदार कनेक्टिविटी

शहर में मेट्रो नेटवर्क स्टेडियम-से-स्टेडियम तक तेज पहुंच देगा।

प्रस्तावित बुलेट ट्रेन सेवा खेलों के दौरान अहमदाबाद से मुंबई का सफर रिकॉर्ड समय में संभव बना सकती है। अहमदाबाद एयरपोर्ट दुनिया भर के मेहमानों को सीधा अहमदाबाद की वाइब्स में लेकर आएगा।

खिलाड़ियों के लिए कॉमनवेल्थ विलेज

-सुगढ़-भाट (136 एकड़) और कराई (143 एकड़) में अत्याधुनिक गेम्स विलेज और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेंगे। खिलाड़ियों, कोच और अधिकारियों के लिए लगभग 3000 आधुनिक घर तैयार किए जाएंगे, जिनमें दुनिया की बेहतरीन सुविधाएं होंगी।कॉमनवेल्थ गेम्स-2030, अहमदाबाद को दुनिया का सबसे अलग और खास खेल गंतव्य बनाएगा।

बीसीए स्टेडियम के लिए 49.61 करोड़ रुपये की सब्सिडी मंजूर

वडोदरा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) राज्य क्रिकेट संघों को स्टेडियम के विकास के लिए सब्सिडी प्रदान करता है। इसी क्रम में बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के लिए लंबित पड़ी बीसीए स्टेडियम की सब्सिडी को मंजूरी मिल गई है। अब यह पूरी राशि बीसीए को प्राप्त होगी। हाल ही में बीसीए की 85वीं वार्षिक आम सभा (त्नरू) आयोजित हुई थी, जिसमें सदस्यों ने सभी प्रस्तावों को बहुमत से मंजूरी दी। नियमों के तहत बीसीए ने आवश्यक दस्तावेज बीसीसीआई को सौंप दिए थे। बीसीए के अनुसार, बीसीसीआई ने बीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास हेतु लंबित सब्सिडी राशि 49,61,59,912 + जीएसटी स्वीकृति दे दी है। बीसीए का कहना है कि यह राशि स्टेडियम के संचालन, सुविधाओं के आधुनिकीकरण और भविष्य की योजनाओं को और मजबूत करेगी। बीसीए अध्यक्ष प्रणव अमीन ने कहा, 'यह रिम्बर्समेंट हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025: युवा वेटलिफ्टर गोलोम टिंकू ने जीता स्वर्ण पदक

स्वर्ण पदक जीतना हमेशा विशेष होता है लेकिन मेरा काम अभी पूरा नहीं हुआ है : गोलोम

बीकानेर, 26 नवंबर (एजेंसियां) ।

राजस्थान में खेले जा रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में पुरुषों के 60 किग्रा भारवर्ग में युवा वेटलिफ्टिंग स्टार गोलोम टिंकू ने स्वर्ण पदक जीता है। अरुणाचल प्रदेश के 19 वर्षीय गोलोम ने पहली बार पुणे में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दूसरे संस्करण में अपनी छाप छोड़ी थी और तब से लगातार प्रगति की है।

मंगलवार को गोलोम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर अपने करियर में एक और उपलब्धि जोड़ दी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुए गोलोम ने कुल 256 किग्रा (स्नैच 112 किग्रा; क्लीन एंड जर्क 144 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के खुम्भेस्वर मलिक (223 किग्रा) से 33 किग्रा अधिक वजन उठाया, जबकि सीटी यूनिवर्सिटी के सचिन कुल 214 किग्रा वजन के साथ कांस्य पदक हासिल कर सके।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स तक पहचाने जाने की गोलोम की राह बिल्कुल आसान नहीं रही। 2016 में अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले के अपने गोडक गांव में एक हादसे में उनके पिता का निधन हो गया था। उसी दौरान उन्होंने वेटलिफ्टिंग की बुनियादी ट्रेनिंग शुरू ही की थी। पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर के गोलोम अपने बड़े भाई और बहन से प्रेरित थे। उन्होंने तीन साल तक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के नाहरलागुन कैंपस में प्रशिक्षण लिया और फिर सेकंदराबाद के एओसी सेंटर में शिफ्ट हो गए। स्वर्ण पदक जीतने के बाद गोलोम ने साई मीडिया से बातचीत में कहा, 'मेरी बहन कराटे करती थी और बड़ा भाई बैडमिंटन खेलता था। मैं सिर्फ उन्हें देखने जाता था। एक दिन एक कोच ने मुझसे पूछा- क्या तुम वेटलिफ्टिंग करना चाहोगे बस यहीं से मेरी यात्रा शुरू हुई।'

कुछ ही महीनों में गोलोम के करियर ने तेजी से उड़ान भरी। राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में उन्होंने रिकॉर्ड तोड़े और लगातार दबदबा बनाए रखा। हालांकि, उनके पिता का निधन परिवार की आर्थिक स्थिति पर गहरा असर छोड़ गया। ऐसे में उनके बड़े भाई को अपना बैडमिंटन करियर छोड़कर परिवार की ज़िम्मेदारी उठानी पड़ी। गोलोम ने हार नहीं मानी। कड़ी मेहनत जारी रखी और पुणे में हुए अपने पहले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में कांस्य पदक जीता। इसके बाद गुवाहाटी में आयोजित खेलों इंडिया यूथ गेम्स के संस्करण में स्वर्ण पदक हासिल किया और फिर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित किया। अब तक गोलोम एशियाई चैम्पियनशिप में तीन पदक (एक रजत, दो कांस्य) जीत चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2023 में कुल 230 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक भी जीता। इस समय गोलोम पुणे के आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनका मानना है कि खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में भाग लेना आगामी सीनियर नेशनल्स से पहले उनके लक्ष्यों में शामिल एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। गोलम ने कहा, 'यह मेरे लिए पहला खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स है और स्वर्ण पदक जीतना हमेशा विशेष होता है लेकिन मेरा काम अभी पूरा नहीं हुआ है।

विश्व कप उठाना एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता : रितु नेगी

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश के ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप 2025 जीतने के बाद स्वदेश लौटी भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान रितु नेगी ने टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि हम हर चुनौती में एक साथ खड़े रहे। हमने आखिरी सीटी बजने तक एक-दूसरे पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए विश्व कप उठाना एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। भारतीय महिला कबड्डी टीम विश्व कप जीतने के बाद मंगलवार को धूमधाम से देश लौटी। भारतीय टीम ने फाइनल में चीनी ताइपे को 35-28 से हराकर लगातार दूसरा कबड्डी विश्व कप खिताब जीता था। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता में शुरू से आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा। ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच जीते और फिर सेमीफाइनल में ईरान को हराकर खिताबी मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की की। फिर फाइनल में चीनी ताइपे को मात देकर विश्व चैंपियन का ताज अपने नाम किया। स्वदेश लौटने के बाद रितु नेगी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि कप्तान के तौर पर मुझे पता है कि मैं उतनी ही मजबूत हूं, जितनी मेरे पीछे की टीम और लड़कियों का यह ग्रुप हर चुनौती में एक साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि महिला कबड्डी बहुत आगे बढ़ गई है। मुकाबला पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल हैं, लेकिन हमने आखिर तक एक-दूसरे पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि यह जीत हर उस लड़की की है जो एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखती है। टीम की हेड कोच वी. तेजस्विनी बाई ने कहा कि ढाका में इस टीम ने जो हासिल किया, उससे मेरा दिल गर्व से भर गया है। लड़कियों ने जबरदस्त अनुशासन और पक्के इरादे के साथ खेला, जो हर एक मैच में जीत की उनकी भूख को दिखाता था। उन्होंने कहा कि जब हमने 2023 में एशियन गेम्स और 2025 में एशियन कबड्डी चैंपियनशिप जीती थी, तब मैं हेड कोच थी, इसलिए यह मेरे लिए जीत की हैट्रिक है। देश के लिए विश्व कप जीतना हमेशा खास होता है, लेकिन इन युवा महिला खिलाड़ियों को इस पल का सामना करते देखना इसे और भी खास बनाता है।

एक कोच के तौर पर मुझे उन पर बहुत गर्व है। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं संजू देवी ने कहा कि प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना जाना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। यह पल मेरी पूरी टीम का है। हर रेड, हर टैकल, हर पॉइंट यह सब हमारी मिली-जुली लड़ाई से आया है। उन्होंने कहा कि चीनी ताइपे के खिलाफ फाइनल ने हमारा टेस्ट लिया, लेकिन हम एक ही सपना लेकर गए थे, ट्रॉफी घर लाना। यह जीत भारत में महिला कबड्डी के लिए बहुत मायने रखती है। यह दिखाता है कि हम कितना आगे आ गए हैं और हम कितना आगे जाने के लिए तैयार हैं।

भारती एयरटेल में आईसीआईएल की 0.56 फीसदी हिस्सेदारी 7,189 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। दूरसंचार क्षेत्र की प्रमख कंपनियों में से एक कंपनी इंडियन कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (आईसीआईएल) ने बुधवार को भारती एयरटेल में अपनी 0.56 फीसदी हिस्सेदारी बेच दी। थोक सौदे के रूप में 3.43 करोड़ शेयर बेचे गए, जिनकी प्रति शेयर कीमत 2,096.70 रुपए रखी गई।

थोक सौदे के रूप में 3.43 करोड़ शेयर बेचे गए

यह कीमत मंगलवार के एनएसई बंद भाव *2,161.60 रुपए से लगभग 3 फीसदी कम थी। इस तरह कुल सौदे का मूल्य 7,189.19 करोड़ रुपए रहा। हिस्सेदारी बिक्री के बाद एयरटेल के शेयरों में दबाव देखा गया। एनएसई पर शेयर 3 फीसदी गिरकर 2,097.50 रुपए प्रति शेयर पर आ गए, जबकि बीएसई पर यह 2.81 फीसदी गिरकर 2,100 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुआ।

इस सौदे के बाद आईसीआईएल की एयरटेल में हिस्सेदारी 1.48 फीसदी से घटकर 0.92 फीसदी रह गई। प्रवर्तक समूह की कुल हिस्सेदारी अब 50.27 फीसदपी है। प्रवर्तक समूह में भारती टेलीकॉम के साथ सिंगटेल की सहयोगी पेस्टल लिमिटेड भी शामिल है। हाल के महीनों में एयरटेल में प्रवर्तक समूह द्वारा हिस्सेदारी घटाने के कई कदम उठाए गए हैं।

इस महीने की शुरुआत में सिंगटेल ने 0.8 फीसदी हिस्सेदारी 10,353 करोड़ रुपए में बेची थी। अगस्त में आईसीआईएल ने लगभग एक फीसदी हिस्सेदारी 11,227 करोड़ रुपए में बेची, जबकि फरवरी में उसने 8,485 करोड़ रुपए के एयरटेल शेयर बेचे थे।

न्यूज ब्रीफ

एप्पल ने सेल्स टीम में बड़े पैमाने पर छंटनी की, सरकारी और बड़े बिजनेस अकाउंट प्रभावित

नई दिल्ली। एप्पल इंक ने अपनी सेल्स टीम में एक और बड़े राउंड की छंटनी की है, जिसमें दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई है। कंपनी का कहना है कि यह कदम बिजनेस, स्कूल और सरकारी ग्राहकों तक प्रोडक्ट पहुँचाने की प्रक्रिया को सरल बनाने और कस्टमर जुड़ाव बढ़ाने के लिए उठाया गया है। एप्पल अपनी जॉब्स वेबसाइट पर अभी भी कई सेल्स रोल के लिए भर्ती कर रहा है और प्रभावित कर्मचारियों को नई पोजीशन के लिए अप्लाई करने का अवसर दिया गया है। छंटनी का असर बड़े बिजनेस, स्कूल और सरकारी एजेंसियों के अकाउंट मैनेजरों पर पड़ा है। इसके अलावा, वे स्टाफ भी प्रभावित हुए हैं जो बड़े कस्टमर्स के लिए इंस्टीट्यूशनल मीटिंग और प्रोडक्ट डेमोंस्ट्रेशन के लिए एप्पल के ब्रीफिंग सेंटर चलाते हैं। छंटनी में शामिल कई कर्मचारी लंबे समय से कंपनी में हैं, कुछ 20 या 30 साल से एप्पल के साथ जुड़े रहे। कुछ हफ्ते पहले ही ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में लगभग 20 सेल्स रोल खत्म किए गए थे। ताजा राउंड में विशेष रूप से अमेरिकी सरकारी एजेंसियों, जैसे र डिफेंस डिपार्टमेंट और जस्टिस डिपार्टमेंट के साथ काम करने वाली टीम को लक्षित किया गया।

ओला इलेक्ट्रिक की वित्तीय मुसीबतें बढ़ीं, ओला शक्ति से सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ पिछले साल बहुत सफल रहा था, लेकिन अब कंपनी के हालात चिंता जनक हैं। तिमाही रिपोर्ट के अनुसार आमदनी में 43 फीसदी और बिक्री में 47 फीसदी की गिरावट आई है। मार्च 2025 में कंपनी के पास 480 करोड़ रुपए नकदी थी, जो सितंबर तक घटकर सिर्फ 160 करोड़ रुपए रह गई। मार्च 2026 तक 550 करोड़ रुपए और अगले साल 620 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाना है। कंपनी नए निवेशकों से 1,500 करोड़ जुटाने में असफल रही और बोर्ड द्वारा मंजूर 1,700 करोड़ रुपए का कर्ज भी नहीं मिल पाया। कई निवेशक अब ओला में निवेश से साफ मना कर चुके हैं। कोटक सिक्योरिटी ने ओला के शेयर पर सेल रेटिंग दी और चेतावनी दी कि अगर बिक्री में सुधार नहीं हुआ, तो हालात और खराब होंगे। कंपनी ने घरों और छोटी दुकानों के लिए नया बैटरी बैकअप सिस्टम ओला शक्ति लॉन्च किया है, जिसकी कीमत 1.20-1.25 लाख रुपए है। कंपनी उम्मीद कर रही है कि आने वाले महीनों में इस प्रोडक्ट से 100 करोड़ रुपए की कमाई हो सकती है और साल 2027 तक यह बिजनेस 1,000 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

सीएएफई-3 नार्म्स में हल्की कारों को छूट देने पर विवाद, मारुति ने किया समर्थन, जेएसडब्ल्यू एमजी ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। भारत में आने वाले सीएएफई-3 नार्म्स के मसौदे को लेकर ऑटो इंडस्ट्री में बहस तेज हो गई है। मारुति सुजुकी ने छोटे पेट्रोल कार मॉडल्स (909 किलोग्राम से कम) को छूट देने का प्रस्ताव समर्थन किया है, जबकि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर्स ने इसे केवल एक मैन्युफैक्चरर को लाभ पहुंचाने वाला बताया है। सीएएफई (कारपोरेट एवरेज फयूल इफिसिएंसी) नॉर्म्स कार निर्माता कंपनियों के पूरे बेड़े की औसत ईंधन दक्षता और ष्टह्र उत्सर्जन निर्धारित करते हैं। इसे भारत में ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी तैयार करता है। सीएएफई-3 नॉर्म्स वित्त वर्ष 28- वित्त वर्ष 32 के लिए लागू होंगे और इसका पहला ड्राफ्ट जून 2024 में जारी किया गया। मारुति सुजुकी ने ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी से छोटे पेट्रोल मॉडल्स के लिए वजन-आधारित छूट की मांग की। उनका तर्क है कि यह वैज्ञानिक और ग्लोबल प्रैक्टिस के अनुरूप है। चीन, अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया जैसी देशों में छोटे मॉडलों को छूट दी जाती है। यह कदम कंपनियों को ष्टह्र उत्सर्जन मानक पूरा करने में मदद करेगा और राष्ट्रीय हित में है। छोटी कारों को छूट देना उद्योग में लाभ को असमान बना सकता है और सुरक्षा मानकों को कमजोर कर सकता है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,27,050 रुपये से लेकर 1,27,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,16,460 रुपये से लेकर 1,16,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,67,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,27,200 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,16,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,27,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,16,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,27,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,16,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,27,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,16,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,27,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,16,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,27,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,16,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,27,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,16,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,27,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,16,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,27,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,16,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मजबूती दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,27,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,16,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एचपी अगले 3 सालों में करेगी 6000 नौकरियों की कटौती

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक दिग्गज एचपी ने घोषणा की है कि कंपनी अगले 2025 से 2028 तक 6000 नौकरियों में कटौती करेगी। कुल वर्कफोर्स लगभग 60,000 है, यानी करीब 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी होगी। फरवरी 2025 में एचपी पहले ही 1000-2000 नौकरियों को कम करने की योजना बना चुकी थी, और यह नई छंटनी उसी का बड़ा हिस्सा है। ज्यादातर कटौती प्रोडक्ट डेवलपमेंट, कस्टमर सपोर्ट और अंदरूनी कामकाज में होगी। एचपी का कहना है कि यह कदम कंपनी को 3 साल में 1 बिलियन डॉलर (लगभग 8300 करोड़ रुपये) बचाने में मदद करेगा। कंपनी अब एआई आधारित तकनीक पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार अब नए पर्सनल कंप्यूटर 30 फीसदी से अधिक एआई वाले हैं और ग्राहक स्मार्ट मशीनों की ओर बढ़ रहे हैं। एआई चलाने के लिए जरूरी चिप्स की कीमतें बढ़ रही हैं। एचपी का कहना है कि 2026 की दूसरी छमाही तक महंगाई और बढ़ सकती है। फिलहाल उनके पास छह महीने का पर्याप्त स्टॉक है। कंपनी सस्ते सप्लायर ढूंढ रही है और कंप्यूटर की कीमतें थोड़ा बढ़ाएगी। एचपी के बड़े भारतीय सेंटर बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, नोएडा में हैं। यहां भी कुछ कर्मचारियों की नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि एआई की वजह से नई नौकरियां भी बन रही हैं, जैसे एआई इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट और मशीन लर्निंग एक्सपर्ट, जिनकी सैलरी 15-20 लाख से 50-60 लाख रुपये तक हो सकती है।

भारत में दूध की खपत में बदलाव, पर परंपरा बरकरार: रिपोर्ट

नयी दिल्ली,26 नवंबर (एजेंसियां)।

हालिया अध्ययन के अनुसार, हर 10 में से 7 भारतीय अब भी नियमित रूप से दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन करते हैं। एक शोध फर्म द्वारा तैयार भारत दूध-उपभोग निष्कर्ष 25-26 में यह जानकारी सामने आई। अध्ययन में दिखाया गया कि पारंपरिक दूध पीने की आदतें अब स्मूदी, प्रोटीन शेक और फ्लेवर वाले दूध की ओर बढ़ रही हैं।

हर 10 में से 7 भारतीय अब भी नियमित रूप से दूध का कर रहे सेवन

58 प्रतिशत उपभोक्ता केसर या बादाम जैसे स्वाद वाले दूध को पसंद कर रहे हैं, जबकि 51 प्रतिशत लोग इसे स्मूदी में मिलाकर पीते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि चाय और कॉफी अब भी दूध के प्रमुख माध्यम हैं, जहां 59 प्रतिशत प्रतिभागी दूध का सेवन इन पेयों के जरिए करते हैं। वहीं 52 प्रतिशत लोग बचपन की यादों के कारण सादा दूध पीना जारी रखते हैं। 64 प्रतिशत माता-पिता मानते हैं कि बच्चों की दूध खपत कम होने से हड्डियों की वृद्धि प्रभावित हो सकती है। 54 प्रतिशत का कहना है कि बच्चों की शारीरिक वृद्धि पिछली पीढ़ी की तुलना में धीमी है। बच्चों को दूध देना जारी रखने वाले माता-पिता कैल्शियम और प्रोटीन-ऊर्जा को प्राथमिकता देते हैं। 64 प्रतिशत परिवार ब्रांडेड पैकेट दूध खरीद रहे हैं, जबकि खुला दूध केवल 21 प्रतिशत घरों में जाता है। पौधा-आधारित दूध (बादाम और सोया) का हिस्सा अब 12 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संविधान दिवस पर...

और केवल दो दशकों में भारत औपनिवेशिक शासन से आजादी के 100 वर्ष पूरे कर लेगा। वर्ष 2049 में संविधान को अपनाए हुए एक सदी हो जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज लिए गए निर्णय और नीतियां आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें, क्योंकि भारत विकसित भारत की परिकल्पना की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री ने मतदान के अधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मज़बूत करने के दायित्व पर भी ज़ोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल और कॉलेज, 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवाओं में दायित्व और गर्व की भावना जगाने से लोकतांत्रिक मूल्य और देश का भविष्य मज़बूत होगा।

चुनाव आयोग ने...

बाद में जब सीईओ उनसे थोड़ी देर के लिए मिले, तो उनके केबिन के बाहर तीसरी मंज़िल पर बैठे लोगों ने अपना विरोध खत्म करने का फैसला किया। हालांकि कुछ बीएलओ और उनके समर्थकों ने सीईओ के ऑफिस बिल्डिंग के बाहर सड़क पर अपना विरोध जारी रखा।

भारत में सफरान...

यह सुविधा हाईटेक एयरोस्पेस की दुनिया में युवाओं के लिए नए अवसर भी बनाएगी।

श्री मोदी ने कहा कि विमानन सेवाओं के बढ़ने के साथ भारत में एमआरओ की सुविधाओं की ज़रूरत भी बढ़ रही है। हमारा 85 प्रतिशत एमआरओ का काम देश के बाहर होता आ रहा है। इससे खर्च बढ़ता था, समय ज्यादा लगता था, और एयरक्राफ्ट लंबे समय तक ग्राउंडेड रहते थे।

उन्होंने कहा, मयह स्थिति भारत जैसे विशाल विमानन बाजार के लिए ठीक नहीं थी। इसलिए आज भारत सरकार देश के, दुनिया के एक बड़े एमआरओकेंद्र के रूप में विकसित कर रही है। अब पहली बार देश में एक विश्व स्तर की विमान मरम्मत की सुविधा स्थापित की जा रही है।

उन्होंने गत 24 नवंबर के निदेशक मंडल और प्रबंधकों की टीम से अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि उनमें उन्हें भारत को लेकर विश्वास और उम्मीद दिखाई दी है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जतायी की सफरान भारत में निवेश की इसी गति को आगे भी जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि एमआरओ के काम के लिए भारत में वैश्विक प्रशिक्षण, जानकारी देने और भारत के संस्थानों के साथ साझेदारी में फ्रांसिसी कंपनी के साथ साझेदारी में एक कार्यबल तैयार होगा, जो आने वाले वर्षों में पूरे एमआरओ पारिस्थितिकी तंत्र को नई गति, नई दिशा देगा।

श्री मोदी ने कहा कि आज का भारत सिर्फ बड़े सपने नहीं देख रहा है बल्कि बड़े फैसले ले रहा है और उनसे भी बड़ी उपलब्धि हासिल कर रहा है। इसे देखते हुए भारत का बहुत जोर कारोबार की आसानी पर है। वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कुछ बड़े सुधार किये गये हैं।

इसी संदर्भ में उन्होंने अर्थव्यवस्था विदेशी सामान, पूंजी तथा प्रौद्योगिकी के लिए खुला बनाने, घरेलु बुनियादी मजबूती के काम , कारोबार को आसान बनाने के काम का उल्लेख किया।

उन्होंने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, श्रम, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना, नियमों प्रक्रियों के अनुपालन को आसान बनाने जैसे कदमों का उल्लेख करते हुए कहा ,फ्आज भारत को एक भरोसेमंद भागीदीर, एक बड़ा बाजार और एक उभरते विनिर्माण केंद्र हब के रूप में देखा जा सकता है।

हैदराबाद में जीएमआर एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क - विशेष आर्थिक क्षेत्र में दर 45,000 वर्ग मीटर में फैली सफरान की यह सुविधा करीब 1,300 करोड़ के शुरुआती निवेश से खड़ी की गई है। इसमें हर साल 300 लीप इंजन की सर्विस की जा सकती है। यह 2035 तक अपनी पूरी क्षमता पर काम कर रही होगी और उस समय इसमें 1,000 से ज़्यादा बहुत कुशल भारतीय टेक्नीशियन और इंजीनियर काम पर लगे होंगे।

इस कार्यक्रम में नागर विमान मंत्री श्री नायडू ने कहा कि भारत विमान इंजन एमआरओ की तीव्र वृद्धि की मदद के लिए एक मज़बूत

पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए सक्रिय रूप से लगा है। नीतिगत कदमों के तहत 2024 में एमआरओ पर जीएसटी का बोझा कम करने , एमआरओ दिशा निर्देश का प्रकाशन (2021), और राष्ट्रीय नागर विमानन नीति 2016 में इसे शामिल किया जाना - कर ढांचे को तार्किक बनाना और रॉयल्टी का बोझ कम करके एमआरओ परिचालन को आसान बनाने के उपाय किये गये हैं।

सात हाईराइज ...

मौके पर 128 फायर ट्रक और 57 एम्बुलेंस भेजी गईं। डिपार्टमेंट के डायरेक्टर एंडी येंग ने रिपोर्टर्स को बताया कि मरने वालों में एक फायरफाइटर भी शामिल है और दूसरे का हीट एग्जॉशन के लिए इलाज चल रहा था।

छत्तीसगढ़ में ...

समर्पण करने वालों में 12 महिला और 29 पुरुष कैडर शामिल रहे, जो दक्षिण बस्तर दंडकारण्य स्पेशल जोन कमेटी (डीकेएसजेडसी) के अलावा तेलंगाना स्टेट कमेटी, धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड डिवीजन, पश्चिम बस्तर सप्लाई टीम, डीके जोन और विभिन्न आरपीसी मिलिशिया समूहों में सक्रिय थे। इन 41 कैडरों में पीएलजीए बटालियन नंबर-01 के पीपीसीएम पदनाम वाले सदस्य, अलग-अलग कंपनियों, प्लाटून और एरिया कमेटी के प्रमुख कार्यकर्ता, मिलिशिया प्लाटून कमांडर और डिप्टी कमांडर, जनताना सरकार के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष स्तर पर सक्रिय सदस्य, डीएकेएमएसऔर केएएमएस संगठन से जुड़े फैसले लेने वाले कैडर भी शामिल हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वालों में पण्डरू हपका उर्फ मोहन और उनकी पत्नी बण्डी हपका का नाम सबसे प्रमुख रहा, जो पीए-लजीए बटालियन नंबर-01 में पीपीसीएम पद पर सक्रिय थे और दोनों पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसके अलावा कंपनी नंबर-02 के पीपीसीएम सदस्य लक्खू कोरसा पर भी आठ लाख का इनाम था, जबकि प्लाटून नंबर-30 के पीपीसीएम सदस्य बदरू पुनेम और प्लाटून नंबर-50 के पीपीसीएम सदस्य सुखराम हेमला और उनकी पत्नी मंजूला हेमला उर्फ शांति पर भी आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था।

कंपनी नंबर-02 की पार्टी सदस्य मंगली माडवी उर्फ शांति उर्फ मंगलो पर आठ लाख, कंपनी नंबर-02 के पार्टी सदस्य जयराम कडियम और डीकेएनजी कंपनी-05 की सदस्य पाण्डो मडकम उर्फ चांदनी पर भी आठ लाख रुपये का इनाम था।

भैरमगढ़ एरिया कमेटी सदस्य माटा कडियम उर्फ मंगल, और उनकी पत्नी जमली कडियम पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था, जबकि धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड डिवीजन के एसीएम सदस्य जोगी मडकम उर्फ मालती पर भी पांच लाख रुपये का इनाम रखा गया था। तेलंगाना स्टेट कमेटी के पार्टी सदस्य छोटू कारम उर्फ छोटू कारम पर दो लाख का इनाम, पश्चिम बस्तर डिवीजन की सप्लाई टीम से जुड़े अनिल मड़कम उर्फ मूडा और तेलंगाना स्टेट कमेटी पीएलजीए सदस्य सावित्री कारम उर्फ कविता पर भी दो-दो लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसके अलावा कई अन्य नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया जिन पर इनाम रखा गया था।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आत्मसमर्पण के तत्काल बाद दस्तावेजीकरण , विधिक सत्यापन और पुनर्समावेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और राज्य शासन की आत्मसमर्पण तथा पुनर्वास नीति के तहत प्रत्येक कैडर को 50 हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। पिछले 11 महीनों के आंकड़े माओवाद कमजोर होने की पुष्टि करते हैं। इस वर्ष एक जनवरी से अब तक माओवादी घटनाओं में शामिल 528 कैडर गिरफ्तार किए गए, 560 माओवादी संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौटे, और जिले और आसपास के अभियानों में 144 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए, जबकि एक जनवरी 2024 से अब तक 790 माओवादी मुख्यधारा में लौटे, 1031 गिरफ्तार हुए और 202 कैडर अलग-अलग मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

उन्हीं से वसूला...

जस्टिस गवई ने इस बात पर जोर दिया कि संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए ज्यूडिशियल एक्टिविज़्म जरूरी है, लेकिन इसे तय लिमिट में ही काम करना चाहिए। फिर भी बुलडोज़र से तोड़फोड़ के मामलों में उन्होंने कहा कि सरकार की मनमानी ताकत को रोकने के लिए ज्यूडिशियरी को मजबूती से दखल देना होगा।

जस्टिस गवई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकों को गैर-कानूनी तोड़फोड़ के मामलों में तुरंत हाई कोर्ट जाने की आजादी दी है। कोर्ट ने कड़े सुरक्षा उपाय भी तय किए हैं, जिसमें कहा गया है कि सही प्रोसेस का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को अवमानना में रखा जा सकता है।

उन्होंने कहा, महमें उम्मीद थी कि हाईकोर्ट ऐसी शिकायतों पर तुरंत सुनवाई करेंगे और कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ़ कड़े कदम उठाए जाएंगे।उन्होंने साफ किया, मअगर कोई घर गैर-कानूनी तरीके से गिराया गया है, तो उसे सरकार को फिर से बनाना होगा और जो लोग दोषी हैं उनसे इसका पैसा वसूला जाएगा।

गुरुवार की शाम इन पांच स्थानों पर दीपक जलाने से देवी लक्ष्मीजी और भगवान विष्णु की बरसेगी कृपा

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। साथ ही, यह दिन गुरु ग्रह से भी संबंधित होता है। ऐसे में गुरुवार को विष्णुजी और देवगुरु बृहस्पति जी की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन पूजा करने के साथ-साथ शाम के वक्त प्रदोष काल में कुछ विशेष स्थानों पर दीपक रखने का भी खास महत्व होता है। ऐसा करने से घर से नकारात्मकता दूर रहती है और परिवार के सदस्यों पर भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। साथ ही, जातक को आर्थिक तंगी से निजात मिल सकती है।

माता लक्ष्मी और विष्णुजी के सामने जलाएं दीपक

शास्त्रों में प्रदोष काल में पूजा करने का खास महत्व बताया गया है। शाम को सूर्यास्त से पहले और सूर्यास्त से ठीक बाद तक का समय प्रदोष काल होता है, जो लगभग डेढ़ घंटे की अवधि होती है। इस दौरान पूजा करना और दीपक जलाना सबसे उत्तम माना गया है। गुरुवार के दिन पूजा करते वक्त एक दीपक माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु के सामने जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों पर विष्णुजी और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही, जातक को आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है।

मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

शाम को प्रदोष काल में विधि-विधान से पूजा और आरती करने के बाद एक दीपक मुख्य द्वार पर जरूर जलाना चाहिए। मान्यता है कि शाम का वक्त माता लक्ष्मी के घर में प्रवेश करने का समय होता है। ऐसे में मुख्य द्वार पर रोशनी करके रखने से मां लक्ष्मी प्रसन्न हो सकती हैं और उनकी विशेष कृपा बनी रहती है। गुरुवार को मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से घर में सकारात्मकता बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। साथ ही, इस उपाय से घर का माहौल भी खुशनुमा बना रहता है।

तुलसी के पौधे के पास जलाएं दीपक

ऐसी मान्यता है कि तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में प्रदोष काल में एक दीपक तुलसी के पास भी जरूर रखना चाहिए। ऐसा हर गुरुवार और शुक्रवार को करने से जातक के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। साथ ही, घर में चल रही समस्याएं कम होने लगती हैं। अगर आप धन संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे हैं, तो इस उपाय को जरूर करके देखें। तुलसी के पास नियमित रूप से दीपक जलाने से जातक को पैसों की तंगी से राहत मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है।

ईशान कोण में जलाएं दीपक

वास्तु और ज्योतिषशास्त्र में ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) का खास महत्व बताया गया है। ईशान कोण को सुख-समृद्धि, सकारात्मकता, ज्ञान और पवित्रता का प्रतीक माना गया है। ऐसे में गुरुवार के दिन इस दिशा में दीपक जलाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, गृह क्लेश से भी मुक्ति मिल सकती है। इस उपाय को हर गुरुवार के दिन प्रदोष काल में करने से परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है और ज्ञान में भी वृद्धि होती है।

घर के आंगन में जलाएं दीपक

शाम के समय घर के आंगन में कभी भी अंधेरा नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। घर में सुख-समृद्धि और शांति बनाए रखने के लिए गुरुवार को शाम के समय एक दीपक आंगन में भी जरूर जलाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों पर माता लक्ष्मी और विष्णु भगवान की विशेष कृपा बनी रहती है। साथ ही, जीवन में तरक्की के मार्ग खुलते हैं। प्रदोष काल में पूजा के बाद आंगन में दीपक जलाकर रखने से आसपास का वातावरण शांत और सुखद बना रहता है।

सनातनी है तीर्थराज प्रयागराज में माघ मेले की परम्परा

तीर्थों के राजा प्रयागराज में शनिवार, 3 जनवरी 2026 से विश्व प्रसिद्ध विराट, धार्मिक आयोजन माघ मेले के रूप में प्रारम्भ होने वाला है, जो पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि 15 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। एक माह कल्पवास करने वाले कल्पवासी पौष पूर्णिमा 3 जनवरी 2026 से माघी पूर्णिमा, 1 फरवरी 2026 तक संगम तट पर निवास करेंगे। कल्पवासी मां त्रिवेणी के तट की गोद में निवास करते हुए संगम स्नान, सत्संग, हवन, पूजन, अनुष्ठान इत्यादि धार्मिक कार्य अपने लोक-परलोक सुधारने के उद्देश्य से संपन्न करते हैं।

सामान्यतः माघी पूर्णिमा को कल्पवास की विधिपूर्वक समाप्ति कर कल्पवासी अपने-अपने स्थानों को लौट जाते हैं। इधर कुछ वर्षों से लोकप्रियता बढ़ने के कारण अनेक लोग महाशिवरात्रि तक संगम तट पर रहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कल्पवास करने से जन्म-जन्मान्तरों के बंधन से मुक्ति प्राप्त होती है। मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या जैसे महापर्वों में ग्रह-नक्षत्र-राशियों, पवित्र नदियों के जल तथा श्रद्धालुओं का समागम, इन तीनों का संगम तीर्थ राज प्रयागराज में सदियों से होता आया है। पृथ्वी तथा जल के संयोग से अमृत अर्थात जीवनीशक्ति का जन्म होता है। यह जीवनी शक्ति कब, कहां और कितनी उपलब्ध होगी इसी के आधार पर माघ मास में स्नान, कुम्भ और महा कुंभ का विधान है। तीर्थ राज प्रयागराज पृथ्वी का मध्य भाग है, केन्द्र बिन्दु सदैव ग्रह नक्षत्रों की शक्तियों, उनके परस्पर सामंजस्य से उत्पन्न ऊर्जा को ग्रहण करता है, इसलिए तीर्थों का प्रयागराज सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

माघ स्नान का महात्म्य- माघ मास स्नान पर्व पर विधिवत् स्नान, दान, तप, जप, पाठ एवं यज्ञादि शुभ कर्मों को करने का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। श्री विष्णु पुराण के अनुसार हजारों अश्वमेध यज्ञ करने, सैकड़ों वाजपेय यज्ञ करने से एवं लाख बार पृथ्वी की परिक्रमा करने से जो पुण्य प्राप्त होते हैं, वह पुण्य केवल माघ स्नान करने से सहज ही प्राप्त हो जाते हैं।

वामनः कायजंपापं नरस्य सुदृढमहत्।
प्रयागे माघमासेतु त्र्यहस्नान नश्यति।।

अर्थात् मन, वचन एवं काम जनित जो पाप होते हैं, वह माघ मास में त्रिवेणी में मात्र स्नान करने से नष्ट हो जाते है। माघ मास के मौनी अमावस्या जैसे दिव्य पर्व पर स्नान के पश्चात देव-पितृ तर्पण करके अन्न, तिल, चावल, खीर, ऊनी वस्त्र, फल, मिष्ठान आदि का दान करना लाभप्रद रहता है।

शुक्र गोचर वृश्चिक राशि में, शुक्रादित्य योग कर्क, वृश्चिक सहित अन्य राशियों को बनाएगा धनवान

आज यानी 26 नवंबर, बुधवार के दिन शुक्र ग्रह वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, इस समय सूर्य भी वृश्चिक राशि में विराजमान हैं। ऐसे में मंगल और सूर्य के एक साथ होने से त्रिग्रह व शुक्रादित्य योग बन रहा है। ये शक्तिशाली योग सभी राशियों के जीवन पर अलग-अलग प्रभाव डालेंगे। शुक्र ग्रह को प्रेम, सौंदर्य, धन, भौतिक सुख-सुविधाओं आदि का प्रतीक माना गया है। ऐसे में वृश्चिक राशि में शुक्र का गोचर होने से कई राशियों के लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और भौतिक सुख-सुविधाओं में भी वृद्धि होगी। वहीं, कुछ राशियों को धन संबंधी समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। शुक्र वृश्चिक राशि में 20 दिसंबर, शनिवार तक रहेंगे।

मेष राशि : खट्टे-मीठे होंगे अनुभव

शुक्र गोचर मेष राशि वालों के लिए मिश्रित फलदायक रहने वाला है। आपको व्यवसाय के क्षेत्र में कोई भी निवेश जल्दबाजी में करने से बचना होगा, अन्यथा हानि हो सकती है। हालांकि, जीवनसाथी के सहयोग से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। कारोबार के क्षेत्र में कामकाज की स्थिति अच्छी रहेगी लेकिन कुछ समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ रिश्ता गहरा होगा। लेकिन आप दोनों को आपसी तालमेल बनाए रखना होगा। शुक्र गोचर के दौरान संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी होगा।

वृषभ राशि : उतार-चढ़ाव भरा रहेगा समय

व्यापार के क्षेत्र में वृषभ राशि वाले नए प्रोजेक्ट या नई डील फाइनल कर सकते हैं। इससे आपको एक नई दिशा प्राप्त होने की संभावना है। लेकिन जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचना होगा। आर्थिक मामलों में आपको अपने बिजनेस पार्टनर या जीवनसाथी के सहयोग से लाभ कमाने के सुनहरे मौके मिल सकते हैं। लव लाइफ के मामले में यह अवधि आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरी हो सकती है। ऐसे में धैर्य रखना जरूरी होगा। साथ ही, आपको पैसों की लेन-देन में भी सतर्क रहना होगा।

मिथुन राशि : मेहनत व प्रयासों से होगा लाभ

शुक्र का गोचर होने से आपके व्यवसाय और पारिवारिक जीवन में कई बदलाव आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में काम का प्रेशर अधिक होगा, लेकिन आप समझदारी और चतुराई से सभी कार्यों को पूरा कर लेंगे। साथ ही, मेहनत और प्रयासों का फल भी अवश्य प्राप्त होगा। मेडिकल लाइन से जुड़े लोगों के लिए यह समय विशेष रूप से शुभ रहेगा। विदेश से व्यापार कर रहे लोगों को किसी के सहयोग से लाभ होगा, लेकिन आपको अपनी आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। हालांकि, जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर तनाव बना रह सकता है। ऐसे में आपको शांति से कोई भी फैसला करना होगा।

कर्क राशि : करियर में मिलेगी ग्रोथ

वृश्चिक राशि में शुक्र का प्रवेश करना कर्क राशि वालों के लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है। रचनात्मक कार्यों, नई योजनाएं और प्रोजेक्ट से अच्छा लाभ मिल सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। कला, शिक्षा, मनोरंजन और मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए भी समय अनुकूल रहेगा और आपको धन कमाने के कई मौके मिलेंगे। लव लाइफ के मामले में पार्टनर के साथ रिश्ता गहरा होगा और रोमांस भी बढ़ेगा। आप दोनों एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे और एक साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

सिंह राशि : भाई-बहन से रिश्ते होंगे मजबूत

शुक्र गोचर सिंह राशि वालों के लिए व्यवसाय के क्षेत्र में अच्छा रहने वाला है। आपको कड़ी मेहनत से लाभ मिलेगी और आर्थिक स्थिति भी स्थिर बनी रहेगी। प्रियजनों और भाई-बहनों के साथ आपके रिश्ते गहरे व मजबूत होंगे। उनके सुझाव और सहयोग भी आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। हालांकि, वाहन, घर की सजावट या संपत्ति से जुड़े कार्यों में खर्चे बढ़ने की भी संभावना है। ऐसे में आपको आय और व्यय के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा। आप पारिवारिक व्यवसाय में अधिक सक्रिय भी रह सकते हैं।

कन्या राशि : बढ़ेगी कमाई, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

वृश्चिक राशि में शुक्र का गोचर होना कन्या राशि वालों के लिए विशेष रूप से लाभदायक सिद्ध होगा। आपको करियर में उन्नति के बेहद सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग लेखन, मीडिया और शिक्षा के क्षेत्र में काम करते हैं उनके लिए भी यह समय अनुकूल रहने वाला है। आपको कार्य कौशल और मधुर वाणी से व्यापार में सफलता मिलेगी। वहीं, आर्थिक मामलों में प्रयासों से लाभ होगा और आपकी कमाई भी बढ़ेगी। कारोबार में भाई-बहन की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी और जीवनसाथी के साथ भी खुशनुमा पल बिताएंगे।

तुला राशि : जीवन में संतुलन बनाए रखना जरूरी

शुक्र गोचर से तुला राशि वालों को करियर में ग्रोथ मिल सकती है और व्यवसाय के क्षेत्र में धन लाभ होने के संकेत हैं। इसी के चलते आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। किसी पुराने निवेश से लाभ कमा सकते हैं, लेकिन धन संबंधी मामलों में आपको सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। सौंदर्य और भोजन पर खर्च बढ़ने की संभावना है। ऐसे में संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के साथ आपसी मतभेद उत्पन्न होने की संभावना है। आपको रिश्ते की मिठास को बरकरार रखने के लिए प्रयास करने होंगे।

वृश्चिक राशि : व्यवसाय में होगा भरपूर धन लाभ

शुक्र का गोचर वृश्चिक राशि में होने से आपकी लाइफ में कई सारे पॉजिटिव बदलाव आ सकते हैं। जिससे जीवन में सुख-समृद्धि का अनुभव होगा। व्यवसाय के क्षेत्र में खूब लाभ कमाएंगे और आपकी आय में भी वृद्धि होगी। साथ ही, आपको हर मोड़ पर जीवनसाथी का साथ मिलेगा और उनके सहयोग से व्यापार में भी लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी करने वालों को कार्य कौशल से अच्छा लाभ मिलेगा और आपके नाम की ख्याति होगी। लव लाइफ में पार्टनर के साथ समय बिताने का सुनहरे मौके मिलेंगे और आप दोनों के रिश्ते मजबूत होते जाएंगे।

धनु राशि : मिले-जुले परिणाम मिलेंगे

शुक्र के गोचर की अवधि धनु राशि वालों के लिए मिली-जुली रहने वाली है। धन संबंधी मामलों में आपको सतर्क रहना होगा। सोच-समझकर फैसले लेने से लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है। शुक्र गोचर आपके व्यय भाव में होने से लाभ की स्थिति सामान्य से मध्यम बनी रहेगी। हालांकि, विदेश से व्यापार कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा हो सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। हालांकि, छोटी-छोटी बातों पर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसे में कटु वाणी के प्रयोग से बचना होगा।

मकर राशि : नौकरी में मिलेगा प्रमोशन

वृश्चिक राशि में शुक्र का गोचर होना मकर राशि वालों के लिए बेहतरीन हो सकता है। आपको व्यवसाय और सामाजिक क्षेत्र में नए संपर्क बनाने के मौके मिलेंगे। वहीं, आपको अपनी अपेक्षा के अनुसार प्रोजेक्ट और डील भी मिल सकते हैं। आर्थिक मामले में प्रयासों से लाभ होगा और नौकरी करने वालों को कार्यक्षेत्र में टीमवर्क से फायदा हो सकता है। लव लाइफ के मामले में कुछ जातकों की दोस्ती प्रेम में बदल सकती है। वहीं, आप पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताएंगे। नौकरी के क्षेत्र में आपको प्रमोशन भी मिल सकता है और आय में वृद्धि होने की संभावना है।

कुंभ राशि : मान-सम्मान बढ़ेगा, मिलेगी उन्नति

शुक्र का गोचर कुंभ राशि वालों के लिए व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छा रहने वाला है। आपको अपनी मेहनत और प्रयास से अच्छा लाभ प्राप्त होगा। नौकरी के क्षेत्र में मेहनत से उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी। उच्च अधिकारी भी आपके कार्य कौशल की सराहना करेंगे और व्यापार के क्षेत्र में भी अच्छा मुनाफा होने की संभावना है। लेकिन लव लाइफ में छोटी-छोटी अनबन होने की संभावना है, जिसे आप अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से दूर कर सकते हैं। रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए एक दूसरे की भावनाओं को समझना जरूरी होगा।

मीन राशि : यात्राओं से होगा धन लाभ

वृश्चिक राशि में शुक्र का गोचर होने से आपको करियर में अच्छा ग्रोथ मिल सकती है। शुक्र के प्रभाव से आपका व्यक्तित्व और भी ज्यादा आकर्षक हो सकता है। वहीं, शिक्षा, कला और यात्रा से जुड़े लोगों के लिए यह अवधि विशेष रूप से शुभ रहेगी। करियर में रचनात्मक प्रोजेक्ट और मेहनत से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और विदेशी यात्राओं से धन लाभ होने के योग हैं। इसी के चलते आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं और दोनों के बीच का रोमांस भी बढ़ेगा।

स्थिति वही, अनुभव अलग, कारण केवल मन और विचार का अंतर

एक गृहस्थ ने दो पंडितों को प्रेमपूर्वक घर बुलाकर आदर-सत्कार किया। सात्विक भोजन कराया और समान रूप से प्रत्येक को 101 रुपए दक्षिणा दी। भोजन समाप्त होने पर दोनों पंडित लौटने लगे। रास्ते में एक व्यक्ति ने देखा कि एक पंडित के चेहरे पर मधुर प्रसन्नता थी जबकि दूसरे के चेहरे पर नाराजगी और खिन्नता। उसने जिज्ञासा पूर्वक कारण पूछा। प्रथम पंडित हंसते हुए बोले, 'आज मेरे घर भोजन की व्यवस्था न थी।

प्रभु ने ही यजमान के माध्यम से मेरा दिन बना दिया। भोजन भी मिला और 101 रुपए की दक्षिणा भी, इससे बढ़कर और क्या चाहिए?' अब उसने दूसरे पंडित से पूछा कि उन्हें क्या असंतोष है। दूसरे पंडित ने खिन्न स्वर में कहा, 'यजमान सम्पन्न है। मुझे विश्वास था कि वह 501 रुपया देगा, पर आज तो 400 रुपयों का घाटा हो गया।' दोनों को समान भोजन, समान सम्मान और समान दक्षिणा मिली, फिर भी एक सुखी और एक दुखी हो गया। मनुष्य का सुख-दुख बाहरी परिस्थितियों पर नहीं, बल्कि उसके सोचने के तरीके पर निर्भर करता है। आप किसी घटना को कैसे देखते हैं, यही तय करता है कि आप सुखी होंगे या दुःखी।

विचारों में अंतर ग्रहों के अंतर का परिणाम- विचारों में अंतर होने का कारण व्यक्ति विशेष के ऊपर चलने वाली महादशा, अन्तर्दशा, गोचर आदि ग्रहों का परिभ्रमण है, जिसे संक्षेप में ग्रह दशा कहते हैं। कहा जाता है, सुख-दुःख केवल मन में ही नहीं, ग्रह भी तय करते हैं। जन्मकुण्डली में स्थित ग्रह व्यक्ति की मानसिक अवस्था का वर्णन करते हैं, उदाहरण के लिए व्यक्ति का चन्द्रमा जितना मजबूत होगा, उसका मन उतना ही शांत और संतुष्ट रहेगा। पाप ग्रहों से युक्त चन्द्रमा होने पर व्यक्ति के अन्दर असंतोष, चिन्ता, गलत तुलना, अत्यधिक अपेक्षाएं होती हैं। प्रबल एवं शुभ बुध सकारात्मक तर्क, समझ देता है, वहीं पीड़ित एवं अशुभ बुध निरर्थक सोच-विचार कराता है, जो तनाव का कारण बनता है। इसी प्रकार से बलवान देवगुरु बृहस्पति व्यक्ति में संतोष एवं कृपा बोध की प्रवृत्ति जागृत करता है, वहीं पीड़ित बृहस्पति लोभ और अधिक चाह विकसित करता है। विचार बदलें, जिससे अनुभव बदलेगा और जीवन में परिवर्तन आएगा या फिर अशुभ ग्रह दशा चलने पर ग्रहों की शुभता का उपाय करें, जिससे ग्रह दे सकें आपको शुभ विचार क्योंकि सही समय पर सही विचार आने पर व्यक्ति के कल्याण को कोई नहीं रोक सकता है।

कोविदार वृक्ष घर की इस दिशा में लगाएं, धन-धान्य में होगी वृद्धि, भगवान की विशेष कृपा होगी प्राप्त

हिंदू धर्म में कोविदार वृक्ष का खास महत्व है। मान्यता है कि इस पावन वृक्ष को ऋषि कश्यप ने बनाया था, जो मंदार और पारिजात से मिलकर बना है। ऋषि कश्यप को सभी देवताओं के पिता माना जाता है और इस खास वृक्ष को भी उन्होंने ही बनाया था। ऐसे में कोविदार को देव वृक्ष भी कहा जा सकता है। वहीं, पौराणिक ग्रंथों में भी इसका खास महत्व बताया गया है। ऐसे में अयोध्या के राम मंदिर पर जो ध्वज लहराया गया है उस पर ओम और सूर्य के चिन्ह के साथ-साथ कोविदार वृक्ष का चित्र भी अंकित है। इस देव वृक्ष को घर में लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से जातक को घर की कई समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है और भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

इस दिशा में लगाएं कोविदार वृक्ष

घर में कोविदार को लगाना बेहद शुभ माना जाता है। इसे सकारात्मकता, सुख-समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। ऐसे में कोविदार वृक्ष को घर की सही दिशा में लगाने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। शास्त्रों और वास्तु के अनुसार, इस पौधे को पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना गया है। यह दिशा सूर्यदेव की होती है। ऐसे में पूर्व दिशा में पौधा लगाने से जातक के घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों की सेहत पर भी इसका अच्छा प्रभाव पड़ता है।

उत्तर दिशा में भी लगा सकते हैं कोविदार वृक्ष

अगर किसी कारण के चलते आप पूर्व दिशा में देव वृक्ष न लगा पाएं तो इसे घर की उत्तर दिशा में भी लगाया जा सकता है। इस दिशा का ज्योतिषशास्त्र और वास्तु में खास महत्व होता है, जिसे कुबेर देवता की दिशा भी कहा जाता है। साथ ही, इसी ओर से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है ऐसे में उत्तर दिशा में कोविदार का वृक्ष लगाने से जातक को आर्थिक समस्याओं से राहत मिल सकती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है। इस शुभ और पवित्र पौधे को सही दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों पर भगवान की विशेष कृपा बनी रह सकती है।

कोविदार वृक्ष से जुड़े इन नियमों का रखें ख्याल

इस वृक्ष को घर की दीवारों से थोड़ी दूर पर लगाना चाहिए क्योंकि, यह धीरे-धीरे काफी बड़ा हो जाता है। ऐसे में इसे थोड़ी दूरी पर लगाने से बाहर से आने वाली रोशनी सीधा घर में आएगी।

कोविदार वृक्ष को साफ स्थान पर लगाना चाहिए। साथ ही, इसके पास साफ-सफाई रखना जरूरी माना जाता है। हरा-भरा पेड़ घर में सौभाग्य लेकर आता है। ऐसे में इसमें समय-समय पर जल जरूर डालना चाहिए।

अगर कोविदार का पौधा पूरी तरह सूख जाए या इसके पत्ते खराब हो जाएं तो तुरंत वृक्ष को घर से हटा देना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में सूखे हुए पौधे होने से इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कोविदार वृक्ष को अपने मुख्य द्वार के ठीक सामने लगाने से बचना चाहिए क्योंकि, वास्तुशास्त्र में मेन गेट के सामने खंभा या पेड़ जैसा अवरोध होना शुभ नहीं माना जाता है। इससे घर में वास्तुदोष लग सकता है।

कार्तिक आर्यन की जबरदस्त बॉडी बनी चर्चा का विषय

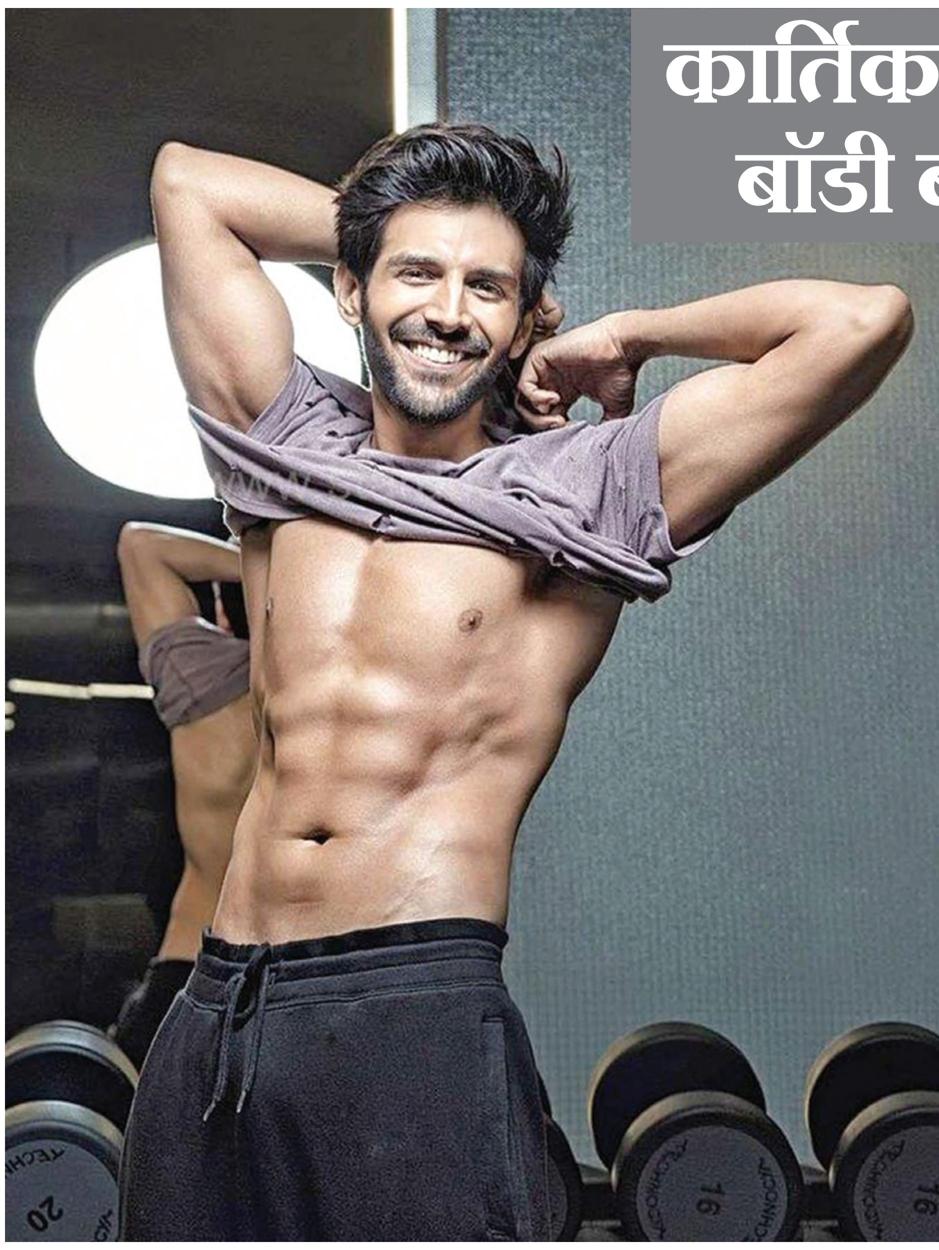

कार्तिक आर्यन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का धमाकेदार टीज़र आते ही इंटरनेट पर तहलका मच गया है, जिसमें 'रे' के किरदार में नज़र आ रहे कार्तिक आर्यन काफी फिट, स्ट्रॉन्ग और ट्रांसफॉर्म्ड अवतार में हैं। चीज़ल्ड बॉडी, चौड़े कंधे, और परफेक्टली डिफाइंड सिक्स-पैक एब्स के साथ कार्तिक ने यह साबित कर दिया है कि वह सिर्फ रोमांटिक स्टार या दमदार परफॉर्मर ही नहीं, बल्कि अपनी जनरेशन के सबसे फिट एक्टर्स में से एक हैं। हालांकि कार्तिक की यह फिजिकल जर्नी बेहद प्रेरणादायक रही है, जिसमें उनके शुरुआती चॉकलेट-बॉय इमेज से लेकर आज की रग्ड व रिप्ड पर्सनालिटी शामिल है। इन हालिया वर्षों में उन्होंने दिखा दिया कि डिसिप्लिन, कॉन्सिस्टेंसी और कठिन मेहनत से न सिर्फ शरीर को, बल्कि पूरे ऑन-स्क्रीन पर्सोना को आप बदल सकते हैं। फिलहाल टीज़र में कार्तिक के इस परफेक्ट बॉडी को देखकर उनके फैंस सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ़ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, रे, आशा की नई किरण है। उफ्फ़्फ़ उसके जन्मदिन पर ये टीज़र आना तो सोने पे सुहागा है! एक अन्य फैन ने कहा है, कार्तिक आर्यन, अपनी नैचुरल ऑरा से एक बार फिर स्क्रीन पर चमक उठे हैं। एक फैन ने तारीफ करते हुए लिखा है, वह काफी शानदार और चार्मिंग लग रहे हैं। फीमेल फैंस फिर से उन पर फ़िदा होने वाली हैं। टीज़र इतना रंगीन और खूबसूरत है। एक नेटिजन ने कहा, कार्तिक आर्यन, नई पीढ़ी के मासी यूथ स्टार हैं। उनकी स्क्रीन प्रेज़ेंस बेहद मैग्नेटिक है। एक और ने लिखा है, कार्तिक आर्यन की ग्रोथ कमाल की है। हर साल वह स्क्रीन पर और ज्यादा कॉन्फिडेंट नज़र आ रहे हैं।

टीज़र में कार्तिक की स्क्रीन प्रेज़ेंस काफी आकर्षक नज़र आ रही है, इसके साथ ही वे काफी फोकस्ड लग रहे हैं। उनका यह श्रेडेड लुक सिर्फ दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि यह उनकी बढ़ती सिनेमैटिक रेंज और कमिटमेंट को दर्शाता है। गौरतलब है कि 'चंदू चैंपियन' के लिए उनकी एक्सट्रीम फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन हो या आगामी फिल्मों के लिए एथलेटिक ट्रेनिंग हो, कार्तिक लगातार खुद को और बेहतर करते जा रहे हैं। वह हर फिल्म के लिए एक्स्ट्रा मेहनत, समय और समर्पण देते हैं, और यही वजह है कि वह आज इंडस्ट्री के सबसे भरोसेमंद और बहुमुखी अभिनेताओं में शामिल हो चुके हैं।

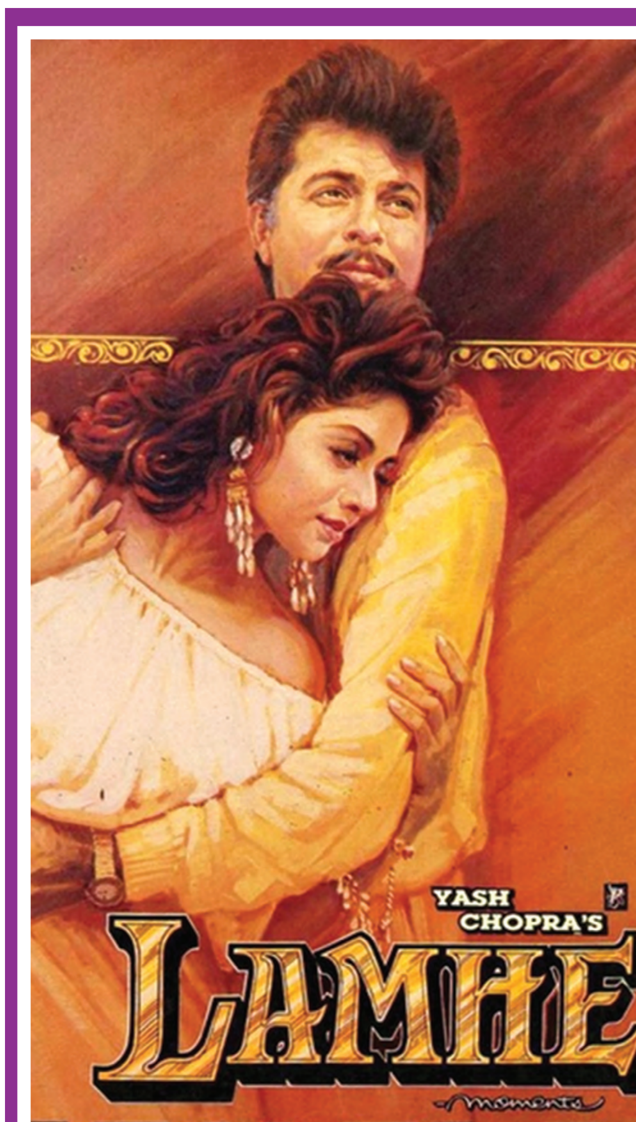

लम्हे के 34 साल पूरे, अनिल कपूर ने बताया कौन है उनका सबसे बड़ा आलोचक

बॉलीवुड के एवरग्रीन एक्टर अनिल कपूर की सुपरहिट फिल्म 'लम्हे' को आज रिलीज हुए 34 साल पूरे हो गए। फिल्म के प्रति अपने जज्बातों को बयां करते हुए एक्टर ने यह भी बताया कि उनके सबसे बड़े आलोचक को भी यह फिल्म पसंद है। 22 नवंबर 1991 को रिलीज हुई यह फिल्म आज भी दर्शकों के दिलों पर राज करती है। फिल्म के 34 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पुरानी तस्वीरों का कोलाज पोस्ट किया और फिल्म के साथ उन्हें इतना प्यार देने के लिए फैंस का आभार भी व्यक्त किया। अनिल ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, लम्हे के 34 साल और दर्शकों का प्यार अभी भी बरस रहा है! यहां तक कि फराह, जो आमतौर पर मेरी सबसे बड़ी क्रिटिक होती हैं, उन्होंने भी मेरे काम की तारीफ की और वह देखकर काफी हैरान थीं। लोग मैसेज कर रहे हैं कि फिल्म आज भी पुरानी नहीं लगती। इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने फैंस से अपील की, अगर आपने अभी तक यह बेहतरीन फिल्म नहीं देखी है तो 'लम्हे' अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है, आपको जरूर देखनी चाहिए। यश चोपड़ा के बैनर तले बनी 'लम्हे' उस जमाने की सबसे बोल्ड और अलग फिल्मों में से एक थी। फिल्म में अनिल कपूर ने विरेन का किरदार निभाया था, जबकि दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी ने दोहरी भूमिका निभाई थी। उनके किरदार का नाम पल्लवी और पूजा रहता है। दोनों की एक्टिंग को आज भी सराहा जाता है।

फिल्म की कहानी पर नजर डालें तो राजस्थान की रेत और महलों के बीच रहने वाला वीरेन (अनिल कपूर) बचपन से ही पल्लवी (श्रीदेवी) से प्यार करता है। लेकिन उसे कह नहीं पाता है। पल्लवी की शादी कहीं और हो जाती है। शादी के कुछ समय बाद ही एक कार एक्सीडेंट में पल्लवी और उसके पति दोनों की जान चली जाती है। उनकी छोटी-सी बेटी पूजा अकेली बच जाती है।

कई साल बीत जाते हैं और कहानी नए मोड़ पर आ जाती है। पूजा में पल्लवी की छवि नजर आती है। पूजा को वीरेन से प्यार हो जाता है लेकिन वीरेन उससे दूर भागता है और कहानी खूबसूरती के साथ आगे बढ़ती है। यश चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म में श्रीदेवी, अनिल कपूर के साथ वहीदा रहमान, इला अरूण और अनुपम खेर के साथ अन्य एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं।

लोग क्या कहेंगे... इस दबाव से हटकर बच्चों के बारे में सोचें माता पिता : गिरिजा ओक

आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक समझ को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। इस बीच पंकज त्रिपाठी, मोहित छाबड़ा के साथ मिलकर वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' जैसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो दर्शकों को खुद को और अपने परिवार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करती है। इसमें अभिनेत्री गिरिजा ओक अहम किरदार में हैं। रविवार को मेकर्स ने 'परफेक्ट फैमिली' का नया प्रोमो जारी किया, जिसमें गिरिजा ओक अपने किरदार नीति करकारिया के रूप में नजर आ रही हैं। प्रोमो से साफ है कि यह सीरीज सिर्फ एक पारिवारिक कहानी नहीं है, बल्कि बचपन की यादों, भावनाओं और उन अनकहे अनुभवों पर बात करती है, जिन्हें हम बड़े होने के बाद समझते हैं। शो में गिरिजा के साथ मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, नेहा धूपिया और गुलशन देवैया जैसे कलाकार भी हैं, जिनकी मौजूदगी अपने आप में कहानी को मजबूत बनाती है। सभी कलाकार एक ऐसे परिवार के सदस्य के रूप में हैं, जिसकी कहानी कई दर्शकों को अपने घर की याद दिला सकती है।

गिरिजा ओक ने इस सीरीज के बारे में बात करते हुए बताया कि बचपन का ट्रॉमा, यानी भावनात्मक चोट, बहुत अलग तरीके से काम करती है। जब बच्चा उसे जी रहा होता है, तब उसे यह एहसास नहीं होता कि वह किसी भारी अनुभव से गुजर रहा है। वह बस उसी समय की परिस्थितियों में खुद को संभालने की कोशिश कर रहा होता है।

उन्होंने कहा, ''हर माता-पिता अपने बच्चे के लिए अच्छा सोचते हैं, लेकिन कई बार वे समाज की राय या लोग क्या कहेंगे... जैसी सोच में उलझ जाते हैं। अगर माता-पिता इस दबाव को हटाकर सिर्फ अपने बच्चे के हित में सोचें, तो वे समझ पाएंगे कि बच्चे के लिए क्या सही है और क्या नहीं। बच्चों की भावनाओं को समझना और सही फैसले लेना बड़ों की जिम्मेदारी है।''

गिरिजा का कहना है कि आज के समय में माता-पिता ज्यादा जागरूक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो रहे हैं। इसी कारण भविष्य में कम लोगों को बचपन से जुड़ी परेशानियों के लिए थेरेपी की जरूरत पड़ेगी। गिरिजा ने बताया कि यह सीरीज उनके दिल के काफी करीब है। स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें महसूस हुआ कि यह किसी कहानी की किताब जैसा है। पहले कुछ एपिसोड पढ़ते ही उन्हें ऐसा लगा मानो वे किसी अच्छी नॉवेल में डूब गई हों।

उन्होंने कहा, गंभीर और कड़वी बातों को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए हमें थोड़ी 'मीठी परत' में पेश करना जरूरी होता है और इस स्क्रिप्ट ने यही काम बहुत खूबसूरती से किया है। कहानी मनोरंजक भी है और सोचने पर मजबूर भी करती है। यही वह संतुलन है, जिसकी वजह से मैंने इस शो को करने का फैसला लिया।

शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए गिरिजा ने कहा, ''जब तक हम थेरेपी वाले सीन तक पहुंचे, तब तक क्रू एक असली परिवार जैसी बन चुकी थी। सेट पर मस्ती, मजाक और बातचीत का माहौल इतना सहज था कि काम बोझ की तरह नहीं लग रहा था, बल्कि एक सुखद अनुभव जैसा था। दोस्ताना माहौल की वजह से भावनात्मक सीन्स को भी निभाना आसान हो गया।''

महाभारत की द्रौपदी : रूपा गांगुली ने एक ही टेक में किया था चीरहरण का सीन पूरा

मशहूर अभिनेत्री रूपा गांगुली ने मेहनत और प्रतिभा से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। उन्होंने न सिर्फ अपनी खूबसूरती से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि अपने किरदारों में इतनी जान डाल दी कि लोग उन्हें हमेशा याद रखते हैं। खासकर बी.आर. चोपड़ा के टीवी शो 'महाभारत' में निभाया गया उनका द्रौपदी का किरदार आज भी दर्शकों के बीच ताजा है। इस किरदार की एक खास याद चीरहरण से जुड़ी है। चीरहरण के सीन को उन्होंने एक ही टेक में पूरा कर दिया और शूट के तुरंत बाद भावनाओं में इतनी डूब गईं कि फूट-फूट कर रोने लगी थीं। रूपा गांगुली का जन्म 25 नवंबर 1966 को कोलकाता के कल्याणी में हुआ। बचपन से ही उन्हें कला और संस्कृति में रुचि थी। शुरू में उनका फिल्म और टीवी की दुनिया में आने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन एक बार शादी समारोह में उनकी मुलाकात फिल्म निर्माता बिजॉय चटर्जी से हुई, जो उस समय रवींद्रनाथ टैगोर की बंगाली कहानी 'देनापोना' पर आधारित अपनी हिंदी टेलीफिल्म 'निरुपमा' (1986) के लिए एक नए चेहरे की तलाश में थे। उन्होंने गांगुली को इसके लिए प्रस्ताव दिया। शुरुआत में तो रूपा गांगुली ने प्रस्ताव को स्वीकार करने में झिझक महसूस की, लेकिन बाद में अपनी मौसी के आग्रह पर उन्होंने हां कह दी। इसमें उनके साथ सौमित्र चटर्जी भी अहम भूमिका में थे। वे रूपा गांगुली के काम से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने अपनी बेटी पौलमी की फिल्म में उन्हें कास्ट करने की सलाह दी।

बंगाली फिल्मों के अलावा, उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों में काम किया, उन्होंने तारिक शाह की हिंदी फिल्म 'बाहर आने तक' (1990) में रमा की भूमिका निभाई। फिल्म को कुछ खास सफलता नहीं मिली। इसके बाद, वह के. बापय्या की 'प्यार का देवता' (1991), राज सिप्पी की 'सौगंध' (1991) और राजकुमार कोहली की 'विरोधी' (1992) जैसी फिल्मों में दिखाई दीं। 1991 में, उन्होंने तुलसी रामसे और श्याम रामसे की निर्देशित ब्लॉकबस्टर कन्नड़ फिल्म 'पुलिस मट्टू दादा' में भी अभिनय किया। 1992 में, वह एवी शेषगिरी राव की तेलुगु फिल्म 'इंस्पेक्टर भवानी' का भी हिस्सा रही और एक ईमानदार पुलिस अधिकारी का किरदार निभाया, जिसका मकसद उसकी मंगेतर की हत्या करने वालों को सजा देना होता है। उसी साल, उन्होंने सुकांता रॉय की बंगाली फिल्म 'पितृऋण' में अभिनय किया। हालांकि उन्हें टीवी शो 'महाभारत' से असली लोकप्रियता मिली, जिसमें उन्होंने द्रौपदी का किरदार निभाया। इस रोल ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। 'महाभारत' में सबसे महत्वपूर्ण सीन 'चीरहरण' का था, जिसे रूपा गांगुली ने सिर्फ एक ही टेक में पूरा कर लिया था। लेकिन जैसे ही शूट खत्म हुआ, वे अपने किरदार की भावनाओं में इतनी खो गईं कि रोने लग गईं। रूपा गांगुली का निजी जीवन भी चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने 1992 में मैकेनिकल इंजीनियर ध्रुव मुखर्जी से शादी की। शादी के शुरुआती सालों में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पति के व्यवहार के कारण वह परेशान रहने लगीं और इस दौरान उन्होंने तीन बार आत्महत्या करने की कोशिश भी की। हालांकि, उन्होंने कभी हार नहीं मानी। 1997 में बेटे आकाश के जन्म के बाद उन्होंने अपने जीवन को नया मोड़ दिया। तलाक के बाद उन्होंने मुंबई में अपने करियर पर ध्यान केंद्रित किया। अभिनय के अलावा, रूपा गांगुली एक ट्रेंड रवींद्र संगीत गायिका और क्लासिकल डांसर भी हैं। उन्होंने कई बंगाली फिल्मों में गाने गाए और इसके लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीता। उन्होंने अपने ग्लैमर करियर के बाद राजनीति में कदम रखा। साल 2015 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जॉइन की और बाद में राज्यसभा की मेंबर बनीं। यहां भी वह महिलाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय रही हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आप–को उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्य–क्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल–से–ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुला–कात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथ–ार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आप–को जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कार–ोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 नवंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 12:03 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 01:33 तक
योग : वृद्धि दोपहर 12:42 तक
करण : कौलव प्रातः 11:35 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द–चम्पा षष्ठी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने सरदार150 के तहत यमुना प्रवाह यात्रा को दिखाई हरी झंडी

जयपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और साहसिक निर्णयों से भारत को एकजुट कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि युवा सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर 'राष्ट्र प्रथम' को सर्वोपरि रखें तथा एक मजबूत, एकजुट तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। शर्मा ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमें दिया है तथा उसी आधार पर देश आगे बढ़ रहा है।

शर्मा ने बुधवार को अमर जवान ज्योति से सरदार150 यूनिटी मार्च के अंतर्गत यमुना प्रवाह यात्रा के तहत आयोजित समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पूरे देशभर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इसी के तहत यमुना प्रवाह यात्रा भी संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के तहत राजस्थान सहित विभिन्न प्रदेशों से युवा जयपुर से सरदार पटेल की जन्मभूमि कमरसद तक की यात्रा करेंगे। यह यात्रा युवाओं के लिए सरदार पटेल के जीवन, संघर्ष और देशभक्ति को करीब से जानने का अवसर है। साथ ही, युवाओं को सरदार पटेल के आदर्शों और मूल्यों को समझने का प्रत्यक्ष अनुभव भी मिलेगा। सरदार पटेल ने कभी नहीं किया सिद्धांतों से समझौता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल का स्वतंत्रता आंदोलन में अमूल्य योगदान रहा। बारडोली सत्याग्रह में उनकी प्रभावशाली भूमिका के कारण उन्हें सरदार की उपाधि दी गई। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भी बढ़–चढ़कर भाग लिया और किसानों को अपने अधिकारों के लिए लड़ना सिखाया और सरदार पटेल जेल भी गए। लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया।

शर्मा ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी तो मिली लेकिन विभाजन का दर्द भी सहना पड़ा। उस समय देश सैकड़ों टुकड़ों में बंटा हुआ था। उन्होंने कहा कि देश की 562 रियासतें स्वतंत्र इकाई थी। सरदार पटेल ने अपनी कूटनीति, दूरदर्शिता और कभी–कभी कठोरता का इस्तेमाल करते हुए प्रत्येक रियासत को भारत में मिलाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने ऑपरेशन पोलो चलाकर हैदराबाद तथा जनमत संग्रह कराकर जूनागढ़ को भारत में शामिल कराया। उन्होंने भारत की एकता और अखंडता को अपना सबसे बड़ा लक्ष्य बनाया और उसे पूरा करके दिखाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल की विरासत को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। सरदार पटेल का अधूरा सपना प्रधानमंत्री ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर पूरा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को एक सूत्र में बांध रहे हैं। पूरब से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक आज भारत एक हो रहा है। सरदार पटेल के योगदान को सम्मान देते हुए विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाई गई। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण, विकास योजनाओं, आतंकवाद–नक्सलवाद का खात्मा तथा विश्व पटल पर देश का सम्मान बढ़ने जैसे अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व भारत को उम्मीदों से देख रहा है तथा दुनिया के सबसे बड़े लीडर के नेतृत्व में देश नई ऊचाईयां छू रहा है।

शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन युवाओं और हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। युवा पीढ़ी उनके जीवन से कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा, दृढ़ संकल्प, एकता तथा सादगी की पांच प्रमुख सीख ले सकती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सरदार150 यूनिटी मार्च के तहत यमुना प्रवाह यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इससे पहले शर्मा ने अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन भी किया। इस दौरान सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, जितेन्द्र गोठवाल, गोपाल शर्मा, बालमुकुन्दाचार्य सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

दो दिवसीय ग्लोबल सोलर एक्सपो–2025 का शुभारंभ

ऊर्जा मंत्री ने कहा दो साल में राजस्थान ने जोड़ी 19 हजार मेगावाट अतिरिक्त सौर ऊर्जा क्षमता

जयपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में दो दिवसीय ग्लोबल सोलर एक्सपो–2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप राजस्थान आज अक्षय एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर 35,357 मेगावाट तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बीते लगभग दो वर्षों में इस क्षमता में करीब 19 हजार मेगावाट की उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2070 तक देश को नेट–जीरो के लक्ष्य की दिशा में राजस्थान पूर्ण प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रहा है।

हीरालाल नागर ने कहा कि पीएम कुसुम योजना ने किसानों को अन्नदाता के साथ–साथ ऊर्जादाता भी बनाया है। प्रदेश में इस योजना के तहत लगभग 2400 मेगावाट क्षमता के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो चुके हैं, जिससे किसानों को दिन में भी कृषि कार्यों हेतु सस्ती एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध हो रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप वर्ष 2030 तक देश में 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। इसी दिशा में राज्य सरकार पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत–2047 के संकल्प को साकार करने में ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज कोई भी क्षेत्र ऊर्जा के बिना प्रगति नहीं कर सकता, ऐसे में ऊर्जा अवसंरचना का विकास बहुआयामी विकास का आधार है। पश्चिमी राजस्थान का विशाल भूभाग राज्य को सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए प्राकृतिक रूप से अनुकूल परिस्थितियां प्रदान करता है।

उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में उद्योग स्थापना हेतु आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, ताकि अधिक से अधिक निवेशक प्रदेश की प्रगति में सहभागी बन सकें। प्रमुख शासन सचिव, ऊर्जा विभाग अजिताभ शर्मा ने कहा कि कुसुम योजना के कम्पोनेंट–ए में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है, जबकि कम्पोनेंट–सी में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद तीसरे स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा की असीमित संभावनाओं को देखते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार दोनों का उद्देश्य नवीन नीतियों एवं नवाचार के माध्यम से प्रदेश में सौर उत्पादन के साथ–साथ भंडारण क्षमता का भी विकास करना है।

जेल की दीवारों में गूंजा हम भारत के लोग

श्यालावास जेल में कैदियों ने बनाई संविधान की विशाल रंगोली

जयपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय संविधान दिवस के उपलक्ष्य में दौसा स्थित विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास में एक प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। जेल अधीक्षक पारस जांगिड की पहल पर जेल में निरुद्ध कैदियों ने बुधवार को संविधान की प्रस्तावना की एक विशाल और आकर्षक रंगोली तैयार की। कैदियों ने रचनात्मकता का परिचय देते हुए चूना पाउडर और प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर जेल परिसर के मैदान में अंग्रेजी भाषा में सम्पूर्ण प्रस्तावना को हुबहू मूल संविधान के चित्र की डिज़ाइन में उकेरा। इस कलाकृति के नीचे केसरिया, सफेद और हरे रंग की झंडियाँ लगाकर इसे देशभक्ति का रंग दिया गया।

रंगोली तैयार होने के बाद जेलर विकास बागोरिया के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जेल में मौजूद लगभग सभी 482 कैदियों और स्टाफ ने एक साथ मिलकर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इस दौरान कैदियों ने जोशपूर्ण देशभक्तिपूर्ण नारे लगाए और संविधान सभा के सदस्यों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर राष्ट्र गान और राष्ट्र गीत गाया। जेल अधीक्षक जांगिड ने इस अवसर पर कैदियों और स्टाफ को संबोधित किया। उन्होंने भारत के संविधान के महत्व को समझाते हुए कैदियों को उनके मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी, ताकि वे जेल से बाहर निकलने के बाद एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन जी सकें। रंगोली बनाने वाले कैदियों में संदीप अग्रवाल, विकास शर्मा, रतन सिंह, दीन दयाल, राजेश मूर्तिकार, महेश और प्रवीण आदि शामिल थे, जिनकी कला की सराहना की गई।

खेल और खिलाड़ियों से दुश्मनों जैसा बर्ताव करती है बीजेपी सरकार : भूपेंद्र सिंह

रोहतक, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है हरियाणा की बीजेपी सरकार खेल और खिलाड़ियों के साथ दुश्मनों जैसा बर्ताव कर रही है। इसी वजह से बास्केटबॉल के जर्जर हो चुके पोल के गिरने से दो होनहार युवा खिलाड़ियों हार्दिक और अमन की दर्दनाक मौत हुई। यह कोई साधारण दुर्घटना या सामान्य मृत्यु नहीं है, बल्कि सरासर सरकारी लापरवाही से हुई हत्या है। हार्दिक राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी था। उसका भविष्य बहुत उज्ज्वल था, क्योंकि वो अभी से अमेरिका के एक क्लब से भी जुड़ चुका था। इसी तरह मात्र 15 वर्षीय अमन भी एक होनहार खिलाड़ी था। दोनों युवा खिलाड़ियों की असमय मृत्यु ने पूरे प्रदेश को स्तब्ध कर दिया है। कांग्रेस मांग करती है कि इस मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच हो और दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। इस मामले में लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर FIR दर्ज करके ऐसी कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे पूरे तंत्र को सबक मिले। साथ ही, दोनों मृतक खिलाड़ियों के परिवारों को तुरंत सरकारी नौकरी दी जाए पर्याप्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। हुड्डा ने कहा कि इस हादसे की सीधी जिम्मेदारी वर्तमान भाजपा सरकार की है। क्योंकि कांग्रेस सरकार के समय खेलों के लिए जो विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया गया था, उसका रख–रखाव तक इस सरकार ने नहीं किया। आज हरियाणा में खेल व्यवस्था पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। स्टेडियम, खेल मैदान और उपकरणों की कोई सुध नहीं ली जा रही। लखनमाजरा में जिस पोल से यह हादसा हुआ, वह पूरी तरह जंग लगा और जर्जर हालत में था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने इसी लखनमाजरा ग्राउंड के लिए 12 लाख 30 हजार रुपये और उसके बाद 6 लाख 20 हजार रुपये और दिए थे, लेकिन सारा पैसा कागजों में ही दबकर रह गया, धरातल पर कुछ नहीं हुआ।भाजपा सरकार आने के बाद हरियाणा की खेल नीति पूरी तरह ठप्प हो गई है।

हरियाणा में जान जोखिम में डालकर प्रैक्टिस कर रहे हैं खिलाड़ी : सैलजा

चंडीगढ़, 26 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि रोहतक के लालचौपड़ा स्थित खेल परिसर में अभ्यास के दौरान बास्केटबॉल का भारी पोल गिरने से 17 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर के उभरते खिलाड़ी हार्दिक राठी की मौत अत्यंत हृदय विदारक घटना है। उन्होंने कहा कि हार्दिक जैसे प्रतिभाशाली युवा की असमय मृत्यु पूरे प्रदेश के लिए बड़ी क्षति है। परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह पीड़ा शब्दों में बयान नहीं की जा सकती। यदि मेंटेनेंस या निगरानी में कहीं भी लापरवाही हुई है तो संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि यह हादसा केवल एक दुर्घटना भर नहीं है, बल्कि यह प्रदेश में खेल अधोसंरचना और सुरक्षा व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति पर गंभीर प्रश्न उठाता है। समय पर रखरखाव, उपकरणों की जांच और निगरानी की कमी ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को जोखिम में डाल दिया है। सरकार और खेल विभाग की यह जिम्मेदारी है कि खिलाड़ी सुरक्षित वातावरण में प्रशिक्षण ले सकें, लेकिन हाल के वर्षों में स्टेडियमों के रखरखाव में निरंतर लापरवाही देखने को मिल रही है। सांसद ने कहा कि चिंताजनक बात यह है कि जो प्रदेश मात्र 2 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद देश के 33 प्रतिशत से अधिक ओलंपिक, एशियाई और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडल जीतता हो, वहां खेल सुविधाओं का जर्जर होना बेहद शर्मनाक और चिंताजनक है।

राष्ट्र को मजबूत और सशक्त करना ही संविधान की मूल भावना : सैनी

चंडीगढ़, 26 नवंबर (एजेंसियां)। संविधान दिवस के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को हरियाणा विधानसभा पहुंचे और वहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर प्रदेशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सभी के लिए गर्व का दिन है, क्योंकि भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समान अवसर, न्याय और गरिमा के साथ आगे बढ़ने का अधिकार प्रदान किया है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राष्ट्र को मजबूत, सशक्त और एकजुट करना ही संविधान की मूल भावना है और इसी संकल्प के साथ हरियाणा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, सुशासन, सामाजिक न्याय और नागरिकों की भागीदारी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की आत्मा हैं और सरकार की नीतियां इन्हीं सिद्धांतों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज संविधान पूरी तरह सुरक्षित है और 'सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास–सबका प्रयास' संविधान की भावना का सच्चा प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे ने संविधान की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि देशहित और संविधान की गरिमा सबसे ऊपर है।

मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से संविधान में निहित मूल कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथ में है और युवाओं को संविधान की समझ के साथ समाज और देश के प्रति कर्तव्य निर्वहन का संकल्प लेना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, राजस्व मंत्री विपुल गोयल, खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर सहित अनेक विधायक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्नाटक के ड्राफ्ट बिल में दिव्यांग लोगों के लिए प्राइवेट सेक्टर में 5 प्रतिशत कोटा का प्रस्ताव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज इन एम्प्लॉयमेंट एंड एजुकेशन बिल, 2025 का ड्राफ्ट जारी किया है। इसमें डिसेबिलिटीज वाले लोगों के लिए भर्ती, काम की जगह पर अधिकार और शिक्षा तक पहुंच में बड़े सुधारों का प्रस्ताव है। यहां जारी एक आधिकारिक गजट में जारी हुए इस ड्राफ्ट का मकसद राज्य की पॉलिसी को राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज एक्ट, 2016 और यूएन कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज के साथ अलाइन करना है। इस प्रस्ताव के तहत, 20 या उससे ज्यादा कर्मचारियों वाली प्राइवेट कंपनियों को मंजूर पदों में से 5 प्रतिशत पद डिसेबिलिटीज

वाले लोगों के लिए आरक्षित करने होंगे। यह कोटा डायरेक्ट भर्ती के साथ साथ रेगुलर पदों पर भी लागू होगा और इसे अलग-अलग चरणों में लागू किया जाएगा। एम्प्लॉयर्स को सालाना कम्प्लायंस रिपोर्ट फाइल करनी होगी, नई स्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी के बताए अनुसार डिसेबिलिटी कैटेगरी में वैकेंसी बांटनी होंगी और खाली पदों को तीन भर्ती साइकिल तक आगे बढ़ाना होगा। छूट सिर्फ उन रोल में दी जाएगी जहां जरूरी काम ठीक से होने पर भी नहीं किए जा सकते। नियम तोड़ने पर 10,000 रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लग सकता है, साथ ही सुधार के निर्देश और नियम न मानने की जानकारी सबके सामने आ सकती है। धोखाधड़ी वाले विकलांगता दावों पर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना और दो साल तक की जेल हो सकती है। सरकार नियमों का पालन करने वाले संगठनों के लिए खरीद में प्राथमिकता और सर्टिफिकेशन जैसे इंसेंटिव भी दे सकती है। ड्राफ्ट बिल भर्ती, प्रमोशन, ट्रेनिंग और सर्विस की शर्तों में भेदभाव पर रोक लगाता है।

एम्प्लॉयर को सहायक डिवाइस, काम के लचीले अवसर और जरूरी शारीरिक बदलावों सहित उचित सुविधाएं देनी होंगी। अगर कोई एम्प्लॉयर बहुत ज्यादा परेशानी का हवाला देकर सुविधाएं देने से मना करता है, तो कारण लिखकर देने होंगे और प्रस्तावित स्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी द्वारा इसकी समीक्षा की जा सकती है। विकलांगता से जुड़ी जानकारी सिर्फ जानकारी देकर ही बताई जा सकती है, सिवाय तब जब सुरक्षा या कानूनी मकसद के लिए ऐसा करना जरूरी हो। ड्राफ्ट में आगे कहा गया है कि जिन कर्मचारियों को सर्विस के दौरान विकलांगता हो जाती है, उन्हें डिमोट या नौकरी से नहीं निकाला जा सकता और उन्हें फिर से नियुक्त किया जाना चाहिए। शिक्षा में, बिल यह जरूरी बनाता है कि सभी संस्थान हर कोर्स में विकलांग छात्रों के लिए 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित करें। इंस्टीट्यूशन को एडमिशन, क्लासरूम लर्निंग और एग्जाम के दौरान सही सुविधएं देनी होंगी, जिसमें ज्यादा समय, स्क्राइब और दूसरे सवाल जवाब शामिल हैं। उन्हें आसान इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल प्लेटफॉर्म पक्का करने होंगे, छह महीने के अंदर एक्सेसिबिलिटी और इनक्लूजन प्लान तैयार करने होंगे और पांच साल के अंदर पूरी एक्सेसिबिलिटी हासिल करनी होगी। दिव्यांग स्टूडेंट्स को पांच साल की उम्र में छूट और 5 परसेंट कट ऑफ छूट जैसे फायदे मिलेंगे।

मंत्री ने आने वाली गर्मियों में बिना रुकावट बिजली आपूर्ति का किया वादा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के बिजली मंत्री केजे जॉर्ज ने वादा किया कि आने वाली गर्मियों में कर्नाटक में कोई लोड शेडिंग नहीं होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सात घंटे बिना रुकावट तीन चरणों में बिजली आपूर्ति करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विजयनगर जिले के होसपेटे तालुक के बैलुवड्डिगेरे गांव में कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीटीसीएल) द्वारा 9.28 करोड़ की लागत से बनाए गए नए बने पावर सब स्टेशन का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कोरोना-19 के बाद मांग में बढ़ोतरी को देखते हुए पावर सप्लाई को स्टेबल करने के लिए अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा 2024 में, मांग 9,000 एमडब्ल्यू से बढ़कर लगभग 18,000 एमडब्ल्यू होने के बावजूद, सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि किसानों और घरों को कोई दिक्कत न हो। जब 2023 में हमारी सरकार बनी, तो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बिजली विभाग को कम से कम पांच घंटे लगातार सप्लाई की गारंटी देने का निर्देश दिया था, और एक महीने के अंदर इसे बिना किसी रुकावट के सात घंटे तक बढ़ा दिया गया। मंत्री ने कहा कि अगर बैलुवड्डिगेरे सब-स्टेशन की सीमा में 40 एकड़ जमीन मिलती है, तो ग्रिड को मजबूत करने और लोकल खपत को सपोर्ट करने के लिए 10 एमडब्ल्यू का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। सरकार के कल्याण प्रतिबद्धता की ओर इशारा करते हुए, जॉर्ज ने कहा कि कर्नाटक गारंटी योजना पर हर साल 55,000 करोड़ खर्च कर रहा है, और अकेले खेती के पंप सेट के लिए 20,000 करोड़ सब्सिडी दे रहा है। उन्होंने कहा, किसानों को दी जाने वाली बिजली कोई नुकसान नहीं है।

इससे खाने का प्रोडक्शन बढ़ता है और राज्य की इकॉनमी मजबूत होती है। सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को समर्थन करने के लिए गृह ज्योति योजना के तहत 9,000 करोड़ की सब्सिडी भी दे रही है। होसपेटे के विधायक एच. आर. गविप्पा ने परियोजना का स्वागत करते हुए कहा कि इलाके में बेहतर पावर इंफ्रास्ट्रक्चर की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। उन्होंने कहा, होसपेटे और आस-पास के गांवों में नए सब स्टेशन बनने से, हमारे किसानों को कम बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा, और इलाके में तेजी से तरक्की होगी।

छपरा में शराब कारोबारियों से सांठगांठ के आरोप में दो पुलिस पदाधिकारी निलंबित

छपरा/एजेंसियां।

बिहार के छपरा में शराब कारोबारियों से मिलीभगत और अवैध वसूली के गंभीर आरोप में दो पुलिस पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामले की पुष्टि सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने की है। मामला उस समय सामने आया जब मुफस्सिल थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि एक स्कॉर्पियो गाड़ी में जब्त शराब को छोड़ने के लिए सौदेबाजी हो रही है और एक पुलिसकर्मी को बंधक बना लिया गया है। सूचना मिलते ही एएसपी सदर राम पुकार सिंह के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई की गई और प्रशिक्षु अवर निरीक्षक चंद्रभान कुमार को मढ़ौरा थाना क्षेत्र के कोलुआ गांव से सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने शराब कारोबारी बाम्लीकि सिंह के दो सहयोगियों की पहचान भी कर ली है। इनके पास से हथियार भी बरामद किए गए।

एसएसपी डॉ. कुमार आशीष के अनुसार छापेमारी के दौरान बाम्लीकि सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक देशी पिस्टल, तीन मैग्जीन और एक जिंदा कारतूस मिला। जांच में यह तथ्य सामने आया कि प्रशिक्षु दारोगा चंद्रभान कुमार और दीपक कुमार ओझा स्कॉर्पियो में जब्त शराब छोड़ने के एवज में अवैध वसूली कर रहे थे। एएसपी सदर की जांच रिपोर्ट में इसकी पुष्टि के बाद दोनों के खिलाफ मद्यनिषेध एवं आर्म्स एक्ट सहित सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। छापेमारी टीम में एएसपी सदर 1 राम पुकार सिंह, मढ़ौरा के एएसपी 1 नरेश पासवान, गरखा, मढ़ौरा और मुफस्सिल थाने के थानाध्यक्ष व अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। गिरफ्तार अभियुक्त बाम्लीकि सिंह मढ़ौरा के जमालपुर गांव का रहने वाला है।

पुलिस ने उसके पास से एक देशी पिस्टल, तीन मैग्जीन, एक जिंदा कारतूस, एक चाकू, 9 लीटर देशी शराब और एक स्कॉर्पियो वाहन जब्त किया है।

संविधान दिवस पर भाकपा ने निकाला प्रतिरोध मार्च

सीवान/एजेंसियां।

संविधान दिवस के अवसर पर भाकपा (माले) ने देशव्यापी कार्यक्रम के तहत सीवान में प्रतिरोध मार्च निकाला। मार्च ललित बस स्टैंड से शुरू होकर बबुनिया मोड़ होते हुए जेपी चौक पर सभा में परिवर्तित हो गया। बड़ी संख्या में मजदूर, किसान, महिलाएं और युवा इसमें शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) के जिला सचिव कॉमरेड हंसनाथ राम ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान अंगीकृत किया गया था और 26 नवंबर 1950 को इसे लागू कर दुनिया का सबसे मजबूत लोकतांत्रिक गणराज्य स्थापित किया गया। लेकिन आज संविधान और लोकतंत्र पर लगातार हमले

हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ठीक चार वर्ष पहले, 26 नवंबर 2020 को तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने दिल्ली बॉर्डर पर ऐतिहासिक आंदोलन शुरू किया था, जिसमें 700 से अधिक किसानों ने अपनी शहादत दी। भारी दबाव के बाद मोदी सरकार को कानून वापस लेने पड़े, लेकिन एमएसपी पर कानून बनाने की घोषणा आज तक लागू नहीं की गई। कॉमरेड हंसनाथ राम ने मजदूरों के मुद्दों पर बोलते हुए कहा कि चारों लेबर कोड लागू कर 8 घंटे की मेहनत को 12 घंटे में बदला जा रहा है। यूनियन बनाने के अधिकार पर हमला हो रहा है और पूंजीपतियों को हायर एंड फायर की खुली छूट दी जा रही है। बिहार की मौजूदा स्थिति पर उन्होंने कहा कि 20 साल के शासन से त्रस्त जनता बदलाव चाहती थी, लेकिन सत्ता पक्ष ने महिलाओं को 10 हजार रुपये, पेंशनधारियों को 1100 रुपये, जंगलराज का भय और एसआईआर से लेकर मतगणना तक धांधली कर फिर से सत्ता हासिल कर ली। शपथ ग्रहण के छह दिन बाद ही गृह एवं वित्त मंत्रालय नीतीश कुमार से छीनकर भाजपा ने अपने पास रख लिया है। उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बिहार में बुलडोजर राज की तैयारी की जा रही है, जिसकी शुरुआत नालंदा में 150 पासवान परिवारों के घर उजाड़कर की गई। मार्च का नेतृत्व जिला सचिव कॉमरेड हंसनाथ राम, अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला सचिव जयनाथ यादव, छात्र नेता विकास यादव, गौतम पांडेय, मुखिया रामजी खरवार, प्रदीप कुशवाहा, सफाई मजदूर नेता अमित साह, कालू बसफोर समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए बीएसएफ

सब इंस्पेक्टर स्व. मोहम्मद इम्तियाज के पुत्र को अनुकंपा के आधार पर मिली सरकारी नौकरी

सारण/एजेंसियां।

जिले के गड़खा प्रखंड के नारायणपुर निवासी और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए बीएसएफ सब इंस्पेक्टर स्व. मोहम्मद इम्तियाज के पुत्र मो. इमदाद रजा को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। जिलाधिकारी अमन समीर ने अपने कार्यालय के सभागार में मो. रजा को नियुक्ति पत्र सौंपा। उनकी शैक्षणिक योग्यता स्नातक के अनुरूप उन्हें निम्नवर्गीय लिपिक (एलडीसी) के पद पर तैनाती दी गई है। शहादत के बाद से परिवार आर्थिक व मानसिक तौर पर कठिनाइयों का सामना कर रहा था।

ऐसे में सरकार द्वारा की गई इस नियुक्ति को शहीद के परिवार और

स्थानीय लोगों ने सराहा है। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद मो. इमदाद रजा ने सरकार और जिलाधिकारी का आभार जताते हुए कहा कि वह अपने शहीद पिता की सेवा और त्याग को हमेशा याद रखकर ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि अनुकंपा आधारित नियुक्ति का उद्देश्य शहीद परिवारों को सम्मान देना और शीघ्र सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि 20 नवंबर को जिला अनुकंपा चयन समिति की बैठक में आवेदन की विस्तृत समीक्षा के बाद नियुक्ति की अनुशंसा की गई। सभी दस्तावेजों के सत्यापन के बाद समिति ने मो. रजा को पूरी तरह योग्य पाया। डीएम ने यह भी कहा कि जिले में अनुकंपा आधारित नियुक्ति के सभी मामलों को अब एक महीने की समय सीमा में निष्पादित किया जाएगा, ताकि पात्र परिवारों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। इसे शहीद परिवारों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता का उदाहरण बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बीएसएफ सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज मई माह में जम्मू कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तान की गोलीबारी में शहीद हुए थे। असाधारण पराक्रम के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें मरणोपरांत वीरचक्र से सम्मानित करने का निर्णय लिया था। अगस्त में आयोजित कार्यक्रम में शहीद की पत्नी शाहनाज अजीमा को यह सम्मान पत्र सौंपा गया था।

ममता हुई शर्मसार, मां ने ठंड में नवजात को मरने के लिए फेंका

पूर्णिया/एजेंसियां।

जिले के भवानीपुर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। कड़ाके की ठंड में एक मां ने अपने नवजात शिशु को सड़क किनारे एक गड्ढे में मरने के लिए फेंक दिया। मानवता को शर्मसार करने वाले इस कृत्य के बाद मामला तब और रहस्यमय हो गया, जब नवजात के शव को दफनाने की तैयारी कर रहे ग्रामीणों के बीच अचानक दो अज्ञात युवतियां पहुंचीं और जबरन शव लेकर फरार हो गईं। यह घटना रायपुरा मध्य विद्यालय के समीप की है। जानकारी के अनुसार प्रतिदिन की तरह विद्यालय के पास से गुजर रहे ग्रामीणों ने गड्ढे से किसी के रोने की आवाज़ सुनी। पहले उन्हें लगा कि शायद कोई जानवर फंसा होगा, लेकिन पास जाकर देखा तो खून से लथपथ एक नवजात शिशु बेतरतीबी से पड़ा हुआ था। बच्चे के शरीर पर कई खरोंच और ताजे जख्म थे, और उसकी नब्ज बहुत धीमी चल रही थी। ग्रामीणों ने तुरंत बच्चे को अस्पताल ले जाने की तैयारी की, लेकिन उपचार मिलने से पहले ही मासूम ने दम तोड़ दिया।

इसके बाद ग्रामीणों ने घंटों की आपसी चर्चा के बाद लावारिस नवजात का अंतिम संस्कार करने का फैसला लिया और दफनाने की तैयारी शुरू कर दी। इसी दौरान भीड़ को चीरते हुए अचानक दो युवतियां वहां आईं। उन्होंने 'सम्मानजनक अंतिम संस्कार' की बात कहते हुए नवजात का शव उठाया और लोगों के विरोध के बावजूद जबरन लेकर वहां से फरार हो गईं। युवतियों की पहचान और उनके गांव के बारे में ग्रामीणों को कोई जानकारी नहीं मिल सकी है, जिससे उनके इरादों को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना के बाद क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाएं हैं।

कुछ लोग मान रहे हैं कि युवतियां दत्तक ग्रहण की कोशिश से जुड़ी हो सकती हैं, वहीं कुछ ग्रामीणों को आशंका है कि यह किसी बड़ी साजिश या सबूत मिटाने का प्रयास भी हो सकता है।

भवानीपुर थाना के अपर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि पुलिस को मामले की जानकारी मिल गई है और जांच शुरू कर दी गई है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि नवजात को किसने फेंका और शव को ले जाने वाली युवतियां कौन थीं। जल्द ही मामले से पर्दा उठने की उम्मीद है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भवानीपुर के तेलियारी में भी एक नवजात को बोरे में बंद कर फेंक दिया गया था, जिसे एक ग्रामीण दंपति ने बचाया था।

पीएम मोदी के दौरे के चलते कल कुछ इलाकों में स्कूल, आंगनवाड़ी बंद रहेंगे

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्री कृष्ण मठ के तय दौरे को देखते हुए, उडुपी जिला प्रशासन ने शुक्रवार को कुछ खास इलाकों के स्कूलों और आंगनवाड़ियों में एक दिन की छुट्टी की घोषणा की है। प्रशासन ने उडुपी शहर, मालपे और मणिपाल पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली आंगनवाड़ियों, प्राइमरी स्कूलों और हाई स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है। अधिकारियों ने स्कूली बच्चों पर असर डालने वाली संभावित ट्रैफिक रुकावटों का जिक्र किया और उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान प्रोटोकॉल व्यवस्था और कड़ी सुरक्षा उपायों के तहत, जिसमें

केंद्रीय मंत्रियों, कर्नाटक के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की संभावना है, उडुपी जिला पुलिस ने कार्यक्रमों को आसानी से चलाने के लिए एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी थी। अधिकारियों ने साफ किया कि छुट्टी के कारण छूटे एकेडमिक सत्र की भरपाई दूसरी आम छुट्टियों पर की जाएगी।

पारिवारिक विवाद में बेटे ने पिता को मारा, फिर खुद को भी मारी गोली

लखीसराय/एजेंसियां।

जिले के बड़हिया थाना क्षेत्र के खुटहा चेतन टोला गांव में मंगलवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई।

घरेलू विवाद इतना बढ़ गया कि घर के अंदर ही पिता पुत्र की मौत हो गई और पूरे गांव में मातम छा गया है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव निवासी राम उदय शंकर सिंह के पुत्र विकास कुमार उर्फ नाटो, जो आईटीबीपी का जवान था और फिलहाल छपरा में उसकी ड्यूटी लगी हुई थी, दो दिन पहले ही छुट्टी लेकर घर

आया था।

मंगलवार की शाम घर के अंदर उसकी पत्नी के साथ किसी पारिवारिक मुद्दे को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। पत्नी और विकास के बीच बढ़ते विवाद की आवाज सुनकर पिता राम उदय शंकर सिंह उन्हें समझाने पहुंचे, लेकिन तभी स्थिति अचानक बेकाबू हो गई। गुस्से में आकर विकास ने अपने पिता पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह खौफनाक घटनाक्रम यहीं नहीं रुका पिता की हत्या के तुरंत बाद विकास ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। लगातार दो मौतों से पूरा गांव सदमे में है और लोगों में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही एसपी अजय कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बड़हिया थाना पुलिस भी पहुंची और घर को सील करते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से हथियार और खोखे बरामद कर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घटना के पीछे वास्तविक विवाद क्या था, यह परिवार के अन्य सदस्यों के बयान, तकनीकी जांच और फोरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पूरे क्षेत्र में इस दर्दनाक घटना की चर्चा है और गांव में गहरा मातम पसरा हुआ है।

परिसर की दीवार घर पर गिर गई, बड़ा हादसा टला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुत्तूर के नेक्किलाडी में जनता कॉलोनी में एक पड़ोसी घर की परिसर की दीवार एक नए किराए के आवास पर गिरने से एक बड़ा हादसा टल गया। साइट पर एक राजमिस्त्री की समय पर चेतावनी के कारण, कब्जेदार सुरक्षित बच गए। परिवार हाल ही में जब्बार द्वारा नंदावर के इलियास को किराए पर दिए गए घर में रहने आया था। इससे पहले दिन में, परिवार ने धार्मिक अनुष्ठान किया था और रिश्तेदार एकत्र हुए थे। शाम को रसोई में दावत की तैयारी चल रही थी। किराए के घर के पीछे, अधिक ऊंचाई पर, बेंगलूरु में रहने वाली सुशीला का घर है। पिछले 10 दिनों से वहां चहारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा था। 24 नवंबर की शाम करीब 5 बजे राजमिस्त्री को दीवार के अस्थिर होने के निशान दिखे। खतरे को भांपते हुए उन्होंने नीचे रहने वालों को तुरंत घर खाली करने के लिए आवाज लगाई। रसोई में काम करने वाले बाहर भागे। कुछ ही क्षण बाद, परिसर की दीवार ढह गई और किराए के मकान पर गिर गई। टक्कर से रसोई पूरी तरह नष्ट हो गई और घर को नुकसान पहुंचा। मलबे में फ्रिज, गैस सिलेंडर, चूल्हा और बर्तन दब गए। इलियास के परिवार के अलावा, 7 8 बच्चों सहित कई रिश्तेदार घर में मौजूद थे, उनमें से कई घटना के समय रसोई में खाना बना रहे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com